CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 29° C
न्यूनतम : 23° C

हल्द्वानी, मंगलवार 8 जुलाई 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 317 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2082 | 12 मुहर्रम 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में ब्लॉक स्तर पर स्थापित होंगी एस्ट्रो लैब्स पेज 2

वर्ल्ड चैंपियनशिप-प्वाइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत खेल टाइम्स

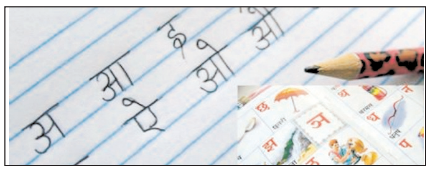

महाराष्ट्र में भाषा विवाद चिंता का विषय सम्पादकीय

हसीना और उनके परिवार पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार पेज 2

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हुआ बड़ा ध्रुवीकरण

पहलगाम हमला: ब्रिक्स की एकजुट निंदा

रियो डी जनेरियो, वार्ता

- 31 पेज और 126 प्वाइंट वाला संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया, ईरान पर इजरायली हमले की भी निंदा की
- पहलगाम आतंकी हमला पूरी इंसानियत पर चोट है: पीएम मोदी

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने रविवार देर रात को 31 पेज और 126 पाइंट वाला एक संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजरायली हमले की निंदा की गई।

इससे पहले एक जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की सदस्यता वाले क्वाड (क्वाड) ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि बैंक को सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाना चाहिए, जो जरूरी हों, लंबे समय तक फायदे वाले हों और जिससे बैंक की साख बनी रहे। श्री मोदी ने एक ऐसा ब्रिक्स रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा, जहां सब देश मिलकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर काम कर सकें।

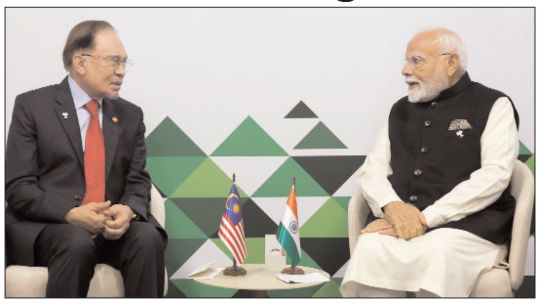

मोदी ने क्यूबा, मलेशिया, वियतनाम व अन्य देशों नेताओं के साथ बैठकें कीं

रियो डि जनेरियो/ नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान क्यूबा, मलेशिया और वियतनाम के नेताओं के साथ अलग-अलग 'अच्छी बैठकें' कीं उनसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के सहयोग पर चर्चा की। श्री मोदी ने इन बैठकों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बरमूडेज़ से मुलाकात के बाद कहा कि मुलाकात अच्छी रही। उन्होंने कहा कि इस बातचीत में हमने कई विषयों पर चर्चा की। आने वाले समय में हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों में बहुत वृद्धि की संभावना है। प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे क्षेत्र भी उतने ही आशाजनक हैं। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2023 में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डियाज-कैनेल से मुलाकात की थी, जहां क्यूबा विशेष आमंत्रित था।

धनखड़ ने जस्टिस वर्मा पर कार्रवाई को बताया लाजमी

शाह टाइम्स ब्यूरो

- कहा: न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरुद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है, लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है, लेकिन यह समाधान नहीं है। हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और वास्तव में हैं भी। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है, जहां कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले से संबंधित न्यायाधीश का नाम लिए बिना कहा कि यदि धनराशि इतनी अधिक है, तो कई सवाल उठते हैं, जिनका पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जानना आवश्यक है कि क्या यह काला धन है? इसका स्रोत क्या है? यह किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास में कैसे पहुंचा? यह धन किसका है? इस घटनाक्रम में कई दंडात्मक प्रावधानों के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि एफआईआर दर्ज की जाएगी। हमें इस मुद्दे की जड़ तक जाना होगा, क्योंकि लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण है। हमारी न्यायपालिका, जिस पर लोगों का विश्वास अडिग है, आज इस घटना के कारण उसकी नींव डगमगा गई है। यह गढ़ हिल गया है। उप राष्ट्रपति ने शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक 'जूलियस सीज़र' का उल्लेख करते हुए कहा कि कैसे एक ज्योतिषी ने सीज़र को उनकी मृत्यु के प्रति चेताया था।

डीवाई चंद्रचूड़ ने बंगला विवाद पर विराम लगाया, सामान पैक किया

नई दिल्ली। सरकारी आवास में तय समय से अधिक समय तक रहने को लेकर उठे विवाद के बाद मचे बवाल पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को विराम लगा दिया। पूर्व सीजेआई ने स्थिति साफ करते हुए कहा कि उनका सामान पैक कर दिया गया है। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जल्द ही दूसरे सरकारी आवास में चले जाएंगे, जिसका खर्च वह खुद वहन करेंगे। डीवाई चंद्रचूड़, उनकी पत्नी कल्पना, बेटियां प्रियंका और माही (दोनों ही दिव्यांग हैं) नई दिल्ली के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित सीजेआई के आधिकारिक आवास में रह रहे थे।

चक्का जाम में शामिल हो सकते हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले को लेकर विपक्षी दलों ने नौ जुलाई को चक्का जाम का आह्वान किया है, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हो सकते हैं।। विपक्षी दलों का महागठबंधन बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का लगातार विरोध कर रहा है। उनका कहना है कि इससे बड़ी संख्या में मतदाता मतदान से वंचित हो सकते हैं। महागठबंधन का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी जानबूझ कर चुनाव आयोग के साथ मिलकर ए कदम उठा रही है। सूत्रों के अनुसार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महागठबंधन द्वारा आयोजित चक्का जाम के मौके पर पटना जा सकते हैं। उनका कहना है कि इससे महागठबंधन की मुहिम को मजबूती मिलेगी।

राहुल वीडियो मामले में दिल्ली में भी प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सैनेटरी पैड वीडियो से जुड़े विवाद को लेकर यहां एक शिकायत दर्ज की गई है, जिसे मिलाकर देशभर में इस मुद्दे में अब तक तीन शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। युवा कांग्रेस के अनुसार यह शिकायत संगठन के अध्यक्ष उदय भानु चिब, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु, लीगल सेल के चेयरमैन रूपेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में यहां मंदिर मार्ग पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

खुलासा: तहव्वुर 26/11 को मुंबई में ही था, हेडली के साथ ट्रेनिंग सेशन भी किए

शाह टाइम्स ब्यूरो

- एनआईए की पूछताछ में कबूला- वह पाक आर्मी का एजेंट है

नई दिल्ली। 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी तहव्वुर राणा मुंबई में था। यह बात उसने एनआईए की पूछताछ में कबूल की है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है।

उसने बताया कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा एनआईए की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

तुर्की की कंपनी को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। तुर्की की ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विस कंपनी सेलेबी एविएशन की याचिका को 7 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में कंपनी ने अपनी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाले से सेलेबी की मंजूरी रद्द की थी। सेलेबी एविएशन तुर्की की कंपनी है, जो हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विसेज देती है। यानी ये कंपनी हवाई जहाजों की लैंडिंग, पैसेंजर्स की हैंडलिंग, सामान की लोडिंग-अनलोडिंग, और कार्गो मैनेजमेंट जैसे काम करती है। कंपनी के दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, गोवा, कोचीन, और कन्नूर जैसे 9 बड़े हवाई अड्डों पर ऑपरेशन्स थे।

चारधाम यात्रा में दुश्वारियां बरकरार

- यमुनोत्री हाईवे पर पुल बहा, लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश जारी है। उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी इलाके में पुल बह जाने से आसपास के इलाकों का सड़क संपर्क टूट गया है। वहीं, श्रीनगर में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है।

मध्य प्रदेश के शहडोल में बीते 24 घंटे में 4 इंच बारिश हुई। आधी रात 3 हजार से ज्यादा घरों में पानी भर गया। यहां अस्पताल में पानी भर जाने पर मरीजों को शिफ्ट करना पड़ा। रेलवे ट्रैक डूब जाने से 4 घंटे तक ट्रेन रूट बंद रहा। राजस्थान में भी तेज बारिश का दौर जारी है। झुंझुनूं में बाघोली नदी के तेज बहाव के चलते नेशनल हाईवे-52 को जोड़ने वाली सड़क धंस कर पानी में बह गई। सीकर में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया। नाले उफान पर हैं।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने ISS की स्पेशल विंडो से देखी पृथ्वी

टेक्सास, वार्ता

- सात खिड़कियों वाले कपोला से धरती की तस्वीरें खीचीं, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में नौ दिन पूरे

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से नई तस्वीरें शनिवार को सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इसमें शुभांशु आईएसएस के कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे हैं। ये फोटोज इसरो, केंद्र सरकार और अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम ने शेयर की हैं। कुछ तस्वीरों में शुभांशु पृथ्वी की फोटोग्राफी करते हुए भी दिखे। कपोला मॉडयूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

इसे अंतरिक्ष यात्रियों को बाहरी अंतरिक्ष, पृथ्वी और स्टेशन के बाहर के कामकाज को देखने और कंट्रोल करने के लिए बनाया गया है। कपोला विंडो को आईएसएस पर पृथ्वी की सबसे सुंदर तस्वीरें लेने की जगह मानी जाती है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु समेत 4 एस्ट्रोनॉट 25 जून को आईएसएस के लिए रवाना हुए थे। करीब 28 घंटे के सफर के बाद 26 जून को शाम 4:01 बजे आईएसएस पहुंचे। शुभांशु को आईएसएस पर गए सोमवार को 9 दिन पूरे हो चुके हैं। वे आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। केंद्र सरकार ने एक्स पर लिखा कि शुभांशु ने अंतरिक्ष में सितारों के बीच भारत का प्रतिनिधित्व किया है। शुभांशु ने पीएम से कहा था कि अंतरिक्ष से कोई सीमा नहीं दिखती पीएम मोदी ने 28 जून को शुभांशु से से वीडियो कॉल पर बातचीत की।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में छुट्टियों के बाद आज से खुलेंगे स्कूल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की स्कूली शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने सोमवार को कहा कि गर्मी की छुट्टियों के बाद मंगलवार से यहां के स्कूल खुलेंगे। स्कूल खुलने की इस आधिकारिक घोषणा के बाद ग्रीष्मावकाश बढ़ाए जाने की अटकलों पर विराम लग गया है। कश्मीर के स्कूलों में 15 दिनों की छुट्टी 23 जून को शुरू हुई थी। सुश्री इटू ने कहा कि हम कश्मीर संभाग और जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्रों में कल से स्कूल खोल रहे हैं। श्रीनगर और अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में स्कूल सुबह 7:30 से 11:30 बजे तक खुलेंगे, जबकि ग्रामीण और नगरपालिका सीमा से बाहर के क्षेत्रों में स्कूल का समय सुबह 8:00 बजे से अपराह्न 12 बजे तक होगा। एक घंटे के ब्रेक के बाद सभी छात्रों के लिए दो ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। शिक्षकों को दोपहर दो बजे तक शैक्षणिक सहायता के लिए उपलब्ध रहने का निर्देश दिया गया है।

हाई टेंशनलाइन के संपर्क में आया ताजिया, दो मरे

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के खुटहन क्षेत्र में ताजिया दफन कर वापस लौटते समय उसका अवशेष ढांचा 11 हजार वोल्ट के लटके मेन लाइन तार को छू गया। जिसकी चपेट में आकर दो ताजियादारों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मामूली रूप से झुलस गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में सधनपुर गांव में पूर्व की भांति इस वर्ष भी दोपहर में ताजिया का धूम धाम से जुलूस निकाल कर, उसे पटैला गांव स्थित कर्बला में ले जाकर दफन कर दिया गया था। वहां से सभी ताजिया दार वापस गांव लौट रहे थे। बस्ती के लगभग दो सौ मीटर पास पानी की टंकी के पास रास्ते के ऊपर से गए मेन लाइन के एक फेस के लटके तार में ताजिया का अवशेष ढांचा छू गया।

बिहार में चुनाव पूर्व हिंसक घटनाओं को संज्ञान में ले चुनाव आयोग: मायावती

लखनऊ, वार्ता

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने चुनाव आयोग से अपील की है कि बिहार विधानसभा के शांतिपूर्ण चुनाव के लिए आयोग को हाल ही में घटित हिंसक घटनाओं को ध्यान में लेकर उचित कदम उठाना चाहिए।

सुश्री मायावती ने सोमवार को कहा कि बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान हिंसक घटनाक्रम किसके और किसकी स्वार्थ की पूर्ति के लिए किया जा रहा है, इसको लेकर राज्य की गठबंधन सरकार कठघरे में है और आगे चलकर राज्य के राजनीतिक समीकरण व चुनाव पर इसका असर देखने वाला होगा। उन्होने एक्स पर लिखा- वैसे तो बिहार में खासकर दलितों, अति-पिछड़ों, शोषितों, ग़रीबों और उनकी महिलाओं आदि के विरुद्ध जुल्म-ज्यादती, हत्या एवं जातिवादी शोषण तथा इन वर्गों के लोगों को उनके हक़ से वंचित रखने के मामले हमेशा काफी चर्चा का विषय रहे हैं, लेकिन राज्य में विधानसभा आमचुनाव से पहले हिसंक वारदातों व हत्याओं के जारी रहने के क्रम में शासित दल भाजपा के ही एक प्रमुख उद्योगपति व नेता गोपाल खेमका की राजधानी पटना में हाल में हुई सनसनीखेज़ हत्या ने राज्य में कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति के साथ-साथ प्रदेश की राजनीति को भी नए तरीके से गर्मा दिया है, जिस खून-खराबे के सम्बंध में चुनाव आयोग अगर अभी से ही संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करे तो यह शान्तिपूर्ण चुनाव संचालन हेतु बेहतर होगा।

मेडिकल घोटाले की जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा दें नड्डा

नई दिल्ली, वार्ता

■ एनएमसी व फार्मेसी में हुए घोटाले व्यापम से भी बड़े हैं: कांग्रेस

कांग्रेस ने कहा है कि देश में फर्जी तरीके से मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो-सीबीआई की प्राथमिकियों से साफ हो गया है कि चिकित्सा कॉलेजों को मान्यता देने में जबरदस्त घोटाला हुआ है और यह फर्जीवाड़ा स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की सहमति के बिना संभव ही नहीं है, इसलिए नड्डा को जिम्मेदारी लेते अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

कांग्रेस नेत्री डा. ओनिका मेहरोत्रा ने सोमवार को यहां पार्टी के नए मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कई मेडिकल कॉलेज को मान्यता प्रदान की गई है। सीबीआई ने 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें कई कॉलेजों के फर्जी होने के प्रमाण मिले हैं। उनका कहना था कि सीबीआई ने दो बड़े घोटाले उजागर किए हैं, जिनमें एक एनएमसी में और दूसरा फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया में हुआ है और ये दोनों घोटाले कुख्यात व्यापम घोटाले से भी बड़े हैं। इस बार यह सिर्फ मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह घोटाला राजस्थान, हरियाणा, इंदौर, वारंगल और विशाखापत्तनम तक फैला हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

एफएंडओ में छोटे निवेशकों की लूट पर अब तक चुप क्यों रही सेबी: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने फ्यूचर्स और ऑप्शंस-एफएंडओ में चल रहे खेल को लेकर पहले ही संकेत दे दिए थे, लेकिन इस मामले में कोई ध्यान नहीं दिया गया और इसी का परिणाम रहा कि इस बाजार में छोटे निवेशकों को पनपने नहीं दिया और उनकी कमाई पर बड़े निवेशक मौज करते रहे। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा घोटाला है जो लम्बे समय से चल रहा है और इस खेल में बड़ी हेराफेरी की बात करने वाली प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड-सेबी ने पहले इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। कमाल यह है कि पांच वर्ष में एफ एंड ओ का कारोबार 45 गुना बढ़ा है छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ रुपए गंवाने पड़े हैं। गांधी ने कहा कि मैंने 2024 में साफ कहा था फ्यूचर्स और ऑप्शंस-एफ एंड ओ बाज़ार 'बड़े खिलाड़ियों' का खेल बन चुका है, और छोटे निवेशकों की जेब लगातार कट रही है। अब सेबी खुद मान रहा है कि जेन स्ट्रीट ने हज़ारों करोड़ की हेराफेरी की है। उन्होंने सवाल किया कि जब सेबी को सब कुछ पता था, तो वह इतने समय तक चुप क्यों रही। उन्होंने यह भी पूछा कि जब यह सब कुछ हो रहा था तो मोदी सरकार किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठी थी। कितने बड़े शार्क अब भी रिटेल इन्वेस्टर्स को शॉर्ट कर रहे हैं।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की पौध तैयार करने के लिए सरकार की बड़ी पहल

यूपी में ब्लॉक स्तर पर स्थापित होंगीं एस्ट्रो लैब्स

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की पौध तैयार करने के लिए ब्लॉक स्तर पर सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स तैयार की जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के कई जिलों के ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में पीपीपी मॉडल पर एस्ट्रो लैब बनकर तैयार भी हो गई हैं, जहां बच्चे केवल किताबों से ही नहीं, बल्कि टेलीस्कोप, पीआर और माइक्रोस्कोप के जरिए अंतरिक्ष के रहस्यों से रूबरू हो रहे हैं।

अधिकृत सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक-समर्थ शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। उनके इसी विजन को एस्ट्रो लैब्स साकार कर रही है, जहां ग्रामीण

■ बलिया जिले के सभी 17 ब्लॉकों में विज्ञान एवं खगोल शास्त्र प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी, बच्चे अंतरिक्ष के रहस्यों से हो रहे रूबरू

क्षेत्रों के छात्र अंतरिक्ष, प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण जैसे जटिल सिद्धांतों को लैब्स के जरिए समझ पा रहे हैं। योगी सरकार ने इस एस्ट्रो लैब्स को अमृत काल लर्निंग सेंटर्स का नाम दिया है। इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के कई ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स बनकर तैयार हो गई हैं। यहां पर बच्चों को डॉबसोनियन टेलीस्कोप, पीआर हेडसेट, माइक्रोस्कोप और मानव शरीर रचना मॉडल जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए उनके ज्ञान को बढ़ाया जा रहा है। इतना ही नहीं शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम, वीडियो गाइड और मेंटरशिप की व्यवस्था की गई है, ताकि वे बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ सकें। बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बलिया के सभी 17 ब्लॉकों में विज्ञान एवं खगोलशास्त्र प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह लैब्स बच्चों को अनुभव आधारित और जिज्ञासा-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित कर रही हैं। बलिया के मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने बताया कि एस्ट्रो लैब्स को स्थापित करने में 2.5 से 3 लाख रुपए का खर्च का रहा है। इसमें उपकरण और शिक्षकों का प्रशिक्षण भी शामिल है।

इसरो अध्यक्ष ने की योगी से मुलाकता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी नारायणन ने सोमवार को मुलाकात की।

इस शिष्टाचार भेंट में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान राज्य के लिए रिमोट सेंसिग तकनीकों के माध्यम से विकास की नई संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान इसरो अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को रिमोट सेंसिग क्षेत्र में अब तक हुई प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम पूर्वानुमान, वन और हरित क्षेत्र की निगरानी, भूजल प्रोफाइल, मानचित्रण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर पहले से ही व्यापक कार्य हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में आकाशीय बिजली से हो रही जनहानि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश के लिए पृथक उपग्रह विकसित किया जाए, जो विशेष रूप से आकाशीय बिजली की पूर्व चेतावनी देने में सक्षम हो। योगी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में बिजली गिरने की घटनाओं में औसतन 300 लोगों की मृत्यु हुई है।

रास्ते के नाम पर वृंदावन में आस्था न बिगाड़े सरकार

लखनऊ, वार्ता

■ वृंदावन की पहचान कृष्ण की रासलीला से पूरी दुनिया में: अखिलेश

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि वृंदावन में कॉरिडोर के नाम पर कुंज गलियों का पौराणिक स्वरुप बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

यादव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वृंदावन की पहचान भगवान कृष्ण की रासलीला और कुंज गलियों के लिए पूरी दुनिया में है। यहां दुनिया के कोने कोने से श्रद्धालु प्राचीन मंदिर और कुंज गलियों को देखने आते हैं, मगर सरकार कॉरिडोर के नाम पर इन कुंज गलियों का स्वरुप बिगाड़ रही है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर के नाम पर न जाने कितने प्राचीन मंदिर नष्ट हो जाएंगे और गलियों को चौड़ा करने से उनकी सुंदरता पर भी आंच आएगी। सरकार को चाहिए कि इटली के धार्मिक नगर वेनिस की तर्ज पर कॉरिडोर का निर्माण करे, ताकि कुंज गलियों की सुंदरता बरकरार रहे। सरकार का तर्क है कि गलियां चौड़ी होने से श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। यदि ऐसा ही होता तो प्रयागराज महाकुंभ जो इतने बड़े क्षेत्रफल में फैला था,वहां अप्रिय घटना को रोका जा सकता था। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि काशी की तरह सरकार कान्हा नगरी में भी कॉरिडोर के नाम पर पौराणिक सुंदरता को बिगाड़ना चाहती है।

घटिया खाद-बीज बेचने पर सीधे होगी जेल

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्र सरकार ला रही नया कानून

केंद्र सरकार घटिया उर्वरकों, कीटनाशकों और बीजों की बिक्री के खिलाफ सख्त कानून लाने की योजना बना रही है। नए कानून के तहत घटिया खाद, कीटनाशक और बीज बेचने या देने पर अधिकतम सजा का प्रावधान होगा। अभी तक इस तरह की गड़बड़ी के लिए बहुत कम जुर्माने का प्रावधान है। किसानों को नुकसान से बचाने के लिए सरकार यह कदम उठाने जा रही है।

दिल्ली में मक्का सम्मेलन के दौरान सोमवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटिया बीज, खाद और कीटनाशक की बिक्री पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार घटिया बीज, खाद और कीटनाशकों की बिक्री के खिलाफ सख्त कानून बनाने जा रही है। घटिया बीज बेचना या देना किसानों के साथ धोखा है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मैं घटिया बीज उपलब्ध कराए जाने की शिकायत मिलने पर किसान के खेत में गया, जहां मैंने स्थिति की जांच की और पाया कि घटिया बीज बोने के कारण किसान के खेत में अंकुरण नहीं हुआ, जिसके कारण बुवाई और फसलें बर्बाद हो गईं। इसकी पूरी जांच की जाएगी कि यह बीज कहां से आया और किसने बेचा। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिवराज चौहान ने कहा कि किसानों को न्याय दिलाना सरकार का कर्तव्य है। खराब या घटिया बीजों के कारण अपनी फसल गंवाने वालों को राहत और मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को राहत देने वाली योजनाओं में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की नीति देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसानों की आय बढ़ाना है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मैंने उत्पादन लागत कम करने और अधिक उपज प्राप्त करने के लिए नई तकनीक विकसित करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने बताया कि कृषि में विविधीकरण जरूरी है। मक्का की खेती का रकबा बढ़ाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत वैज्ञानिकों को किसानों के बीच भेजा गया था। लैब को जमीन से जोड़ने का काम किया गया। नकली बीजों, कीटनाशकों और उर्वरकों की गड़बड़ी पर अंकुश लगाने और किसानों को गुणवत्तापूर्ण इनपुट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, बीज अधि. नियम, 1966, बीज नियम, 1968, बीज (नियंत्रण) आदेश, 1983, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955, कीटनाशक अधिनियम, 1964, कीटनाशक नियम, 1971 और उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 में विभिन्न प्रावधान उपलब्ध हैं। संबंधित राज्य कृषि विभाग अपने-अपने राज्यों में बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के गुणवत्ता नियंत्रण को सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षकों की नियुक्ति करता है। यदि बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के किसी भी नमूने में नकली/घटिया गुणवत्ता पाई जाती है, तो अधिनियमों और नियमों के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाती है।

पूर्व मंत्री आनंद सिंह का निधन योगी, अखिलेश ने दी श्रद्धाजंलि

गोंडा। केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद आनंद सिंह का सोमवार को लखनऊ के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह करीब 87 वर्ष के थे।

सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत तमाम राजनेताओं और बुद्धिजीवियों ने दुख प्रकट किया है। गोंडा जिले में मनकापुर के राजकुंवर राजनीतिक पुरोधा व यूपी टाइगर के नाम से चर्चित आनंद सिंह गोंडा लोकसभा सीट से चार बार कांग्रेस के टिकट पर सांसद रहे। वर्ष 1991 में राममंदिर लहर के दौरान बृजभूषण शरण सिंह से और वर्ष 1996 में बृजभूषण शरण सिंह की पत्नी केतकी सिंह से चुनाव हारने के बाद उन्होंने लोकसभा चुनाव से स्वयं को अलग कर लिया। वर्ष 2012 का विधानसभा चुनाव लड़कर वह विधायक बने और सपा सरकार कृषि मंत्री रहे। आनंद सिंह के इकलौते पुत्र और केंद्रीय विदेश राज्य व पर्यावरणएवं जलवायु मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने यूनीवार्ता को बताया कि उनके पिता का पार्थिव शरीर मनकापुर स्थित पैतृक राजमहल लाया गया जहां दोपहर बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दौरान राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों, समाजसेवियों और समर्थको का हुजूम अपने नेता के अंतिम दर्शन के लिए उमघ रहा। आनंद सिंह कांग्रेस और सपा से लड़ते हुए गोंडा से वर्ष 1971, 1980, 1984 और 1989 में सांसद रहे। 2012 में आखिरी बार वह सपा के टिकट पर गोंडा की गौरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और जीते। सपा सरकार में वह कृषि मंत्री बने।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के खिलाफ हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की

प्रयागराज।

निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ फर्जी शैक्षिक दस्तावेजों के आधार पर पद प्राप्त करने और धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली एक आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस संजय कुमार सिंह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी इस मामले में न तो पीड़ित हैं और न ही व्यथित हैं। इसलिए उनके पास आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का कोई अधिकार नहीं है।

यह मामला 2021 में शुरू हुआ था, जब त्रिपाठी ने सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत एक आवेदन दायर किया, जिसमें केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। त्रिपाठी का आरोप था कि मौर्य ने 2007, 2012 और 2014 के चुनावों में चुनाव आयोग के समक्ष अपनी शैक्षिक योग्यताओं के बारे में गलत हलफनामे प्रस्तुत किए थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौर्य ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पेट्रोल पंप हासिल करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। याचिकाकर्ता ने आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए दावा किया कि मौर्य द्वारा हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद से प्राप्त प्रथमा, मध्यमा और उत्तमा की डिग्रियां उत्तर प्रदेश सरकार, यूजीसी और एनसीटीई द्वारा क्रमशः हाई स्कूल, इंटरमीडिएट और स्नातक (बीए) के बराबर मान्यता प्राप्त नहीं हैं। ट्रायल कोर्ट ने 4 सितंबर 2021 को त्रिपाठी के आवेदन को खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की। शुरू में यह याचिका 318 दिनों की देरी के कारण खारिज कर दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 6 जनवरी 2025 को हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया और मामले को योग्यता के आधार पर तय करने का निर्देश दिया। इस पर फिर हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की।

गोमूत्र से होगा डायबिटीज व हार्ट समेत 19 बीमारियों का इलाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने आयुर्वेद और परंपरागत चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के मकसद से अनोखी पहल की है जिसके अंतर्गत अब दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर (पंचगव्य) से आयुर्वेदिक मंजन, मलहम और औषधीय उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

खास बात यह है कि इन उत्पादों को औपचारिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित किया जाएगा। पंचगव्य के आधार पर बड़े पैमाने पर उत्पाद बनाए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और गोशालाओं की उपयोगिता भी पहले से अधिक बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार गोमूत्र में औषधीय गुण मौजूद होते हैं। सरकार के इस प्रयास के तहत डायबिटीज और हृदय रोग जैसी कुल 19 बीमारियों के इलाज में गोमूत्र आधारित उत्पाद प्रभावी भूमिका निभाएंगे, जिनमें चर्म रोग, गठिया जोड़ों का दर्द, मुंहासे, साइनस, दमा एवं सांस संबंधी रोग, पीलिया, पेट दर्द, तेज बुखार, एनीमिया, टॉन्सिल, हृदय रोग, चक्कर/सर दर्द, पालिप्स, डैंड्रफ, मधुमेह, गंजापन, अवसाद, रक्त विकार, दांत दर्द शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि आयुष विभाग के सहयोग से पंचगव्य आधारित उत्पादों के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाया जा रहा है। पंचगव्य का विशेष महत्व है और अब इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से तैयार कर आमजन के लिए लाभकारी औषधियों के रूप में उपयोग में लाया जाएगा। सरकार की योजना है कि पंचगव्य से बनने वाले उत्पादों को आधुनिक अनुसंधान से जोड़कर प्रमाणिक बनाया जाए। इससे इन उत्पादों को व्यापक स्तर पर चिकित्सा पद्धति में स्थान मिलेगा। इस योजना से जहां परंपरागत चिकित्सा को बल मिलेगा, वहीं गोपालकों, किसानों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। पंचगव्य उत्पादों की मांग बढ़ने से गोशालाओं की उपयोगिता भी बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

कश्मीर में पर्यटक फिर से आने लगे

श्रीनगर, वार्ता

■ राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के पर्यटन सचिव सम्मेलन में बोले केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जहां पर्यटकों के कश्मीर आने में कमी आई थी, लेकिन अब फिर से पर्यटकों का आना शुरू हो गया है। उन्होंने इसका श्रेय जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों को दिया।

शेखावत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दो दिवसीय 'पर्यटन सचिवों' सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लेने के बाद श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि पहलगाम की घटना के बाद यहां पर्यटकों की संख्या में कमी आ गई थी, यहां फिर से पर्यटक आने शुरू हो गए हैं। मेरा मानना है कि जिस तरह से राज्य सरकार ने इस पर काम करना शुरू किया है और केंद्र सरकार ने भी अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल, मंत्री भेजे हैं और अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए हैं। यह विश्वास निर्माण अभ्यास निश्चित रूप से फलदाई होगा और निकट भविष्य में कश्मीर का पर्यटन अपनी पुरानी रंगत में लौटेगा। यह सम्मेलन श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित किया जा रहा है और इसमें पर्यटन क्षेत्र में सहयोगात्मक नीति-निर्माण और रणनीतिक योजना पर उच्च-स्तरीय विचार- विमर्श के लिए देश भर के पर्यटन सचिव और प्रमुख शामिल हो रहे हैं। शेखावत ने पिछले जून में घाटी की अपनी यात्रा को याद किया जिसके दौरान उन्होंने यह संदेश फैलाने के लिए व्यापक यात्रा की थी कि कश्मीर सुरक्षित है। उन्होंने लोगों से हाल की घटनाओं को भूलकर पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइए जो हुआ उसे भूल जाएं और आगे बढ़ें। आइए हम कश्मीर के पर्यटन को पुनर्जीवित करें और इसे आगे बढ़ाने का प्रयास करें क्योंकि यह पिछले तीन वर्षों से बढ़ रहा है। श्रीनगर में दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने के उद्देश्यों पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य दो गुना है- पहला यह कि पहलगाम हमले के बाद कश्मीर सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विषयों से जुड़े देश भर के पर्यटन सचिवों को अपने-अपने राज्यों में जाकर संदेश देना चाहिए।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

छह राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तराखंड मुख्य निर्वाचन ने प्रदेश के 6 राजनी. तिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, यह सभी राजनीतिक दल ना तो पिछले 6 सालों से चुनाव में प्रतिभाग कर रहे हैं और ना ही उनके कार्यों का कोई पता मिल पाया है। इन सभी राजनीतिक दलों को 21 जुलाई तक नोटिस का जवाब गया देने है। उत्तराखंड में 42 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से कई दल ऐसे हैं जो पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में बने रहने की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते प्रदेश के 6 राजनीतिक दलों को चिन्हित किया गया है। भारतीय जनक्रांति पार्टी, हमारी जनमंच पार्टी, मैदानी क्रांति दल, प्रजा मंडल पार्टी, राष्ट्रीय ग्राम विकास पार्टी व राष्ट्रीय जन सहाय दल को नोटिस भेजा गया है।

कृषि योजनाओं के लिए 3800 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति

मुख्यमंत्री धामी ने की केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह से भेंट

■ उत्तराखंड के पर्वतीय किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक योजनाएं तैयार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर उत्तराखंड में कृषि एवं बागवानी से संबंधित योजनाओं पर विशेष सहयोग का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने राज्य की कृषि योजनाओं के लिए ₹3800 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप योजनाएं तैयार की हैं, जिनमें नवाचार, यंत्रीकरण, तकनीकी समावेशन और पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने जैसे बिंदु शामिल हैं। उन्होंने जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए 1052.80 करोड़ की बाड़ निर्माण योजना, 10,000 फार्म मशीनरी बैंक के लिए 400 करोड़, और स्टेट मिलेट मिशन के अंतर्गत 134.89 करोड़ की योजना रखी है।

सेब, कीवी, ड्रैगन फ्रूट और जैविक खेती पर विशेष ध्यान

धामी ने बताया कि सेब उत्पादन को बढ़ावा देने, विपणन और भंडारण व्यवस्था के लिए 1150 करोड़, कीवी खेती के लिए 894 करोड़, और ड्रैगन फ्रूट जैसी कम जोखिम वाली फसलों के लिए 42 करोड़ की योजनाएं प्रस्तावित हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने को विश्लेषण प्रयोगशालाओं के लिए 36.50 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

एग्रीटूरिज्म स्कूल व सुपर फूड्स के लिए केंद्र से मांगी मदद

मुख्यमंत्री ने पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में एग्रीटूरिज्म स्कूल, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और भरसार विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी लैब की स्थापना के लिए भी केंद्रीय सहायता मांगी। भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण के लिए 378.50 करोड़ की योजना भी रखी गई है।

पीएमजीएसवाई के कार्यों की समयसीमा बढ़ाने पर भी बनी सहमति

मुख्यमंत्री के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री ने पीएमजीएसवाई-प्रथम और द्वितीय की अवशेष परियोजनाओं की समयसीमा बढ़ाने और पीएमजीएसवाई-पर सैद्धांतिक सहमति देने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड की कृषि आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी और किसानों की समृद्धि के लिए हरसंभव मदद की जाएगी। बैठक में भारत सरकार के कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव सैलेश कुमार सिंह, और उत्तराखंड के स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा मौजूद रहे।

हाई अल्टीट्यूट अल्ट्रा मैराथन की होगी शुरुआत

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए।

कुमाऊं क्षेत्र में यह मैराथन गुंजी से आदि कैलाश और गढ़वाल में नीति माणा से लेकर मलारी तक आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आयोजन को वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जाए और हर वर्ष निर्धारित तिथि पर इसका नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक सशक्त बनाने के साथ ही तय समय पर प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सीमांत एवं पर्वतीय क्षेत्रों में फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़-सोलर फेंसिंग के संबंध में विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

एयरपोर्ट प्रशासन पर हाईकोर्ट की अवहेलना का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

डोईवाला। जॉलीग्रांट एयरपोर्ट प्रशासन एक बार फिर विवादों में है। एयरपोर्ट प्रशासन पर हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी करने और एक स्थानीय कारोबारी से ₹7.50 करोड़ की धोखाधड़ी का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित मनीष चक्रवर्ती ने पत्रकार वार्ता कर कहा कि यदि उनके साथ किसी प्रकार की अनहा. ेनी होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी एयरपोर्ट प्रशासन की होगी।

मनीष चक्रवर्ती ने बताया कि वे वर्षों से एयरपोर्ट पर टैक्सी सेवा संचालित कर रहे हैं। वर्ष 2023 में उन्होंने एयरपोर्ट पर फूड एंड बेवरेज टेंडर लिया, जिसके तहत उन्हें 430 वर्गमीटर क्षेत्र उपलब्ध कराया जाना था। इसके बदले उन्होंने प्रशासन को 7.50 करोड़ की सुरक्षा धनराशि जमा कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर मिलने के बाद भी एयरपोर्ट प्रशासन ने उन्हें निर्धारित जगह नहीं दी। बार-बार अनुरोध करने के बाद उन्हें सिर्फ एक सीमित किचन एरिया सौंपा गया। उन्होंने इसे सुनियोजित साजिश करार दिया।

बिलिंग के नाम पर वसूली, विरोध पर टेंडर राशि जब्त

मनीष ने बताया कि टेंडर शर्तों के अनुसार बिलिंग नवंबर 2025 से शुरू होनी थी, लेकिन एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्काल बिलिंग लागू करने का दबाव बनाया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनकी 7.50 करोड़ की जमा राशि जब्त कर ली गई और टेंडर किसी अन्य कंपनी को देने की तैयारी शुरू कर दी गई। उन्होंने कहा कि इससे उनका बैंक खाता भी सील कर दिया गया है, जिससे उन्हें रोजमर्रा के लेनदेन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि उन्होंने इस मामले में देहरादून अदालत में वाद दाखिल किया था, लेकिन अपेक्षित न्याय नहीं मिलने पर हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट ने 27 जून को मामले का संज्ञान लेते हुए निचली अदालत के आदेश पर स्थगन (स्टे ऑर्डर) जारी कर दिया। आरोप है कि इसके बावजूद एयरपोर्ट प्रशासन कोर्ट के आदेश को दरकिनार कर रहा है। "न तो मेरे फोन का जवाब दिया जा रहा है, न ही मेल का। यहां तक कि मुझे एयरपोर्ट परिसर में घुसने से भी रोका जा रहा है। मनीष ने स्पष्ट कहा कि एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा उनके साथ जानबूझकर मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न किया जा रहा है। अगर मेरे साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसकी जिम्मेदारी एयरपोर्ट प्रशासन की होगी।

जल्द तैयार होगा वैली ब्रिज

उत्तरकाशी । बीते 29 जुलाई को अतिवृष्टि से बंद बड़ा यमुनोत्री हाईवे ओजरी के पास वाशआउट होने के बाद आवाजाही बहाल करने के लिए वैली ब्रिज का आधा कार्य पूर्ण हो चुका है। जल्द दो से तीन दिनों में वैली ब्रिज तैयार होकर पुन: आवाजाही सुचारू हो जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि अतिवृष्टि से वाशआउट वाले हिस्से में वैली ब्रिज तैयार करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी है। उन्होंने मौके का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद बताया कि यमुनोत्री हाईवे बहाली के कार्य में दिन रात कार्य किया जा रहा है तथा वैली ब्रिज निर्माण को तीव्र गति से पूर्ण किया जा रहा है। वैली ब्रिज से दो से तीन दिन में आवाजाही सुचारू हो जायेगी।

युवाओं के प्रशिक्षण व जागरूकता को एक दर्जन एमओयू

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापरक, नवोन्मेषी और रोजगारोन्मुखी बनाने के लिये उच्च शिक्षा विभाग ने देशभर के एक दर्जन प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों के साथ एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके तहत राज्य विश्व. विद्यालयों व महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा जायेगा।

उच्च शिक्षण संस्थानों में मूल्य आधारित शिक्षा के साथ-साथ शोध व नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू साइन किये गये हैं। इन संस्थानों के सहयोग से महाविद्यालयों एवं विश्व. विद्यालयों में विभिन्न प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिनका सीधा लाभ छात्र-छात्राओं व शिक्षकों मिल रहा है...

डॉ.धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री उत्तराखंड।

सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर उच्च शिक्षा विभाग ने देशभर के एक दर्जन प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू साइन किये हैं। इस योजना के तहत विद्यार्थियों को जहां डिजिटल एवं फ्यूचर स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स, विज्ञान अनुसंधान, जीवन मूल्यों और नशामुक्ति जैसे विविध विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनमें डिजिटल स्किल प्रशिक्षण योजना के लिये इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड बेंगलुरू, विज्ञान वर्ग प्रशिक्षण योजना के लिये आई.आई.एस.सी बेंगलूरू, साथी केन्द्र योजना के लिये आई.आई.टी. कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन हुआ है।

इसी प्रकार कल्पना शी फॉर स्टेम योजना को विज्ञानशाला रोहणी नई दिल्ली, कला, भारतीय संस्कृति की शिक्षा को रूट्स टू रूट्स नोएडा, नशा मुक्ति जनजागरूकता को प्रजा. पति ब्रह्म कुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, सॉफ्ट स्किल पाठ्यक्रम प्रशिक्षण को महिन्द्र प्राइड व नान्दी फाउंडेशन हैदराबाद, डिजिटल एवं फ्यूचर स्किल प्रशिक्षण को नैसकोम, लाइफ स्किल कोर्स प्रशिक्षण वाधवानी ग्रुप बेंगलुरू, स्किल डेवलपमेंट व रोजगार हेतु टाटा ग्रुप मुम्बई के साथ एमओयू किया गया है।

वहीं अमृता विश्व विद्यापीठम केरल के साथ भी विभाग द्वारा अनुबंध किया गया है, जो अपने मटेरिल साइंस केन्द्र एवं वर्चुअल लैब के माध्यम से विज्ञान विषय में शोध व अन्य गतिविधियों में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों का सहयोग करेगा। एडुनेट फाउंडेशन बेंगलुरू के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं फैकल्टी को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा।

भारत-चीन युद्ध के बाद से वीरान पड़ा जाडुंग फिर होगा आबाद

■ कैरावन पार्क और फेस्टिव ग्राउंड जैसे प्रोजेक्टों की हुई समीक्षा

1962 के युद्ध के बाद से वीरान पड़ा जाडुंग गावं

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड पर्यटन विभाग जाडुंग क्षेत्र में पर्यटन को पुनर्जीवित करने और स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए तेजी से कार्य कर रहा है। सचिव पर्यटन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद धीराज सिंह गर्ब्याल ने जाडुंग मास्टर प्लान के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में बताया गया कि यह मास्टर प्लान 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद खाली पड़े जाडुंग क्षेत्र को पुन: बसाने और वहां पर्यटन गतिविधियों को विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

योजना के अंतर्गत क्षेत्र में अवस्थापना विकास एवं पर्यटक सुविधाओं के सृजन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, महाप्रबंधक गढ़वाल मण्डल विकास निगम, उप निदेशकख्रगंगोत्री नेशनल पार्क, जिला पर्यटन विकास अधिकारी उत्तरकाशी व एस.डी.ओ. ब्रिडकुल उत्तरकाशी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भैरोंघाटी परियोजना, कैरावन पार्क, जाडुंग फेस्टिव ग्राउंड और सिवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई।

सचिव पर्यटन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैरावन पार्क के लिए उपयुक्त समतल भूमि का चयन शीघ्र किया जाए। श्रीकांठा व्यू प्वाइंट व कैरावन पार्क के लिए साइट सर्वेक्षण भी कराया जाए। जाडुंग फेस्टिव ग्राउंड का सीमांकन कार्य भी जल्द पूरी किया जाए। गर्ब्याल ने कहा कि जाडुंग क्षेत्र की पारंपरिक पहाड़ी शैली को संरक्षित रखते हुए वुडन साइन बोर्ड लगाए जाएं, जिससे स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण की आत्मा बनी रहे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में स्थायित्व, परंपरा और पर्यावरणीय संतुलन को प्राथमिकता दी जाए।

एनफील्ड स्कूल के तीन छात्रों को लायंस ओलंपियाड ने किया सम्मानित

विकासनगर। लायंस ओलंपियाड दिल्ली द्वारा द एनफील्ड स्कूल के तीन होनहार छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश चुग ने तीनो मेधावी छात्रों सृष्टि रोहिल्ला, श्रेया साहू और स्नेह को सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ये विधार्थी अपनी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर आज सम्मानित हुए हैं। कहा लायंस ओलंपियाड द्वारा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं और सम्मान समारोहों का आयोजन एक अत्यंत सराहनीय पहल है। विधालय प्रधानाचार्य ओपी चुग, उषा चौहान, रेखा चावला, सोनिया चौहान, रेनु भट्ट, विजय लक्ष्मी डिमरी, साहिल राणा आदि ने तीनों छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

गांवों के विकास के लिए ईमानदार जनप्रतिनिधियों का चुनाव जरूरी: महाराज

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि पंचायती राज व्यवस्था हमारे देश की जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की मजबूत नींव है। इसलिए हमें गांवों को सशक्त और विकसित करने के लिए पंचायत चुनाव में ष्गांव की सरकारष बनाने में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ईमानदार एवं कर्मठ जनप्रतिनिधियों का चुनाव करना चाहिए।

पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि हरिद्वार जनपद को छोड़ 12 जनपदों में 24 व 28 जुलाई 2025 को दो चरणों में मतदान होगा और 31 जुलाई 2025 को पंचायत चुनावों के परिणाम घोषित होंगे। इसलिए गांव की सरकार के लिए ईमानदार और कर्मठ जनप्रतिनिधि का चुना जाना बेहद जरूरी है।

पंचायत चुनाव के लिए हुए 63812 उम्मीदवारों ने विभिन पदों के लिए अपने नामांकन किये हैं। जिला पंचायत सदस्य पद के लिए 358 पद के सापेक्ष 1907 नामांकन हुए हैं जबकि क्षेत्र पंचायत सदस्य के 2974 पद के लिए सापेक्ष 11629 नामांकन पत्र दाखिल हुए इसी प्रकार ग्राम प्रधान के लिए 7499 पदों के सापेक्ष 22028 लोगों ने नामांकन किया है और

सदस्य ग्राम पंचायत के 55587 पदों के सापेक्ष 28248 लोगों ने नामांकन किया। इससे स्पष्ट है कि हमारी ग्रामीण जनता अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति बेहद जागरूक है।

पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और विकास कार्यों के प्रभावी अनुश्रवण के लिए पंचायती राज निदेशालय और जिला पंचायत अनुश्रवण प्रकोष्ठ जैसी संस्थाओं का गठन किया है। मार्च 2008 में पारित पंचायती अधिनियम के अनुसार, पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण को 33% से बढ़ाकर 50% गया है। 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया है।

20 साल बाद हुआ रायफल फंड का उपयोग

देहरादून। राज्य में पहली बार रायफल क्लब फंड का जरूरतमंद असहाय, लाचार विधवा के जीवन उत्थान पर किया जा रहा है देहरादून यह शुरूआत करने वाला पहला जिला बना है। विधवा पुनम ठाकुर, बिरोजनी उनियाल, आशादेवी, खष्टी बिष्ट, बबीता एवं रेशमी जिनके पति का एक्सीडेंट में गंभीर घायल हैं।जिसे रायफल फंड 25-25 हजार आर्थिक सहायता चौक वितरित किए गए है। सोमवार को 06 असहाय, अक्षम और जरूरतंद लोगों को 1.50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिसमें आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर गुलरघाटी निवासी पूनम ठाकुर एवं डालवाला निवासी बिरा. ेजनी उनियाल को बच्चों की स्कूल फीस के लिए 25-25 हजार की आर्थिक सहायता चेक प्रदान किए गए। वहीं 12 वर्षो से किराए के मकान में रह रही लकवा रोग से ग्रसित डालनवाला निवासी आशा देवी, दूसरे के घरों में कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही नेहरू कॉलोनी निवासी असहाय महिला खष्टी बिष्ट, दुर्घटना में पति का पैर टूटने पर उसके उपचार को विकासनगर निवासी रेशमी और परिवार की आजीविका का कोई साधन न होने पर अचार बनाने का कार्य करने की इच्छुक गांधी ग्राम निवासी गरीब महिला बबीता को 25-25 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

चारधाम से लेकर रोजगार तक हर मोर्चे पर विफल रही सरकार: कांग्रेस

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चार वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस ने सरकार के दावों को खारिज करते हुए उसे नाकामियों की सरकार बताया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर धामी सरकार को एक के बाद एक खिताब समर्पित किए और कहा कि मुख्यमंत्री आत्मप्रशंसा में व्यस्त हैं, जबकि भाजपा के ही सांसद और विधायक सरकार की पोल खोल रहे हैं।

माहरा ने कहा कि सरकार को बेरोजगारी और पलायन का खिताब मिलना चाहिए। युवाओं के रोजगार की कोई योजना नहीं बनी और पहाड़ से लगातार पलायन जारी है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार ने उत्तराखंड को महिला अपराधों में "अव्वल राज्य" बना दिया है। चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की मौतें और सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाएं सरकार की अव्यवस्था को दर्शाती हैं।

केदारनाथ से लेकर खनन माफिया तक सरकार सवालों के घेरे में

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केदारनाथ धाम की मर्यादा से खिलवाड़ हुआ है। दिल्ली में केदारनाथ की प्रतिकृति बनवाकर आस्था को चोट पहुंचाई गई, जबकि असली मंदिर से सोना चोरी की

जांच दबाई गई। धामी सरकार पर खनन और भू-माफियाओं को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा के ही नेताओं ने खनन पर सवाल उठाए, लेकिन सरकार ने कार्रवाई की जगह चुप्पी साध ली।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पिछले चार वर्षों में भर्ती घोटाले राज्य की छवि पर धब्बा बने हैं। उपनल, आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को लगातार नजरअंदाज किया गया। मलिन बस्तियों को उजाड़ने, घटिया निर्माण में भ्रष्टाचार, और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को भी कांग्रेस ने सरकार की विफलता करार दिया।

चार साल धामी सरकार पर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

अनामिका शर्मा और अंकिता हत्याकांड पर उठाए सवाल

भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनामिका शर्मा प्रकरण में कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच की मांग की। जेल में सुविधाएं मिलने पर भी सवाल खड़े किए। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सच्चाई छिपाने के आरोप लगाते हुए माहरा ने कहा कि सरकार दोषियों को बचा रही है और यह भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, महामंत्री नवीन जोशी, प्रवक्ता शीषपाल सिंह बिष्ट और सोशल मीडिया सलाहकार अमरजीत सिंह भी मौजूद रहे।

सीएम के चार साल बेमिसाल पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया हताशा: चौहान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने सीएम पुष्कर सिंह धामी के ऐतिहासिक उपलब्धिपूर्ण कार्यकाल को बेमिसाल बताते हुए कहा कि कांग्रेस की प्रतिक्रिया हताशा और द्वेषपूर्ण है। कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि धामी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है और कांग्रेस हताशा और निराशा मे आरा. ेप लगा रही है। चौहान ने कहा कि धामी सरकार प्रदेश की संस्कृति के सरंक्षण मे ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है, जबकि कांग्रेस राज्य की अस्मिता को पर कांग्रेस ने कितना प्रहार किया यह किसी से छिपा नही है।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस को जनता ने भ्रष्टाचार के चलते ही ठुकराया, लेकिन धामी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही और कानून बनाये। धामी सरकार प्रदेश मे रोजगार देने के मामले मे पुराने सभी आंकड़ों से कई गुना आगे हैं। प्रदेश मे खनन से 4 गुना राजस्व बढ़ा है।

ब्यूरोक्रेसी राज्य की अर्थिकी की रीढ़, धैर्य से कार्य ले कांग्रेस: भट्ट

देहरादून (शाह टाइम्स)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि किसी भी राज्य मे नौकरशाह आर्थिकी की रीढ़ होते हैं और इसे लेकर संशय की स्थिति नही होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्ट ने कहा कि सीएम धामी और भाजपा सरकार मे कुछ भी कृत्रिम नही, बल्कि वास्तविकता है। सीएम खेत बचपन से जोतते रहे हैं और उनके पुरखे भी खेती किसानी से जुड़े हैं। हां यह कांग्रेस के लिए जरूर मंथन का सवाल है कि किसानों के सहारे राजनीति करने वाली कांग्रेस खेती किसानी से हमेशा दूर रही। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम ने हमेशा ब्यूरोक्रेसी को नजरंदाज किया और सभी नेता खुद अवैध कमाई मे लग गए। पकड़े गए और आज मुकदमा झेल रहे हैं। बयूरोक्रेसी का काम ही राज्य का खजाना भरना है और ब्यूरोक्रेसी ने खनन से राज्य का खजाना भरा है। ब्यूरोक्रेसी ने आबकारी और जीएसटी संग्रह को बढ़ा कर राज्य का खजाना भरा तो चौबीस हजार सरकारी नौकरियां देकर बेरोजगारों की झोली भरने का काम किया है। 40 से ज्यादा नई नीतियाँ बनाकर सरकार ने पर्यटन,ऊर्जा,उद्योग,कृषि आदि क्षेत्रों में जनोन्मुखी निर्णय किये हैं जिससे आमजन को स्वरोजगार और रोजगार मिल रहा है। वन विभाग की छ: हजार एकड़ से ज्यादा जमीन अतिक्रमण मुक्त करा के राज्य के पक्ष में राज्य का खजाना भरा है। एक लाख करोड़ के निवेश कघ्रारों को धरातल पर उतार का राज्य का खजाना भरने का काम सरकार ने किया है। राज्य के विकास मे ब्यूरोक्रेसी के योगदान को नकारना खुद की विफलता से मुँह फेरने जैसा है और कांग्रेस को अपनी सोच बदलने की जरूरत हो।

एसटीएफ ने किया अंतर्राज्यीय महिला साइबर ठग को गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल व अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर साइबर ठगी करने वाली एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के एक सक्रिय महिला सदस्य को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। बताया गया है कि आरोपी महिला ने पीडिता को सरकारी एजेंसी की अधिकारी बताकर की लगभग 40 लाख रूपये की धोखाधडी की गयी । पकड़ी गई महिला साइबर ठग से 2 मोबाइल फोन, 3 डेबिट काड्र्स, 2 सिम काड्र्स बरामद हुए हैं।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह ने जानकारी दी कि एक प्रकरण देहरादून निवासी पीड़िता द्वारा मई 2025 में दर्ज कराया गया था। पीड़िता को व्हाट्सएप पर अमेरिका के नंबर से कॉल कर एक महिला ने स्वयं को सरकारी एजेंसी की अधिकारी बताया। व्हाट्सएप पर फर्जी प्रोफाइल के माध्यम से विश्वास जीतकर पीड़िता को गोल्ड का बिजनेस शुरू करने के लिए रा मैटेरियल खरिदने के नाम पर उससे बार-बार धनराशि स्थानांतरित करवाई गई।पूरे अपराध में अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबर, फर्जी पहचान, और तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर मानसिक रूप से पीड़ित पर नियंत्रण बनाया गया। पीड़िता को इस बात का आभास भी नहीं हुआ कि वह एक सुनियोजित साइबर ठगी का शिकार बन रही है।एसटीएफ ने इस साइबर ठगी का खुलासा करते हुए ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र से अंतरराज्यीय साइबर ठगी की मास्टरमाइंड महिला रमनदीप कौर पुत्री दलजीत सिंह निवासी सराली कलां जिला तरण तारण पंजाब को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला साइबर ठग के कब्जे से एसटीएफ ने 2 मोबाइल फोन, 3 डेबिट काड्र्स, 2 सिम काड्र्स बरामद किए।

महिला अस्पताल के दिन बदलने वाले हैं

50 बेड और पार्किंग सुविधा से होगा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने हल्द्वानी के महिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। हल्द्वानी स्थित महिला अस्पताल में 50 बेड के नए भवन का निर्माण कार्य जारी है, जिसमें विशेष रूप से एक पार्किंग सुविधा का भी प्रावधान किया जाएगा। यह सुविधा मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए करीब 10 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है और इस नए भवन के निर्माण कार्य में तेजी से प्रगति हो रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास उन्मुखी दृष्टिकोण और शासन की तत्परता के चलते इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री धामी के दिशा-निर्देशों के बाद, जिला मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में इस

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर ठोस कदम उठाए गए हैं। इस नए भवन में न केवल 50 बेड की क्षमता बढ़ाई जाएगी, बल्कि पार्किंग की सुविधा भी दी जाएगी, जो अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक बड़ी राहत होगी। हालांकि, हल्द्वानी महिला अस्पताल के पास पार्किंग की गंभीर समस्या थी, जिससे सड़क किनारे वाहन खड़ा करने की समस्या उत्पन्न हो रही थी। अब नए भवन के निर्माण के साथ इस समस्या का समाधान होने की संभावना है। इससे न केवल अस्पताल के आसपास की जाम की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि मरीजों और तीमारदारों को भी अस्पताल पहुंचने में अधिक सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। यह कदम उत्तराखंड सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों को मजबूती देगा। अस्पताल का यह नया भवन न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि करेगा, बल्कि हल्द्वानी और आस-पास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस परियोजना के पूरी तरह से तैयार होने के बाद, हल्द्वानी महिला अस्पताल की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय बदलाव आएगा, और यह क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

जलभराव से निजात दिलवाने पर भगत का आभार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हल्दूपोखरा नायक क्षेत्र के रकसिया नाले को जंगल की ओर मोड़ने से स्थानीय जनता को मिली बड़ी राहत मिली है। सोमवार को तमाम क्षेत्रवासी विधायक बंशीधर भगत के आवास पहुंचे और उनका आभार व्यक्त किया। इस कार्य से नाले के कारण होने वाली जलभराव और अन्य समस्याओं से निजात मिली है, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

ग्रामीणों ने कहा कि रकसिया नाले का पानी बारिश के मौसम में खेतों और रिहायशी इलाकों में घुस जाता था, जिससे फसलों को नुकसान और जनजीवन प्रभावित होता था। वहीं, विधायक भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि हर साल बरसात में नाले का पानी स्थानीय काश्तकारों के खेतों और घरों में घुस जाता था। अब नाला जंगल की ओर मोड़ दिया गया है जिससे जनता को बहुत राहत मिली है। इस मौके पर भवान बिष्ट, प्रकाश पटवाल, चंदन मेहरा, कमल बिष्ट, संतोष बिष्ट, वीरेंद्र पाल, खजान गयाल, शंकरदत्त पंत, हीरा सिंह, नीमा देवी, बीना पंत, गंगा भरणा, गंगोत्री देवी, कविता ऐरी, भावना पंत, हेमा बिष्ट मौजूद रहे।

एक नजर

गुंडा एक्ट में जिला बदर व्यक्ति कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आगामी पंचायत निर्वाचत के दृष्टिगत सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश में पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में आईटीआई पुलिस ने ढेड़ माह पूर्व छह माह के लिए गुंडा एक्ट में जिला बदर किये गये परमजीत पुत्र कश्मीर सिंह निवासी छोटी बरखेड़ी व हाल गलबलिया सरिया फैक्ट्री के पास मंगल बाजार निवासी को कच्ची शराब की बिक्री करते व बिना पूर्व सूचना व अनुमति के जिले में प्रवेश करने पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर धारा 10 गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रकाश सिंह बिष्ट, हेड कांस्टेबल जीवन पांडे व कांस्टेबल रमेश बंग्याल शामिल रहे।

20 लाख रूपये व स्कॉर्पियों की मांग को लेकर उत्पीड़न करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

काशीपुर। एक विवाहिता ने पति पर दहेज में 20 लाख रूपये व स्कार्पियों की मांग को लेकर मानसिक रूप से उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। महिला हैल्पलाईन में शिकायत के बाद आईटीआई पुलिस ने पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जसपुर खुर्द निवासी सुखविन्दर कौर ने शिकायती पत्र में बताया कि उसका विवाह 27 नंवबर 2006 को गुरुद्वारा हेमकुण्ड खरमासी रम्पुरा में गुरताज सिंह के साथ हुआ था। विवाह में उसके पिता ने काफी दान-दहेज दिया था। उनके दो जुड़बा लड़के हैं जो वर्ममान में 17 वर्ष के है तथा कक्षा-12 में पढ़ते है एक पुत्र उसके पास रहता है जबकि दूसरा पुत्र उसके पति के पास रहता है। बताया कि विवाह के तीन-चार साल के बाद ही दहेज में स्कार्पियो गाड़ी व 20 लाख रूपये की मांग को लेकर उसको मानसिक रूप से परेशान किया जाने लगा। इस बावत पंचायत में भी पति को समझाया गया। बताया कि पति अपनी बहन के कहे अनुसार कार्य करते हुए सर्वेट कमरे में रखकर उसे खर्च के लिए 12 हजार रूपये देता रहा, लेकिन अब वह भी नहीं दे रहा और घर से जाने को लेकर कह रहा है। साथ ही उससे कोई वास्ता न रखते हुए दूसरी शादी करने की जिद पर अड़ा है जिससे उसे अपनी गृहस्थी उजड़ने का डर है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जाच शुरू की है।

दुर्घटना के आरोपी डम्पर चालक पर मुकदमा

काशीपुर। शनिवार की तड़के डंपर द्वारा खानावदोश व्यक्ति को कुचलकर मृत्यु कारित करने के मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। ग्राम बभनैया पूरब, नगर पंचायत दोस्तपुर, सुल्तानपुर उप्र. निवासी राजबती ने बताया कि बीते शनिवार की प्रात: करीब 5.30 बजे वह व उसके पति अर्जुन पुत्र द्वारिका मजदूरी पर जाने के लिए महाराणा प्रताप चौक के पास फ्लाइओवर के नीचे बैठे थे तभी डंपर संख्या एचआर58सी 3463 के चालक ने लापरवारी से चलाकर उसे व उसके पति को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए तथा डंपर चालक मौके पर डंपर को छोड़कर फरार हो गया। उसके पति को घायल अवस्था में आसपास के लोगों ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के चलते कुंडेश्वरी पुलिस पूरी तरह मुस्तैदी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में बीती सांय एक संदिग्ध को दबा. चकर उसके कब्जे से 97 लीटर कच्ची शराब बरामद की। पुलिस की गश्ती दल से कच्ची शराब माफियाओं के हौसले पस्त नजर होते आ रहे हैं। कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान संदिग्धवस्था में पत्थपुरी व सेमल. पुरी के मध्य में दो प्लास्टिक के कटे लेकर किसी के इन्तजार में खड़े एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो प्लास्टिक के कटों में 50 लीटर व दूसरे कटे में 47 लीटर, कुल 97 पाऊचों में 97 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ग्राम जगतपुर निवासी बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दू पुत्र सरजीत सिंह बताया। आरोपी ने बताया कि वह उक्त शराब को बाजपुर में चुनाव के लिये लेकर जाने वाला था। पुलिस ने आरोपी का आबकारी एक्ट में चालान किया है। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट, कांस्टेबल जगदीश पपनै, दर्शन सिंह शामिल रहे।

लगातार बारिश ने फिर बढ़ाई टेंशन

बागेश्वर। जिले में लगातार हो रही बारिश से सड़कों पर मलबा आने से का सिलसिला फिर जारी हो गया है। रविवार को चार सड़कें बंद थी, लेकिन अब बढ़कर 14 हो गए हैं। सड़क बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की चिंता बढ़ गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया बंद सड़कों को खोलने का काम चल रहा है। बता दें कि जिले में रविवार की रात एक बार फिर जमकर बारिश हुई। बारिश से जहां कई सड़कों में मलवा भर आया वही नदी नाले पुन: उफान पर रहे। सोमवार की सुबह सरयू नदी उफान पर रही। जिससे नदी किनारे बसे लोगों की चिंताएं बढ़ी। इधर बंद सड़कों को खोलने का कार्य सोमवार देर शाम तक जारी रहा। हालांकि कई सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया गया। लेकिन अभी भी उन सड़कों में मलवा आने का खतरा बना हुआ है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। गणनाथ रेंज के कपड़खान में वन महोत्सव के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रौपे गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान वन क्षेत्राधिकारी पूरन चंद्र तिवारी ने लोगों को संबो. धित करते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए हम सबको पौधारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण न केवल पर्यावरण को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन को कम करने, मिटी के कटाव को रोकने और वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करने में भी मदद करता है।

स्कूल के विलय की सुगबुगाहट पर रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। राजकीय जूनियर हाईस्कूल रतबे का दूसरे स्कूल में विलय होने की सुगबुगाहट पर अभिभावकों ने कड़ी आपत्ति जताई है। नाराज लोगों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर विरोध में प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वकताओं ने कहा कि विलय के बाद बच्चों के स्कूल की दूरी 25 किमी हो जाएगी। जल्द निर्णय वापस नहीं लेने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। रतबे के ग्रामीण सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि राजूहा रतबे विगत कई सालों से दूरस्थ्य क्षेत्र में रहने वाले बच्चों को शिक्षा दे रहा है। यहां से पढ़कर कई बच्चों ने सरकारी नौकरी तक पाई है, लेकिन उन्हें पता चला है कि शिक्षा विभाग क्लस्टर शिक्षा के नाम पर इस विद्यालय का विलय इंटर कॉलेज डोबा चोहाना करने जा रहा है। यदि ऐसा हुआ तो यहां रह रहे बच्चों की परेशानी बढ़ जाएगी। यहां से स्कूल की दूरी करीब 25 किमी हो जाएगी। क्षेत्र में वहानों की भी भारी कमी रहती है। खासकर लड़कियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। गांव पहले ही पलायन की मार झेल रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी को भी एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर मोहन सिंह, महेश सिंह, शेर राम, मदन सिंह, महेंद्र सिंह, घनश्याम, पंकज, दान सिंह, ममता, कृष्णा सिंह मौजूद रहे।

नगर निगम कर्मचारियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। समय पर वेतन देने और नगर आयुक्त समेत लेखा अधिकारी की नियुक्ति की मांग को लेकर नगर निगम के कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को

नाराज पर्यावरण मित्रों ने नगर निगम परिसर में धरना दिया। इस दौरान जमकर नारेबाजी कर समस्याओं का समाधान नहीं होने तक धरने में डटे रहने की चेतावनी दी। देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ और उत्तराखंड नगर निकाय कर्मचारी संघ के बैनर तले नगर निगम के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। नारेबाजी कर विरोध जताया। कहा कि नगर निगम में स्थाई नगर आयुक्त और लेखाधिकारी की तैनाती नहीं हो सकी है। इससे कर्मचारियों को कई माह से समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है। पर्यावरण मित्रों को झाड़ू, पंजर, फावड़े आदि सफाई उपकरण तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। कहा कि नगर निगम में कुछ पार्षदों के पारिवारिक सदस्यों की ओर से दबाव बनाकर कार्य क्षेत्र से हटकर अतिरिक्त कार्य कराए जा रहे हैं। कर्मचारियों ने नगर आयुक्त की स्थाई नियुक्ति, लेखाधिकारी की नियुक्ति, वेतन पेंशन के भुगतान आदि की मांग की। कहा कि जब तक समस्याओं का निदान नहीं होगा कर्मचारी विरा. ध में डटे रहेंगे। जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर कार्य बहिष्कार की भी चेतावनी दी। इस दौरान देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ प्रदेश महामंत्री राजपाल पवार, शाखाध्यक्ष दीपक चंदेल, पुष्कर सिंह बिष्ट, राजेश, सतीष, अशोक, कमल आर्या, विजय अधिकारी, बबीता, मनोज मिश्रा, दीपक बिष्ट, मनोज बिष्ट, कमल कपिल, ओमी बिष्ट, पुष्पा, माया, गोविंदी, बसंती, कांता, लीला, महेश, यशपाल, पंकज तिवारी, चंद्रशेखर कांडपाल, काजल पवार, प्रकाश चंद्र, जीवन ऐरी समेत कई कर्मचारी रहे।

जनसेवा के लिए नारी शक्ति का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिलाओं का निर्विरोध चुना जाना पंचायतों की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है, यह बात पूर्व दर्जा मंत्री एवं भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक ने अपने कार्यालय में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में कही।

कर्नाटक ने कहा कि पंचायत चुनावों में महिला उम्मीदवारों का लगातार निर्विरोध चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि आज मातृशक्ति पंचायतों में अपनी बेहतर भूमिका का निर्वहन कर रही हैं और जनता को उन पर गहरा विश्वास है। कर्नाटक द्वारा हवालबाग विकासखंड के शैल क्षेत्र पंचायत से हिमानी कुंडू के क्षेत्र पंचायत सदस्य व अधार मटेला से ग्राम प्रधान पद पर दिव्या पाटनी कांडपाल के निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने

जाने पर उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर कर्नाटक ने कहा कि जनसेवा के प्रति समर्पण और जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक बनकर, शैल क्षेत्र पंचायत से हिमानी कुंडू का क्षेत्र पंचायत सदस्य और अधार मटेला ग्रामसभा से दिव्या पाटनी कांडपाल निर्विरोध निर्वाचित होना इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बिना विरोध चुना जाना सिर्फ एक औपचारिक जीत नहीं है बल्कि यह जनता के मन में बसे विश्वास और प्रेम की सच्ची मुहर होती है, हिमानी कुंडू और दिव्या पाटनी ने जिस संवे. दनशीलता और ईमानदारी से समाज को अपनाया, आज समाज ने उन्हें उसी भाव से स्वीकारा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से हिमानी कुंडू के पति भारत भूषण कुंडू (भानू) को भी कर्नाटक ने विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि इस युगल का पारिवा. रिक सहयोग और सामाजिक दृष्टिकोण क्षेत्र के विकास में नई ऊर्जा लेकर आएगा। दिव्या पाटनी कांडपाल एवं उनके पति निवर्तमान प्रधान गौरव कांडपाल के लिए उन्होंने कहा कि इनके नेतृत्व में गांवों की ज़रूरतों और सपनों को दिशा देने का कार्य करेगा। कर्नाटक ने कहा कि इन दोनों ने आज सिर्फ एक पद नहीं जीता, बल्कि गांव की विकास की उम्मीदों को जीवित करने का कार्य किया है, कर्नाटक ने जोर देते हुए कहा कि जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज प्रगति की ओर अग्रसर होता है। समर्पित प्रतिनिधि हमारी लो. कतांत्रिक परंपरा की गरिमा को और ऊंचाई देने का कार्य करते हैं।

1.85 करोड़ रुपये की ठगी का आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। भतरौंजखान पुलिस ने निवेश के नाम पर 1.85 करोड़ रुपये की ठगी के आरोपी को दिल्ली से दबोचा है।

आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने आरोपी को लाजपत नगर दिल्ली से गिरफ्तार किया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मामला अक्टूबर 2024 का है। भतरौंजखान निवासी पंकज प्रकाश ने थाने में एक तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि 29 वर्षीय विपिन चमोली निवासी जुगड़गांव न्यू-टिहरी, टिहरी गढ़वाल हाल दक्षिण पुरी आंबेडकर नगर दक्षिण दिल्ली ने उन्हें एक फार्मा कंपनी में निवेश करने का झासा दिया था। आरोपी के झांसे में आकर उसने 88 लाख रुपये का निवेश कर दिया। कहना था कि आरोपी ने कुछ धनरा. शि तो वापस की, लेकिन शेष के लिए वह मुकर गया। तमाम बार आरोपी से रुपये वापस देने की गुहार लगाई, लेकिन आरोपी ने इनकार कर दिया। मजबूरन उसे भतरौंजखान थाने में तहरीर देनी पड़ी। एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर मामले की जांच की गई तो सामने आया कि आरोपी ने सात अन्य लोगों से निवेश के नाम पर 97 लाख रुपये हड़प लिए थे। इसके बाद एसएसपी ने एडिशनल एसपी हरबंस सिंह के निर्देशन और सीओ विमल प्रसाद की देखरेख में एसओ सुशील कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने आरोपी को शनिवार शाम लाजपत नगर से गिरफ्तार कर लिया। टीम में एसआई मीना आर्या, राजा राम, नीरज पाल, बलवंत प्रसाद शामिल रहे।

कृषि इकाई में हल्लाबोल, जांच की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। कालाढूंगी की कृषि इकाई में दर्जनों किसानों ने एकत्र होकर नाराज़गी जताई। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें जो सोयाबीन का बीज वितरित किया गया है, वह गुणवत्ताहीन है और खेतों में अंकुरित नहीं हो रहा। किसानों के अनुसार, एनआरसी 142 नामक सोयाबीन बीज पूरी तरह से खराब है और किसी भी खेत में नहीं जम रहा, जिससे किसानों को भारी नुकसान का अंदेशा है। किसानों का कहना है कि कृषि विभाग द्वारा उन्हें जो बीज वितरित किया गया, वह बिना परीक्षण के वितरित किया गया और अब उनकी मेहनत और समय दोनों बर्बाद हो रहे हैं। नाराज़ किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से तत्काल जांच की मांग की है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री

कृषि अधिकारी नैनीताल ऋतु टम्टा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कई किसानों की ओर से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीजों को कृषि विज्ञान केंद्र भेजा जाएगा। वहां से रिपोर्ट आने के बाद जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम से किसानों में गहरा रोष व्याप्त है और वे अब ठोस कार्यवाही की माँग कर रहे हैं। वहीं विभाग की ओर से आश्वासन दिया गया है कि अगर बीज में गड़बड़ी पाई जाती है तो दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी और किसानों को मुआवज़ा देने पर भी विचार किया जायेगा।

निर्धारित समय-सीमा में हों कार्य: जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। सोमवार को जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित गति. विधियों की प्रगति, सक्षम आंगनवाड़ी, क्षेत्रीय स्थिति और आंकड़ों के अद्यतन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय-सीमा में कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करें और सभी आंकड़ों का सटीक व सम्यक फीडिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि फील्ड से प्राप्त होने वाले आंकड़ों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखी जाए। उन्होंने बाल विकास से संबंधित सभी गति. विधियों की नियमित निगरानी, दस्तावेज़ों के अद्यतन और तकनीकी प्लेटफॉर्म्स पर कार्य की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। जिला. धिकारी ने बैठक के दौरान कार्यों की स्पष्ट प्रस्तुति न देने पर एक अधिक. ारी को चेतावनी भी दी और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी क्षेत्रीय अधिका. रियों को निर्देशित किया कि वे समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करें और नियमित समीक्षा करते रहें। बैठक में सीडीपीओ आशा भट्ट, जिला समन्वयक लता भंडारी, जिला मिशन समन्वयक सुरेन्द्र कुमार सहित ब्लॉक समन्वयक और सुप. रवाइजर उपस्थित रहे।

शिलापट तोड़ने पर भड़के लोग

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम का शिलापट्ट तोड़कर शौचालय में फेंकने से उनके आश्रितों ने आपत्ति जताई है। उन्होंने जिला. धिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तरा. धिकारी संगठन से जुड़े आश्रितों ने सोमवार को जिलाधिकारी आशीष भटगाई से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दुगनाकुरी तहसील के दोफाड़ क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व राम सिंह गढ़िया व शहीद स्व उमेश सिंह कालाकोटी का शिलापट्ट तोड़कर कृषि इंटर कालेज दोफाड़ के महिला शौचालय में फेंका गया है। देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले ऐसे वीर पुरुषों के साथ

अराजक तत्वों द्वारा अप्रिय हरकत की है।

जिससे पूरे क्षेत्र उनके स्वजन काफी आहत है। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। साथ ही क्षेत्र में शहीद स्मारक स्थापित कर वहां सभी के शिलापट्ट रखवाने की मांग की है। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष प्रेम सिंह परिहार, दीवान सिंह नेगी, प्रताप गढ़िया, गिरीश चंद्र जोशी आदि मौजूद थे। इधर दोपहर में जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भगत डसीला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। साथ ही शिलापट्ट के साथ छेड़छाड़ करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की गई। इस मौके पर पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, सहित अन्य मौजूद थे।

काशीपुर को स्वच्छ रखने की एक और मुहिम

महापौर दीपक बाली ने किया निशुल्क डस्टबिन वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। स्वच्छ काशीपुर स्वस्थ काशीपुर संकल्प के तहत शहर को स्वच्छ रखने में व्यापारियों / दुक. ानदारों का भी सहयोग लेने हेतु महापौर दीपक बाली ने आज यहां निगम सभागार में विधायक त्रिलोक सिंह चीमा के साथ नगर निगम द्वारा निशुल्क डस्टबिन वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इन डस्टबीनो में सुखा और गीला कूड़ा अलग-अलग रखा जाएगा।

महापौर दीपक बाली ने कहा कि बरसात मे जल भराव न हो इसके लिए नगर निगम दिन-रात अभियान छेड़े हुए हैं और नाले व नालियों की सफाई के साथ-साथ शहर की सड़कों का सफाई अभियान भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। ऐसे में उनका नगर की जनता से भी अनुरोध है कि वह भी इस सफाई अभियान में बढ़ चढ़कर नगर निगम का सहयोग करें ताकि काशीपुर को स्वच्छ सुंदर और स्वस्थ बनाने का सपना साकार हो सके। महापौर ने कहा कि सफाई के मामले में इंदौर का उदाहरण देते हैं लेकिन इंदौर को साफ करने में भी तो वहां की जनता सहयोग करती है। इस दौरान विभिन्न कल्बों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी मौजूद रहकर काशीपुर को साफ और स्वच्छ बनाने में न सिर्फ अपने सहयोग का पूर्ण समर्थन दिया। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने कहा कि जनता की जागरूकता के बगैर शहर सुंदर नहीं बन सकता लिहाजा सबको मिलकर कदम उठाने होंगे। महापौर दीपक बाली, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने नगर आयुक्त रविंद्र कुमार बिष्ट तथा अनेक गणमान्य लोगों के साथ मिलकर डस्टबिन से भरी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन डस्टबिनो को स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पूरे बाजार में वितरित करेंगी। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष विनीत सिंगल, मनोज चौधरी, राजीव खरबंदा, मुक्ता सिंह, मनीष बंसल, अभिलाष कमानी, राजीव घई, अनुराग सिंह, आलोक गोयल, अभिषेक जिंदल, संजय अग्रवाल, गौतम मेहरोत्रा, अभिषेक गोयल, अर्जुन सिंह, पार्षद शिवांश गोले, दीपा पाठक, पुष्कर बिष्ट, शाह आलम, मयंक मेहता, प्रिंस बाली, मोहम्मद सादिक, प्रकाश नेगी, अब्दुल कादिर, मनोज अग्रवाल, मनोज बिष्ट, कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा, एहतेशाम अब्दुल सलीम सहित अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राहुल पैगिया ने किया।

कार्यालय-नगर निगम, काशीपुर
जिला-ऊधम सिंह नगर

पत्रांक 349/मु0कार्यालय/2025-26 दिनांक 5/7/2025

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम काशीपुर द्वारा नगर निगम अधिनियम-1959 (यथा प्रवृत्त) उत्तराखण्ड की सुसंगत धाराओं के अधीन निम्नानुसार उपविधियां आपत्ति/सुझाव हेतु प्रकाशित की गयी हैं-

क्र. सं.	उपविधि का नाम	दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि
01	नगर निगम, काशीपुर में प्रतिवर्ष जमा होने वाले गृहकर पर अर्थदण्ड में छूट एवं वित्तीय वर्ष में 31 अक्टूबर के पश्चात् अर्थदण्ड के साथ गृहकर जमा करने के प्रावधान में परिवर्तन के संबंध में उपविधि	26.04.2025
02	नगर निगम सीमान्तर्गत प्रेक्षागृह शुल्क उपविधि -2023 में परिवर्तन किये जाने के सम्बन्ध में उपविधि	23.04.2025
03	नगर निगम सीमान्तर्गत ई-रिक्शा विनियमन एवं नियंत्रण की उपविधि-2025	25.04.2025

निर्धारित अवधि में आपत्ति/सुझाव प्राप्त न होने पर गजट प्रकाशन हेतु राजकीय मुद्राणालय रूड़की, उत्तराखण्ड को प्रेषित किया जा रहा है।

नगर आयुक्त नगर निगम, काशीपुर

महापौर नगर निगम, काशीपुर

कार्यालय-नगर निगम, काशीपुर
जिला-ऊधम सिंह नगर

पत्रांक 350/मु0कार्यालय/2025-26 दिनांक 5/7/2025

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम काशीपुर, जिला ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड) ने उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 (यथा प्रवृत्त उत्तराखण्ड) की धारा 541 के अन्तर्गत नगर निगम सीमान्तर्गत विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक लाईसेन्स पंजीकरण / नवीनीकरण को नगर निगम काशीपुर की स्वीकृति के अनुसार लाईसेन्स / पंजीकरण उपविधि-2017 संशोधित उपिविधि-2023 के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के व्यवसायियों पर लाईसेन्स पंजीकरण / नवीनीकरण शुल्क में लाईसेन्स पंजीकरण / नवीनीकरण शुल्क उपविधि-2025 द्वारा संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है। लाईसेन्स पंजीकरण / नवीनीकरण हेतु नवीन दरें एवं शर्ते अवलोकन हेतु किसी भी कार्य दिवस में नगर निगम कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं तथा उपजिलाधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय एवं नगर क्षेत्रन्तर्गत समस्त शासकीय कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर अवलोकन हेतु चस्पा की गयी हैं।

अत: इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर आपत्ति / सुझाव नगर आयुक्त, नगर निगम काशीपुर को सम्बोधित करते हुए कार्यालय नगर निगम काशीपुर में प्रस्तुत किये जा सकते है, नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों / सुझावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नगर आयुक्त नगर निगम, काशीपुर

महापौर नगर निगम, काशीपुर

पुलकित आर्या की अपील पर सुनवाई

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से आपत्ति पेश करने को कहा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने अंकिता भंडारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य की अपील पर सुनवाई करते हुए सरकार से आपत्ति पेश करने को कहा है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोटद्वार रीना नेगी की अदालत ने विगत 30 मई को पुलकित आर्य समेत उसके दो अन्य साथियों सौरभ भाष्कर और अंकित गुप्ता को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। भाजपा के पूर्व नेता के पुत्र और ऋषिकेश के वनंतरा रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 201 तथा 354 (ए) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी है जबकि रिसॉर्ट के प्रबंधक सौरभ भाष्कर और अंकित गुप्ता को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 302 और 201 के तहत आजीवन कारावास और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार दिया गया है। अपील पर न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। अभियुक्त की ओर से कहा गया कि वह निर्दोष है। सरकार की ओर से कहा गया कि अंकिता का शव चीला बैराज से बरामद हुआ था और अंतिम समय मृतका इन तीनों के साथ देखी गयी थी। अदालत ने अंत में अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए सरकार से आपत्ति पेश करने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी।

मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा को राहत नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस नैनीताल टीम के द्वारा 9 मई को नैनीताल के मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा व कोषागार के लेखाकार बसन्त जोशी की ओर से दायर जमानत अर्जियों पर सुनवाई की। मामलों की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने आरोपी दिनेश राणा को फिलहाल कोई राहत नहीं देते हुए अगली सुनवाई मंगलवार (आज) को भी जारी रखी। अभी कोर्ट इस मामले में एक विधिक प्रश्न पर सुनवाई कर रही है कि विजिलेंस टीम के द्वारा घूसखोर को किसी की शिकायत पर ट्रेप किया जाना चाहिए या जो उसके खिलाफ पेश की गई शिकायत है उसकी जांच करने के बाद के बाद। आज तक इस विधिक प्रश्न पर प्रदेश के न्यायालयों में इस बिंदु पर सुनवाई नहीं हुई न ही सरकार न ही आरोपियों की तरफ से सुनवाई करते वक्त इस प्रश्न को न्यायालय के सामने रखा। अभी तक दोनों पक्ष कानून का नाजायज फायदा लेते आए हैं। कौन आरोपी है कौन नहीं। 25 साल से करप्शन के मामले आये लेकिन इस बिंदु को कोर्ट के सामने नहीं रखा। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि की उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है जबकि सरकार की तरफ से कहा गया कि जब मामले की जांच हुई तो पाए गए नोटो पर एकाउंटेंट व मुख्य कोषाधिकारी के उंगलियों के निशान पाए गए। इसकी पुष्टि के लिये कांच के गिलास में पानी भरकर व सोडियम कार्बोनेट डाला गया। जिसमें आरोपियों हाथ धोए गए तो पानी का रंग गुलाबी हो गया। नोटों में भी आरो. पियों के उंगलियों के निशान लगे हुए हैं। इसलिए उन्हें ट्रेप कर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

राज्य सरकार व परिवहन विभाग से हाईकोर्ट ने चार सप्ताह में मांगा जवाब

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने हरिद्वार व देहरादून में व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस सेंटर एआरटीओ के द्वारा शहर से 20 से 30 किलोमीटर दूर खोले जाने के मामलों पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने राज्य सरकार सहित परिवहन विभाग से 4 सप्ताह के जवाब पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई हेतु चार सप्ताह बाद की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार हरिद्वार के टैक्सी ओवनर एसोसिएशन, वाहन व्यवसायिक ओनर व दून रिक्शा ओनर सहित स्कूल प्रबंधकों के द्वारा अलग अलग याचिकाएं दायर कर कहा है कि उनके व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस सेंटर एआरटीओ के द्वारा शहर से 20 से 30 किलोमीटर दूर कर दिया है जिसकी वजह से व्यवसायिक वाहन स्वामियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। देहरादून के व्यवसायिक वाहन मालिकों को जहाँ दो टोल टैक्स देने पड़ रहे हैं वहीं अब उन्हें आशारोड़ी से लालतप्पण जाना पड़ रहा है। वहीं हरिद्वार में भी 30 किलोमीटर दूर फिटनेस सेंटर बाहर कर दिया है। याचिकाओं में कहा गया कि फिटनेस सेंटर एआरटीओ कार्यालय के समीप ही स्थापित हो जिससे उनको व आमजन को कोई परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस संबंध में व्यवसायिक वाहनों मालिकों व वाहन एसोसिएशनों के द्वारा प्रशासन, आरटीओ को ज्ञापन भी दिया लेकिन उसपर संज्ञान नहीं लिया गया। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट से प्रार्थना की है कि वाहनों के फिटनेस सेंटर एआरटीओ कार्यालय के पास ही स्थापित हो न कि शहर से 20 से 30 किलोमीटर दूर।

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते शनिवार रात की शीशमहल स्थित एक होटल से घर लौट रहे होटलकर्मी को नैनीताल रोड पर स्कूटी सवार ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि मूलरूप से सूरी रानीखेत निवासी खीम सिंह परिहार 44 वर्षीय जो शीशमहल स्थित एक होटल में वरिष्ठ कर्मी के तौर पर काम करते थे, बीते शनिवार रात काम खत्म करने के बाद अपने साथियों के साथ पैदल घर लौट रहे थे। तभी नैनीताल रोड पर एक स्कूटी ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे खीम सिंह बेहोश होकर सड़क पर गिर गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में स्कूटी सवार को भी चोटें आई। पुलिस ने मृतक के साले बालम सिंह की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भूस्खलन प्रभावित शिव मंदिर परिसर में किया पौधारोपण

हल्द्वानी। सोमवार को वर्षों पहले भूस्खलन से प्रभावित तल्ला नाई सिला शिव मंदिर परिसर में पौधरोपण किया गया। इस दौरान धरती में पकड़ मजबूत रखने वाले घिंगारू, बांस, फल देने वाला इमली, कंद वाला तरुड़ और फूल देने वाले पारिजात और गुलमोहर जैसे पौधे लगाए गए। यह पौधे पूर्व वनाधिकारी लक्ष्मण सिंह मेवाड़ी और मदन बिष्ट ने उपलब्ध करवाए। साथ ही जनमैत्री संगठन के संयोजक बची सिंह बिष्ट ने भी कुछ फलदार पौधों की गुठलियां, कंद आदि की बेलें उपलब्ध कराईं। इस दौरान पूर्व वनाधिकारी लक्ष्मण सिंह मेवाड़ी ने कहा कि काठगोदाम रानीबाग मार्ग के किनारे बलिया नाला में लगातार भूस्खलन बढ़ रहा है। इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाना चाहिए। राजेंद्र जोशी ने कहा कि बेल, बसानी क्षेत्र स्थानीय लोगों के घूमने का स्थान बन गया है। वे यहां कांच और प्लास्टिक का कूड़ा-करकट फेंक देते हैं जिससे पर्यावरण को खतरा पैदा हो रहा है। जिस कारण उसकी जमाराशि को उन्होंने सुरक्षित निकाल लिया है और उनके पास है। कार्यक्रम का नेतृत्व कवि नरेंद्र बंगारी ने किया। इस दौरान पूर्व अधिकारी मनमोहन मेहरा, पूर्व वना. धिकारी मदन बिष्ट, पूर्व वनाधिकारी लक्ष्मण मेवाड़ी, पूर्व उप निदेशक जलागम यतीश पंत, पूर्व प्रवक्ता मदन मेर, शिक्षक पूरन बिष्ट, वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन रौतेला, कवि नरेंद्र बंगारी, राजेंद्र जोशी, प्रदीप कोठारी, हरीश चौहान रहे।

ओखलकांडा में चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल, ज्ञापन सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। पंचायत चुनावों को लेकर ओखलकांडा क्षेत्र में सियासी माहौल गरमा गया है। क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरु ने सोमवार को रिटर्निंग ऑफिसर को ज्ञापन सौंपते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि सत्ता पक्ष से जुड़े लोग नामांकन प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं और चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। हरीश पनेरु का कहना है कि नामांकन के दौरान सत्ता पक्ष से जुड़े कुछ लोग यह कहकर उम्मीदवारों के नामांकन पत्र ले जा रहे हैं कि वे उसे खुद जमा करवा देंगे लेकिन बाद में वे पत्रावली ही गायब कर दी जाती है। इससे कई प्रत्याशी नामांकन से वंचित हो रहे हैं और उन्हें धोखा मिल रहा है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खुला खिलवाड़ करार दिया। इतना ही नहीं नाम वापसी के समय भी सत्ता पक्ष पर दबाव की राजनीति करने के आरोप लगाए गए हैं। पनेरु ने कहा कि कुछ प्रत्याशियों के घर जाकर उन्हें नाम वापस लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है जिससे ग्रामीण इलाकों में डर और असमंजस का माहौल बन गया है। उन्होंने रिटर्निंग ऑफिसर से मांग की है कि नाम वापसी की प्रक्रिया में प्रत्याशी की व्यक्तिगत मौजूदगी को अनिवार्य किया जाए ताकि कोई भी नामांकन दबाव या छल से वापस न लिया जा सके।

'आई लव हल्द्वानी' की बदहाली पर आक्रोश

पार्षद रवि जोशी धरने पर बैठे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हल्द्वानी शहर की पहचान बनने की उम्मीद से लगाए गए 'आई लव हल्द्वानी' की हालत आज शहर की बदहाल व्यवस्थाओं का प्रतीक बन गई है। जेल रोड चौराहे पर बने इस प्रतीक स्थल की दुर्दशा को लेकर रविवार को नगर निगम पार्षद रवि जोशी के नेतृत्व में जोरदार धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में शामिल पार्षदों और स्थानीय जनता ने नगर निगम और मेयर गजराज बिष्ट पर सीधा आरोप लगाया कि वे इस सार्वजनिक स्थल की उपेक्षा कर रहे हैं। पार्षद रवि जोशी ने कहा कि दो साल पहले करोड़ों रुपए खर्च कर आई लव हल्द्वानी का भव्य उद्घाटन किया गया था, जिसे पर्यटन और शहर की पहचान से जोड़ा गया था। लेकिन सिर्फ दो महीने बाद ही यह जगह गंदगी, अराजकता और अतिक्रमण की भेंट चढ़ गई। जोशी ने बताया कि आज यह स्थान शाम होते ही शराबियों और नशेड़ियों का ठिकाना बन जाता है, जिससे स्थानीय लोगों और खासकर महिलाओं का गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार लोग यहाँ पर कपड़े धोते हैं, कूड़ा फेंकते हैं, और इसकी सुंदरता को नुकसान पहुंचाते हैं। आई लव हल्द्वानी इंस्टॉलेशन के साथ लगे हैलो शब्द के सामने लगातार अतिक्रमण होता जा रहा है। रेहड़ी-पटरी वाले और अस्थायी दुकानदारों ने इस क्षेत्र को घेर लिया है, जिससे न केवल दृश्यता खराब हुई है, बल्कि आसपास की ट्रैफिक व्यवस्था भी बाधित होती है। पार्षद जोशी ने मेयर गजराज बिष्ट के उस वादे की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने सुंदर और सुरक्षित हल्द्वानी की बात कही थी। लेकिन सब बेकार चला गया। प्रदर्शन में शैलेन्द्र दानू, दीप चंद पांडे, रोहित सांगड़ी, नवीन जोशी सहित दर्जनों लोग शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर प्रशासन से मांग की कि आई लव हल्द्वानी स्थल की सफाई, सुरक्षा, सौंदर्यीकरण और अतिक्रमण हटाने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। वहीं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिस स्थान को सेल्फी पॉइंट और पर्यटन आकर्षण के रूप में विकसित किया गया था, वह अब बदबू और डर का स्थान बन गया है। स्थानीय महिला रेखा पांडे ने कहा हमने कभी सोचा भी नहीं था कि यहां से गुजरने में डर लगेगा। पहले यहां बच्चों के साथ आते थे, अब शाम को इधर आना भी मुश्किल हो गया है।

मुकेश पाल ने रजत पदक जीता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स-2025 में भारतीय खिलाड़ी मुकेश पाल ने शानदार प्रदर्शन कर भारत तथा उत्तराखंड पुलिस का नाम रोशन किया। हालांकि फाइनल मुक. ाबले में मुकेश पाल स्वर्ण पदक जीतने से मामूली अंतर से चूक गए, लेकिन उन्होंने रजत पदक जीतकर भारत को गौरव प्रदान किया। मुकेश पाल ने मुकाबले के बाद कहा कि वह अपने देशवासियों और उत्तराखंडवासियों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए, और स्वर्ण पदक जीतने में मामूली अंतर से चूक गए। इस पर उन्होंने माफी मांगते हुए कहा, मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हूं और पूरे देश तथा उत्तराखंडवासियों से माफी मांगता हूं। इतना शानदार प्रदर्शन करने के बाद मुकेश पाल को बड़ी खुशखबरी मिली। 18 जुलाई को भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह उन्हें दिल्ली बुलाकर सम्मानित करेंगे। यह सम्मान न सिर्फ मुकेश पाल के लिए, बल्कि भारत पुलिस और उत्तराखंड पुलिस के लिए भी गर्व की बात है। इस सम्मान समारोह के बारे में पूछे जाने पर मुकेश पाल ने बताया कि वह 9 जुलाई को शताब्दी एक्सप्रेस से हल्द्वानी पहुंचेंगे। उन्होंने कहा मेरे द्वारा जीते गए दोनों पदक पूरे भारत और विशेष रूप से हल्द्वानी व उत्तराखंडवासियों के हैं।

रेलवे स्टेशन पर महिला से मंगलसूत्र लूटा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पंतनगर रेलवे स्टेशन पर एक महिला के साथ लूट की घटना सामने आई है। महिला के गले में पड़ा मंगलसूत्र लूटकर लुटेरा ट्रेन से फरार हो गया। महिला अपने बेटे को आगरा भेजने के लिए रेलवे स्टेशन आई थी, लेकिन लुटेरे ने उसे चलती ट्रेन से लूट लिया। घटना के बाद जीआरपी थाना काठगोदाम ने महिला की तहरीर पर मामला दर्ज कर लुटेरे की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार फुटहिल सिटी कॉलोनी कमलुवागांजा निवासी आनंदी कुं. जवाल के बेटे को आगरा जाने के लिए पंतनगर रेलवे स्टेशन से रिजर्वेशन था। 5 जुलाई को वह अपने बेटे को आगरा जाने वाली ट्रेन में बैठाने रेलवे स्टेशन पहुंची। बेटे को ट्रेन में बैठाने के बाद जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ी, एक लुटेरे ने आनंदी के गले में पड़ा मंगलसूत्र लूट लिया और फिर चलती ट्रेन से फरार हो गया। आनंदी का कहना है कि यदि उनके पास ट्रेन का टिकट होता, तो वह लुटेरे का पीछा करतीं, लेकिन टिकट के बिना वह कुछ नहीं कर सकीं। जीआरपी थानाध्यक्ष नरेश कोहली ने बताया कि महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है, साथ ही पंतनगर से आगरा के बीच स्थित अन्य रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं और शीघ्र ही आरा. पी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

अमर बलिदानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला पूर्व सैनिक लीग कार्यालय में परमवीर चक्र कैप्टेन विक्रम बत्रा, नायक मोहन सिंह सेना मैडल और सिपाही दीपक कैड़ा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

सर्वप्रथम शहीद नायक मोहन सिंह की वीरांगना उमा देवी ने बलिदानी सैनिकों के चित्रों पर पुष्प अर्पित किये, फिर अन्य उपस्थित अन्य वीर नारियों और गौरव सेनानियों ने पुष्प अर्पित किया। इस दौरान लीग के अध्यक्ष सेनि. कर्नल बीएस रौतेला ने कहा कि आज के दिन 1999 में कारगिल युद्ध चरम में था और आज ही के दिन कैप्टेन विक्रम बत्रा ने मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कैप्टेन सुरेश भट्ट ने बताया कि उनकी पल्टन 2 नागा रेजिमेंट को टाइगर हिल की बायी वाली पहाड़ी प्वाइंट-4875 पर कब्जा करने का आदेश मिला था। इसके लिए जब 2 नागा कूच कर रही थी तो पाकिस्तान ने तोपखाने की जबर्दस्त बमबारी की। इस बमबारी में पल्टन के आठ जवान वीरगति को प्राप्त हुए, लेकिन पल्टन उसी जोश और जज्बे के साथ आगे बढ़ी। जैसे ही पल्टन दुश्मन के नजदीक पहुंची तो दुश्मन ने अंधाधुंध फायर किया जिसमें पल्टन के आठ जाबाज वीर गति को प्राप्त हुए, जिसमें नायक मोहन सिंह भी थे। नायक मोहन सिंह सबसे आगे दस्ते में थे। नायक मोहन सिंह की वीरता और साहस बहुत ही अनुकरणीय था। मरणोपरांत उन्हें सेवा मेडल से स मानित किया गया। इस अवसर पर मेजर केएस मेहरा, नारायण दत्त पाण्डेय, राजेंद्र सिंह, डीएस कन्याल, पीएस परिहार, शांति चौधरी, पदमा नेगी, सुशीला देवी, लीला देवी, भावना गोस्वामी सहित अनेक वीर नारियां और पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

नशे में ई-रिक्शा चलाने से दो लोग घायल, चालक गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सोमवार शराब के नशे में धुत एक ई-रिक्शा चालक ने हाईवे पर अपनी गाड़ी दौड़ा दी, जिससे दो राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सोमवार को हुई, जब तेज रफ्तार से आ रहे ई-रिक्शा चालक ने पहले एक महिला और फिर एक पुरुष को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया, और ई-रिक्शा को सीज कर दिया। वायरल हुए एक वीडियो में दुर्घटना का दृश्य साफ तौर पर देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार ई-रिक्शा चालक ऊंचापुल से मुखानी चौराहे की ओर जा रहा था। जब वह पीलीकोठी चौराहे के पास पहुंचा, उसने पहले एक महिला सुनीता पंत पीलीकोठी निवासी को टक्कर मारी। महिला जोरदार टक्कर से दूर जाकर गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद आरोपी चालक ने अपनी रफ्तार नहीं घटाई और राजेश तिवारी ऊंचापुल निवासी को भी अपनी चपेट में ले लिया। दोनों घायलों को लोगों द्वारा अस्पताल लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चालक हामिद लाइन नंबर-17 निवासी को हिरासत में लेकर शराब पीने की पुष्टि एल्कोमीटर से की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया है और उसे हिरासत में लिया और ई-रिक्शा को सीज कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में तीन लोगों की मौत

पिता के आने पर आज होगा युवक के शव का पोस्टमार्टम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते सेवानिवृत्त बीएसएफ के जवान सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सोमवार को पुलिस ने बीएसएफ व महिला के शवों का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। जबकि युवक के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार को उसके पिता के आने के बाद किया जायेगा। जानकारी के अनुसार मूलरूप से शातिपुरी नंबर-4 निवासी गंगा सिंह मेहता 48 वर्षीय पुत्र दीवान सिंह बीएसएफ से सेवा. निवृत्त हैं और गायत्रीनगर शिवालिक विहार शीशमहल में पत्नी व दो बच्चों के साथ रहते थे। बताया जा रहा कि सोमवार की सुबह गंगा अचानक घर में बेहोश हो गए। आनन फानन में उसे बेस अस्पताल लाया गया। जहां पर

मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी काठगोदाम ब्यूराखाम निवासी हैप्पी कोहली 29 वर्षीय पुत्र नंद प्रकाश जयपुर स्थित एक कंपनी में काम करता था। परि. जनों के अनुसार हैप्पी सोमवार को छुट्टी लेकर जयपुर से घर लौटा था। घर पहुंचने के कुछ देर बाद ही उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे एसटीएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक हैप्पी के पिता नंद प्रकाश बीएसएफ में हैं और बंगाल में उनकी पोस्टिंग है। जिस वजह से आज सोमवार हैप्पी का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। कल यानि आज मंगलवार को उसके पिता के आने के बाद उसका पोस्टमार्टम कराया जायेगा। वहीं तीसरे मामले मूलरूप से रामपुर उत्तर प्रदेश के रहने वाले देवेंद्र मौर्या अपनी 29 वर्षीय पत्नी विनीता व ढाई माह के बेटे के साथ भगवानपुर मुखानी में रहते हैं। वह एक नाइट क्लब में सुरक्षा गार्ड हैं। कुछ वर्ष पूर्व ही दोनों की शादी हुई थी। विनीता की रविवार को अचानक हालत बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। सोमवार को पुलिस ने बीएसएफ जवान व महिला के शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हिमालय स्वराज सेवा ट्रस्ट द्वारा हिम्मतपुर तल्ला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का सोमवार को यज्ञ, पूर्णाहुति और भंडारे के साथ समापन हुआ। जिसके बाद व्यास योगेंद्र जोशी शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा का माहात्म्य उपस्थित जनसमूह को सुनाया। इस अवसर पर जजमान पुष्पा दत्त

भट्ट, हंसी देवी भट्ट, केदार सिंह भंडारी, देवकी भंडारी, सुभाष चंद्र शर्मा, नीमा शर्मा, प्रांजल शर्मा, मोहन चंद्र पांडे, सुनीता देवी, धीरज और जीवन बैठे द्वारा पूजन कार्य संपन्न कराया गया। पूजन कार्य में पंडित संतोष जोशी, मनोज जोशी और राकेश पांडे भी शामिल हुए। हिमालय स्वराज सेवा ट्रस्ट की कार्यकारी अध्यक्ष ममता रूवाली ने हिम्मतपुर तल्ला के सभी भगवतप्रेमियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान हेम पंत, कल्याण बोरा, प्रकाश जोशी, पारस बिष्ट, पारस रूवाली, भरत गुणवंत, तन्मय गुणवंत, हर्ष बर्द्धन पांडे मौजूद रहे।

आईजी ने 'भस्म' करवाए जब्त मादक पदार्थ

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी: रिद्धिम अग्रवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमायूँ परिक्षेत्र में मादक पदार्थों के विरुद्ध अब तक की सबसे बड़ी और व्यापक कार्यवाही को अंजाम देते हुए पुलिस महानि. रीक्षक रिद्धिम अग्रवाल के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की गई है। इस अभियान के अंतर्गत कुल 324 अभियोगों से जब्त किए गए 914.91 किलोग्राम मादक पदार्थों का निस्तारण ग्लोबल इनवायरमेंटल साल्यूशन के लम्बाखेड़ा स्थित दहन केंद्र में किया गया। इस वर्ष अब तक मादक पदार्थों के निस्तारण की मात्रा में ऐतिहासिक वृद्धि देखी गई है। 2025 में 914.91 किलोग्राम मादक पदार्थों का निस्तारण हुआ है, जो

अब तक की सबसे बड़ी मात्रा है। यदि पिछले वर्षों से तुलना की जाए, तो यह आंकड़ा कई गुना अधिक है। वर्ष 2022 में 53 अभियोगों में 292 किलोग्राम, वर्ष 2023 में 134 अभियोगों में 719 किलोग्राम, वर्ष 2024 में 77 अभियोगों में 57.699 किलोग्राम और वर्ष 2025 324 अभियोगों में 914.91 किलोग्राम (अब तक का सर्वाधिक) नशे की सामग्री बरामद हुई है। इस विशेष अभियान के तहत केवल वर्तमान वर्ष के अभियोगों का ही निस्तारण नहीं हुआ, बल्कि पुराने मामलों में भी जब्त किए गए मादक पदार्थों का निस्तारण किया गया जिसमें वर्ष 1985, 1995 और 1998 के पुराने अभियोगों से जुड़े मादक पदार्थों का भी वैज्ञानिक और विधिसम्मत निस्तारण किया गया। इससे यह भी साबित हुआ कि पुलिस की न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गंभीरता और संवेदनशीलता कितनी मजबूत है। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने इस अभियान की सफलता में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सभी जनपदों के थाना स्तर तक संपर्क स्थापित किया और यह सुनिश्चित किया कि मादक पदार्थों का निस्तारण जल्द, पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से हो। उनकी निरंतर निगरानी और फॉलोअप से न केवल पुलिस मालखानों पर भार कम हुआ, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में भी तेजी आई। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मादक पदार्थों का निस्तारण केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज के प्रति पुलिस की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरणीय चेतना और जनहित के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कहा, यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और मादक पदार्थों के खिलाफ संघर्ष में कोई भी कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

हाउस टैक्स में राहत की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुखानी कुसुमखेड़ा के व्यापारियों ने प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेशाध्यक्ष एवं दर्जा राज्यमंत्री नवीन वर्मा से मुलाक. ात कर एक ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने श्री वर्मा से निवेदन किया कि नगर निगम के नये जुड़े वार्डों में 2028 के बाद ही नगर निगम टैक्स लिया जाए, जैसा कि सरकार ने पहले वादा किया था। ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि श्री वर्मा व्यापारियों की पीड़ा को अच्छी तरह से समझते हैं और उनके हितों की रक्षा करना उनके लिए महत्वपूर्ण है। इस मुद्दे पर तत्काल

ध्यान देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से किए गए वादे के मुताबिक, व्यापारियों को राहत मिलनी चाहिए। प्रदेशाध्यक्ष नवीन वर्मा ने व्यापारियों को आश्वा. सन दिया कि वह इस मामले को जिलाधिक. ारी और मुख्यमंत्री से जल्द ही समाधान करवाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा और उनके हितों की रक्षा की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता, जिला महामंत्री हर्षवर्द्धन पांडे, हरीश कपिल, भास्कर त्रिपाठी, हरीश मठपाल, दीपक वर्मा, दीपक गुर्रानी, नंदावल्लभ शर्मा, नंदन कांडपाल मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक आनन्द वत्रा 'सुमन'

☎05946-250286

मुख्यालय: मोबाइल-9720007290

R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नशे में मदहोश बाप बेटे के लिए बना जल्लाद

- मासूम को क्रूरता से सड़क पर पटका
- मासूम की चीख सुनकर दौड़कर मासूम को छुड़ाया

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। नशे में धुत एक बाप मासूम बेटे के लिए जल्लाद बन गया। नशे में अपने ही सगे मासूम बच्चे को दोनों हाथों से उठाकर सड़क में पटक दिया। बच्चे की चीख सुन आसपास के लोग मौके पर दौड़े।

उन्होंने दोबारा सड़क में बच्चे को पटकने का प्रयास कर रहे पिता से मासूम को जबरन छुड़ा लिया। पिता के इस मानवीय कृत्य को देख हर किसी का दिल दहल गया। सूचना पर पहुंचे उप निरीक्षक कैलाश सिंह देव ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। इसके बाद आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया।

बताया जा रहा है कि रविवार की देर शाम शहर के तिरंगा चौराहे के समीप दिल दहलाने वाली घटना का वीडियो वायरल हुआ। एक युवक गोद में लिए हुए करीब दो साल के मासूम बच्चे को क्रूरता से सड़क में पटकते हुए कैद हुआ है। मासूम की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर भागे। उन्होंने दोबारा बच्चे को सड़क में पटक रहे आरोपी को पकड़ लिया और बच्चे को जबरन उसके चंगुल से छीन लिया।

इस दौरान किसी ने पुलिस को फोन कर दिया। तत्काल सूचना पर पहुंचे उप निरीक्षक कैलाश सिंह देव ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया। आरोपी अत्यधिक नशे में था। पुलिस ने सरकारी अस्पताल में आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया। जिसमें चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुलदीप सिंह ने बताया कि आरोपी के नशे में होने की पुष्टि हुई है। बताया जाता है कि आरोपी जिस मासूम बच्चे को जान से करने के इरादे से पटक रहा था।

वह उसका बच्चा था और जो आरोपी के विवाह के कई साल बाद पैदा हुआ था। हालांकि आरोपी की क्रूरता के खिलाफ परिजनों ने पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है।

हादसे में बादक सवार घायल मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कोतवाली पुलिस ने बाइक सवार एक व्यक्ति को टक्कर मारकर घायल करने के मामले में अज्ञात बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नगमा मलिक पत्नी इसरार निवासी गुलरघट्टी रामनगर द्वारा पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते 31 मई को उसके भाई नाजिम अली काम करके अपनी बाइक से घर वापस जा रहे थे।

इसी दौरान बस के चालक द्वारा हिम्मतपुर चौराहा पर टक्कर मारकर घायल कर दिया।घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया।कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि अज्ञात बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

निवर्तमान जिपं अध्यक्ष रेनू गंगवार के नामांकन पर दर्ज हुई आपत्ति

- नामांकन पत्र में तथ्यों को छुपाने का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत वार्ड संख्या 17 (भंगा) से नामांकन करने वाली निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार के नामाकंन पर वार्ड से ही सदस्य प्रत्याशी द्वारा आपत्ति लगाई गई है। उन्होने निर्वाचन अधिकारी को एक आपत्ति पत्र सौंपते हुए रेनू गंगवार पर नामांकन के दौरान तथ्यों को जानबूझकर छुपाने, गलत शपथपत्र प्रस्तुत करने और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने के बावजूद स्वयं व अपने परिवार को निर्दोष दर्शाने का आरोप लगाया है।

वार्ड से ही सदस्य प्रत्याशी शिवांगी गंगवार ने निर्वाचन अधिकारी को एक आपत्ति पत्र सौंपते हुए आपत्ति पत्र में कहा गया है कि रेनू गंगवार ने पंचायत राज संशोधन अधिनियम एवं शासनादेश की स्पष्ट जानकारी होने के बावजूद निर्वाचन आयोग को गुमराह करते हुए नामांकन पत्र में यह तथ्य छुपाया कि उनके पति सुरेश गंगवार और ससुर ईश्वरी प्रसाद गंगवार राजस्व ग्राम बरा के खसरा नंबर 921, 922, 923, 924 और 225 की बंजर सरकारी भूमि पर वर्षों से अवैध कब्जा किए हुए हैं, जिसकी पुष्टि राजस्व अभिलेखों में भी दर्ज है।

शिवांगी गंगवार द्वारा लगाए गए आरोपों में यह भी कहा गया है कि रेनू गंगवार एवं उनके परिजनों ने लोक निर्माण विभाग व पंचायत की भूमि पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे अवैध रूप से नाम चढ़वा लिया और तथाकथित रूप से उस भूमि पर अवैध स्वामित्व स्थापित कर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग से करोड़ों रुपये का मुआवजा प्राप्त कर लिया। बताया गया है कि जब उक्त भूमि से मिले मुआवजे की हिस्सेदारी को लेकर विवाद बढ़ा और मामला जिला प्रशासन की नजर में आया तो 10 मार्च 2017 को तत्कालीन अपर जिलाधिकारी ने पुलिस चौकी सिडकुल, थाना पंतनगर में मुकदमा संख्या 32/2017 दर्ज कराया था। इसमें धारा 420, 466, 467, 468, 471, 474, 120 के अंतर्गत सुरेश गंगवार, ईश्वरी गंगवार सहित अन्य लोगों को अभियुक्त बनाया गया। इस प्रकरण की जांच एसआईटी द्वारा की गई, जिसके आधार पर 19 फरवरी 2020 को सभी अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले की अगली सुनवाई 8 अगस्त 2025 को नियत है।

शिवांगी गंगवार ने चुनाव आयोग से मांग की है कि ऐसे व्यक्ति, जिनके परिवार पर गंभीर आरोपों के साथ न्यायिक प्रक्रिया चल रही हो, उन्हें चुनावी मैदान में उतरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि रेनू गंगवार के नामांकन की जांच की जाए और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाए।

इंदिरा चौक का नाम बदला, तो होगा आंदोलन

- नगर निगम कार्यालय में कांग्रेसियों ने दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बीते दिवस मेयर विकास शर्मा ने इंदिरा चौक पर भूमि पूजन किया था और घोषणा की थी कि इस चौक पर भगवान शिव के प्रतीक त्रिशूल को स्थापित किया जाएगा और इसका नाम त्रिशूल चौक रखा जाएगा।

इसके विरोध में आज सोमवार को कांग्रेसी नगर निगम कार्यालय पहुंचे और धरना देकर बैठ गए। उन्होंने नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल को ज्ञापन सौंपा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मोहन खेड़ा ने कहा कि नैनीताल दिल्ली रोड स्थित मुख्य चौराहे का नाम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर इंदिरा चौराहा रखा गया था। जहां उनकी प्रतिमा भी स्थापित की गई थी। कुछ समय पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के नाम पर उनकी प्रतिमा को यहां से हटकर गांधी पार्क में स्थापित कर दिया गया था, लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी इस चौराहे पर त्रिशूल लगाना चाह रही है और इस चौक का नाम त्रिशूल चौक करना चाहती है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग एक की जगह दस त्रिशूल स्थापित करें उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन इस चौक का नाम इंदिरा चौक बदला नहीं जाना चाहिए, अन्यथा कांग्रेसी आंदोलन करेंगे। पूर्व सांसद प्रतिनिधि साजिद खान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहीं और देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं, ऐसे में भाजपा यदि इस चौक का नाम बदलती है तो यह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महिलाओं का अपमान होगा। कांग्रेसियों ने धरना देने के बाद नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। धरना देने वालों में हरीश बावरा, प्रदीप यादव, परवेज खान, सुनील जडवानी, अजीज खान ,नदीम खान, गुरतेज सिंह, महबूब ,हसमत, वसीम आदि मौजूद थे।

59 ग्राम प्रधन की सीटों के लिए 319 नामांकन

- 40 बीडीसी सीटों के लिए 206 नामांकन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नामांकन पत्रों को जमा करने के अंतिम दिन बड़ी संख्या में प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र जमा किये। इस दौरान ब्लाक परिसर पर दिनभर गहमा-गहमी का माहौल बना रहा।

चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे विभिन्न सीटों के प्रत्याशी एकख्र दूसरे को पीछे छोड़ने के लिए शक्ति का प्रदर्शन कर माहौल को अपने पक्ष में करने का भी प्रयास कर रहे थे। नामांकन पत्र जमा करने के अंतिम दिन ग्राम सभा सदस्य के 335 , ग्राम पंचायत अध्यक्ष के 47 तथा क्षेत्र समिति के लिए 55 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र जमा किए। इधर खंड विकास अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह कन्याल ने बताया कि ग्राम सभा सदस्य की 633 सीटों के लिए 618 व 59 ग्राम पंचायत अध्यक्ष सीट के लिए 319 तथा 40 क्षेत्र समिति सदस्य सीटों के लिए 206 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र जमा किए हैं। एडीओ पंचायत शबनम कुरेशी ने बताया कि 7 से 9 जुलाई तक नामांकन पत्रों की जांच, 10 व 11 जुलाई को नाम वापसी, 14 जुलाई को चुनाव चिन्ह आवंटित होंगे। इस बार ग्राम प्रधान, बीडीसी तथा ग्राम पंचायत सदस्य की 732 सीटों के लिए 1143 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरे हैं।

एक नजर

नौ जुलाई तक लाइसेंसी धारक जमा कराएं अपने शस्त्र

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। लाइसेंसी शस्त्र धारकों ने आगामी नौ जुलाई तक अपने शस्त्र कोतवाली तथा गन हाउस में जमा नहीं कराए तो लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई हेतु जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी जाएगी। लापरवाह शस्त्र धारक वैधानिक कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसे में पुलिस प्रशासन द्वारा लाइसेंसी शस्त्र धारकों से शस्त्र जमा कराए जाने की अपील की जा चुकी है तथा लगातार अपील की जा रही है। पुलिस प्रशासन की अपील को अनसुना करने वाले लाइसेंसी शस्त्र धारकों के शस्त्र निरस्त किए जाने की करवाई जिला प्रशासन द्वारा की जा सकती है। एसएसआई राजेन्द्र प्रसाद ने लाइसेंसी शस्त्र धारकों से अपील की है कि वैधानिक कार्रवाई से बचने के लिए हर स्थिति में नौ जुलाई तक शस्त्र जमा कर दें। जिन शस्त्र धारकों ने गन हाउस आदि में अपने शस्त्र जमा करा दिए हैं, वह गन हाउस की रशीद कोतवाली कार्यालय में अवश्य दिखा दें। एसएसआई ने बताया कि लाइसेंसी शस्त्र न जमा करने वालों को 10 जुलाई से नोटिस जारी किए जाएंगे तथा लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। बाजार चौकी क्षेत्र से एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया।

सोमवार को मेलाघाट रोड पर एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया । एसआई किशोर पंत ने शव का पंचनामा भर शव को 72 घंटे के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। आसपास के लोगों ने बताया कि व्यक्ति कबाड़ा बीनता था। पुलिस ने आस पास के कोतवाली व धानों में सूचना देकर इन दिनों दर्ज गुमशुदा व्यक्तियों की जानकारी मांगी है।

पर्यावरण को बचाने के लिए चलाया पौधारोपण कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय जगतारपुर में प्रधानाचार्य पाकेश चौहान के नेतृत्व में एक प्रेरणादायी पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं को वनों के महत्व, आवश्यकता एवं दैनिक जीवन में उनकी उपयोगिता के साथ-साथ वन्य जीवों की महत्ता के विषय में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के अंत में स्थानीय ग्रामीणों, विद्यार्थियों, शिक्षकों और वन विभाग के कर्मचारियों की सहभागिता से वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सुरेश चन्द्र (शिक्षक), मयंक अग्रवाल, रमेश राय, मनोज ब्रहम, रामचन्द्र निषाद, गोविंद कुमार, विनीता राणा, किरण भट्ट , महेन्द्र सिंह, चेतराम, दीपक, हरदेव सिंह, मनदीप सिंह, राजेश कुमार, बलवीर सिंह, कुलवन्त सिंह, राजविन्दर सिंह, जोगेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, कुलविन्दर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

होली चाइल्ड स्कूल में छात्रों के लिए टॉय ट्रेन का हुआ शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। होली चाइल्ड स्कूल में एक विशेष आयोजन के तहत किंडरगार्टन वर्ग के छात्रों के लिए टॉय ट्रेन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक योगराज बत्रा, वाइस चेयरमैन विकास बत्रा, एमडी पूजा बत्रा एवं प्रधानाचार्य मिंटू दुबे ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर टॉय ट्रेन को रवाना किया।

विद्यालय प्रांगण में बच्चों के लिए यह टॉय ट्रेन न केवल एक नया आकर्षण बनी, बल्कि छोटे-छोटे छात्रों के चेहरों पर मुस्कान और उत्साह भी लेकर आई। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के लिए शिक्षण वातावरण को और अधिक आनंददायक एवं प्रेरणादायक बनाना है। इससे पहले विद्यालय प्रबंधन समिति ने किंडरगार्टन विंग को आधुनिक एवं शिक्षा प्रेरित बनाया, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सके। ऐसे ही नयी-नयी पहल से छात्रों के बौद्धिक स्तर को बढ़ाने का सतत् प्रयास किया जाता है। विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन समिति ने बताया कि टॉय ट्रेन जैसी गतिविधियाँ बच्चों के मानसिक विकास में सकारात्मक भूमिका निभाती हैं और उनके लिए स्कूल को एक आनंददायक स्थान बनाती हैं। कार्यक्रम में शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चोरी की तीन बाइकों के साथ तीन आरोपी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। पुलिस ने चोरी की तीन बाइकों के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

कुछ समय से खटीमा में बाइक चोरी की घटनाएं हो रही थीं। जिसका पता लगाने के लिए कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी ने एक टीम गठित की थी। रविवार को पुलिस ने तीनो आरोपियों को यूपी सीमा से गिरफ्तार किया। कोतवाल दसौनी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में सत्यपाल निवासी गांगी गिधौर, प्रकाश निवासी बाईस पुल, अजय निवासी सिसईया को यूपी सीमा से लगे हल्दी अंडर पास से गिरफ्तार किया गया। यहीं से इनके पास से दो बाइक व एक स्कूटी बरामद की गई है।

थाना झनकईया उ.सि.न. से चोरी हुई दो मोटर साइकिल व एक स्कूटी को ग्राम हल्दी को जाने वाले अन्डर पास से बरामद किया गया है। तीनों आरोपियों में सत्यपाल उर्फ सत्ता निवासी ग्राम गागी गिधौर का आपराधिक इतिहास है। आरोपी के खिला सितारगंज थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं।

आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी, एसएसआई ललित मोहन रावत, ललित बिष्ट, पंकज सिंह महर, भूपेंद्र सिंह, कांस्टेबल इसाक अहमद, ललित कन्याल, त्रिभुवन पलड़िया आदि थे।

अमित शाह के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीएम ने किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। गृह मंत्री अमित शाह के आगामी 19 जुलाई के सम्भावित जनपद भ्रमण को लेकर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने अधिकारियों के साथ स्पोर्ट स्टेडियम रुद्रपुर का स्थलीय निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि गृह मंत्री श्री शाह का 19 जुलाई को सम्भावित भ्रमण को लेकर मनोज सरकार स्पोर्टस स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम हेतु स्पोर्टस स्टेडियम में व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कार्यक्रम में औद्योगिक संस्थाओं द्वारा एग्जीबिशन (प्रदर्शनी) लगाई जाएगी तथा उद्योगपति भी प्रतिभाग करेंगे, जिस हेतु उद्योग निदेशालय व उद्यमियों के साथ वार्ता की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक डा. उत्तम सिंह नेगी, नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ओसी गौरव पाण्डेय, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार, सहायक अभियंता लोनिवि प्रेम प्रकाश आदि मौजूद थे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मारने की कोशिश

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। ग्राम अरविंद नगर निवासी रतन मिस्त्री ने न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट सितारगंज में एक प्रार्थना पत्र दाखिल कर अपनी पुत्री रोशनी को ससुराल पक्ष द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़ित के अनुसार रोशनी की शादी तीन जनवरी 2023 को सूरज विश्वास से प्रेम विवाह के रूप में हुई थी, लेकिन विवाह के कुछ समय बाद ही पति सूरज, सास सीमा विश्वास और ससुर भरत विश्वास ने दहेज में मोटरसाइकिल और दो लाख रुपये की मांग करते हुए उसकी बेटी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। रोशनी ने 19 सितंबर 2023 को एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन इसके बावजूद ससुरालवालों की लालच की आग नहीं बुझी। 22 अगस्त 2024 की सुबह करीब 6 बजे दहेज न मिलने पर तीनों आरोपियों ने रोशनी की बुरी तरह पिटाई कर रस्सी से गले में फंदा डालकर उसे मारने का प्रयास किया। पड़ोसी महिला रीना सरदार से सूचना मिलने पर रतन मिस्त्री अन्य ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और रोशनी को फंदे से उतार कर जान बचाई। घायल रोशनी को सरकारी अस्पताल और प्रयास अस्पताल सितारगंज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। रतन मिस्त्री ने पुलिस चौकी शक्तिफार्म और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रुद्रपुर को लिखित तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर मजबूर होकर न्यायालय की शरण ली और अभियुक्तों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

स्कूल संचालिका ने आरटीआई कार्यकर्ता को दी झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। अवैध स्कूल संचालिका एवं उसके सिपेहसालारों द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता को झूठे मुकदमे में फंसवाने एवं देख लेने की धमकी दिए जाने से परेशान आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा एसएसपी से अपने व परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

नगर के आदर्श कॉलोनी बंडिया निवासी अंकित कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि वह एक सामाजिक व्यक्ति है, पूर्व में विधि का छात्र रह चुका है। वह कई बार लोक हित में आरटीआई अधिनियम का उपयोग कर प्राप्त सूचना की एवं प्राप्त सूचना का सही उपयोग करता है। आरटीआई कार्यकर्ता के पड़ोस में एक स्कूल खुला है जिसका नाम माई छोटा स्कूल है उसे शिक्षा विभाग से जानकारी के अनुसार स्कूल बिना किसी मान्यता के चल रहा है, जिसमें शिक्षा विभाग के द्वारा उपरोक्त स्कूल में अवैध रूप से स्कूल चलाने के संबंध में नोटिस भी जारी किए गए हैं। आरटीआई कार्यकर्ता को यह जानकारी सी एम पोर्टल उत्तराखंड की शिकायत में प्राप्त हुई है। जिसमें अवैध स्कूल संचालिका की ओर से उस पर पर सीएम पोर्टल की शिकायत एवं आरटीआई सूचना को वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है, कई लोगों से फोन कराए जाते है, कई लोग मिलने और बैठने की बात कर रहे हैं जो सरासर गलत है। मुझे माई छोटा स्कूल की संचालिका की ओर से खतरा है, इनके द्वारा कई लोगों से कहा गया है कि सभी शिकायत बंद नहीं की तो किसी न किसी झूठे मामले में फंसा दूंगी, मुझे अपनी और अपने परिवार की चिंता है। आरटीआई कार्यकर्ता अंकित कुमार ने कहा है कि कांता प्रसाद गंगवार नामक व्यक्ति ने भी फोन करके कहा कि शिकायतें वापस ले लो सरकारी तंत्र को में देख लूंगा। स्कूल की संचालिका इन्हीं के संगठन की अभी कुछ दिन पूर्व किच्छा नगर अध्यक्ष बनाई गई है। अंकित कुमार ने एसपी से अपने आप अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

एडीएम ने पंचायत चुनाव की समीक्षा की

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के सफल संचालन के मद्देनजर आवश्यक तैयारी के सम्बन्ध में ग्राम सभाओं में मतदान केंद्रों की आवश्यक व्यवस्थाओं व मतदान पार्टियों को मतदान केन्द्र तक पंहुचने एवं शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराए जाने सहित निर्वाचन सम्बंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने तहसील सभागार रामनगर में उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, तहसीलदार मनीषा मारकाना सहित चुनाव से जुड़े राजस्व कार्मिकों के साथ बैठक कर निर्वाचन तैयारी के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने तहसील रामनगर अंतर्गत आपदा की दृष्टि से संवेदनशील सभी मतदान केंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने चुकम, क्यारी,टेढ़ा, पाटकोट व अन्य गावों की जानकारी ली, उन्होंने कहा कि आपदा की दृष्टि से सभी संवेदनशील बूथों में पोलिंग पार्टियां समय से पहुंचे इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्था पूर्व से सुनिश्चित करते हुए जिन नदी, नाले, गधेरों में बरसात में पानी बढ़ोतरी की संभावना हो और लोगों को उनसे गुजरना हैं ऐसे स्थानों में जेसीबी मशीन या अन्य व्यवस्था पहले से तैयार रखी जाएं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद किच्छा (उधमसिंह नगर)

गृहकर नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस निकाय के वार्ड सं.- 17, किच्छा के पंचवर्षीय गृहकर वर्ष 2016-21 के क्रमांक (31) में स्थित भवन पर पूर्व में श्री नसीम पुत्र श्री मल्लू के नाम गृहकर दर्ज अभिलेख है, जिसकी चौहदी पूरब में- नाली, पश्चिम में भूरा का मकान, उत्तर में- सीताराम का मकान, एवं दक्षिण में रास्ता स्थित है। भवन स्वामी श्री नसीम द्वारा नोटरी शपथ पत्र व आवेदकगणों का संयुक्त नोटरी शपथ पत्र के फलस्वरुप उक्त भवन का गृहकर संयुक्त रुप से अपने नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने बावत भवनस्वामी व आवेदकगणों का नोटरी शपथ पत्र दि. 27.06.2025, भवनस्वामी व आवेदकगणों के आधारकार्ड की छायाप्रतियां क्रमशः (सं.- 849105781251, 4716 9041 1041, 5452 8191 7823), गृहकर रसीद की छायाप्रति, प्रार्थना पत्र दि. 27.06.2025 के द्वारा इस निकाय में दाखिल किया गया है, के आधार पर उक्त भवन का गृहकर नामान्तरण / संसोधन दर्ज करने बावत 30 दिन के भीतर आपत्ति प्राप्त करने के उददेश्य से विज्ञप्ति सूचना प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों से, श्री नसीम पुत्र श्री मल्लू के नाम के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 से श्रीमती रजिया पत्नी श्री नसीम अहमद व शन्नो पुत्री श्री नसीम अहमद के नाम संयुक्त रुप से नामान्तरण / संसोधन दर्ज किये जाने के सम्बन्ध में भविष्य में किसी प्रकार का कोई छल कपट अथवा मिथ्या वर्णन पाये जाने, वाद विवाद होने पर आवेदक का पूर्ण उत्तरदायित्व होगा, तथा माननीय सक्षम न्यायालय द्वारा पारित आदेश मान्य होगा ।

अधिशासी अधिकारी

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी उपरोक्त फर्म M/s AIMAN POLYMERS, KHATIMA ROAD, NEAR CHC, SITARGANJ, UDHAM SINGH NAGAR जो कि कार्यालय उपनिबन्धक महोदय, फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्सए जनपद-उधमसिंह नगर की पत्रवली संख्या- USN/1212 Dt. 16/09/2016 के द्वारा पंजीकृत है, हमारी उक्त फर्म से दिनांक- 03.07.2025 को Suplementary Deed/ Reconstituted Deed of Partnership के द्वारा पूर्व के तीन साझीदार Mr. Mou Hanif (Adhar No. 8551-5087-9631) Son of Sh. Abdul Rahim Resident of Word No.-2, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar & Mr. Mouhammad Umar (Adhar No. 5756-9340-9301) Son of Sh. Abdul Rahim Resident of Word No.-2, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar & Md. Nahid (Adhar No. 2568-9336-3614) Son of Mo. Umar Resident of Ward No.-5, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar ने फर्म से अपने सभी लेन देन समाप्त कर अपनी साझादारी खत्म कर ली है, तथा दिनांक- 03.07.2025 से Suplementary Deed/ Reconstituted Deed of Partnership के द्वारा एक नया साझीदार 1. Mrs Farha (Adhar No. 2030-6858-7558) Wife of Mr. Mohammad Arif Resident Word No.-2, Near Jama Masjid Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar को नियुक्त हो गये हैं तथा अब फर्म में कुल 2 साझीदार हो गये हैं, जो कि 1 Mohd Arif , 2 Mrs Farha है।

(मौ. आरिफ पुत्र मौ. हनीफ)
निवासी- वार्ड नं.-03, सितारगंज
जिला उधमसिंह नगर
मो.- 8938033299

डीएम के कड़े तेवर एवं क्विक एक्शन

- तीन गुना अधिक लोग आए जनमिलन कार्यक्रम में
- अधिकांश ऐसे लोगों की समस्याओं का मौके में किया गया समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार के आक्रामक एवं जन समस्याओं के त्वरित समाधान के साथ क्विक एक्शन की कार्य संस्कृति से लोग जिला प्रशासन के नजदीक आते जा रहे हैं। आज दूसरे सोमवार को आयोजित जन मिलन कार्यक्रम में तीन गुना अधिक लोग अपनी समस्याएं लेकर आए हुए थे, जिसमें अधिकांश ऐसी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया, जिसके लिए वे दफ्तरों के चक्कर काटते काटते थक चुके थे।

जिलाधिकारी के क्विक एक्शन की कार्य संस्कृति की चपेट में आए कई अधिकारियों को आड़े हाथों लिया गया, जबकि पीएमजीएसवाई चंपावत के ईई के विरुद्ध वेतन रोकने तथा विभागीय सचिव को भी लिखा गया। इस विभाग के कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी जिलाधिकारी काफी नाराज थे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों की संख्या शून्य करने के लिए अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं का तेजी के साथ समाधान करेंगे तो लोगों को आगे शिकायत करने का मौका ही नहीं मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से यह भी स्पष्ट किया कि मॉडल जिले में रहते हुए तो उन्हें कार्यों को लटकाने व लोगों को टरकाने की प्रवृत्ति छोड़नी ही पड़ेगी। सीएम की घोषणाओं को कार्य रूप देने के लिए अधिकारी पूरी तरह उत्तरदाई होंगे। 15 जुलाई तक जल निगम, लोहाघाट सरयू पेयजल योजना की डीपीआर प्रस्तुत कर देगा, लोहाघाट में फोर्टी एवं चंपावत में सिमल्टा को मॉडल गांव के रूप में विक. सित किया जाएगा, हरेला पर्व में सभी विभागों द्वारा 46हजार जड़ी बूटी के पौध लगाए जाएंगे, जबकि वन एवं फलदार पौधों का अलग से रोपण किया जाएगा। अब बेल वाली सब्जियां, खीरे आदि के लिए पेड़ों को होने वाले नुकसान को देखते हुए किसानों को लोहे की जालियां एंगल आदि उपलब्ध किए जाएंगे। पूरे जिले में मौन पालन कार्यक्रम को कुटीर उद्योग के रूप में विकसित करने के लिए उद्यान विभाग कार्ययोजना तैयार करेगा।

जिलाधिकारी ने पूर्वजों की विरासत घराट को पर्यटन की दृष्टि से पुनर्जीवित कर रिखोली, पारस, जागो, बसान आदि गांव में भांग की खेती करने वालों के विरुद्ध तत्काल पुलिस कार्रवाई करने के साथ वहां जीआईएस मैपिंग के भी निर्देश दिए। जनता दरबार की सर्वाधिक विशेषता यह रही कि लोगों की हर समस्या को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुनकर उनका ऐसा निराकरण किया कि सभी फरियादी खुश होकर यह कहते हुए गए की ऐसा जिलाधिकारी तो हमने आज तक नहीं देखा। जनता दरबार में सीडीओ डा. जीएस खाती, एडीएम जयवर्धन शर्मा, सीएमओ डा. देवेश चौहान सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौड़ाकोट की अनाथ बच्ची के लिए वरदान साबित हुआ यह जन मिलन कार्यक्रम

चंपावत। अपने ऊपर माता-पिता का साया खो चुकी, चौड़ाकोट की जीवंती मौनी के लिए यह जन मिलन कार्यक्रम वरदान साबित हुआ। जीवन से निराश एवं हताश जीवंती को उस समय आश्चर्य जनक रूप से खुशी हुई, जब जिलाधिकारी ने कहा कि दोनों अनाथ बहनों को पेंशन देने के साथ उनके पिता द्वारा लिए गए किसान ऋण की 80 हजार रुपये की धनराशि को भी माफ करने का आश्वासन दिया।

टांडा जंगल में मिला युवक का शव

- गला दबाकर हत्या की आशंका, पुलिस मौके पर पहुंची
- शिनाख्त के लिए शव मोर्चरी भेजा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पंतनगर थाना क्षेत्र के टांडा जंगल में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक की गर्दन पर गला दबाने के निशान हैं। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में युवक की हत्या की आशंका जताई है।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की उम्र लगभग 26 से 27 वर्ष के बीच होगी। शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रुद्रपुर मोर्चरी भेज दिया है। युवक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

संजय वन और रेंजर चौकी के बीच सड़क से करीब 10 मीटर भीतर शव मिला है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को बीट वॉचर ने पंतनगर पुलिस को सुबह सूचना दी कि संजय वन से करीब दो किलोमीटर आगे हाईवे से 10 मीटर अंदर एक गड्ढे में युवक का शव पड़ा है।

सूचना पर थानाध्यक्ष पंतनगर सुन्दरम शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में पुलिस को युवक के शव के पास एक बैग मिला। बैग से कुछ सिक्के, एक हजार रुपये नगद और मोजे बरामद हुए हैं। युवक स्पोर्ट्स शूज पहने था। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवक की गला दबाकर हत्या की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असल कारण की पुष्टि हो सकेगी।

पंतनगर थानाध्यक्ष सुंदरम शर्मा ने बताया कि मामले में मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। परिजनों के सामने आने पर उनकी ओर से हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। वहीं युवक की शिनाख्त न होने पर पुलिस अपने स्तर से मुकदमा दर्ज करेगी।

शराब पीकर बाइक चलाते बाइकर्स को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रीठासाहिब। पुलिस द्वारा त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव को लेकर बरती गई विशेष सतर्कता के तहत थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट द्वारा चेकिंग के दौरान आज देवीधुरा निवासी एक व्यक्ति को तीन सवारी के साथ शराब पीकर अपने नं.04 आर 4205 चलाने के आरोप में पुलिस द्वारा बाइक को जप्त करने के साथ चालक के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही बाइकर्स के डीएल लाइसेंस को भी निरस्त करने की संस्तुति की गई है। इधर थाना अध्यक्ष द्वारा त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव में अशांति फैलाने एवं अवैध शराब के आदान-प्रदान पर अपनी अन्य पैनी निगाह रखी गई है। साथ ही थानाध्यक्ष ने लोगों को चेतावनी दी है कि यह किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने का प्रयास न करें।

एक नजर

ममता बजाज व हरनीत कौर ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी अमिता विश्वास को दिया समर्थन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पंचायत चुनाव की उठा पटक में रूठने मनाने का दौर हुआ शुरू, तो वहीं खानपुर पूर्व सीट पर भाजपा प्रत्याशी अमिता विश्वास के सामने बागी होकर दो बार के जिला पंचायत सदस्य ममता बजाज पत्नी राजेश बजाज जो बागी होकर पर्चा भरा था, तो वहीं विधायक शिव अरोरा ने अपनी चाणक्य नीति से मंडल अध्यक्ष जगदीश विश्वास की पत्नी अमिता विश्वास की राह आसान करते हुए राजेश बजाज को मनाने कामयाबी हासिल की। जिसके चलते महेशपुर गांव राजेश बजाज आवास के पास एक बड़ी बैठक हुई, जिसमे नैनीताल लोकसभा सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा स्वयं पहुंचे, तो वहीं सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा की मौजूदी में ममता बजाज ने भाजपा के प्रति अपनी निष्ठा को दिखाते अधिकृत प्रत्याशी अमिता विश्वास को अपना समर्थन देने का ऐलान किया व उनके पक्ष में पर्चा वापसी लेने की बात कही। सांसद अजय भट्ट ने राजेश बजाज को माला पहनाकर उनकी निष्ठा के लिए शुभकामनाएं दी। कहा भाजपा के कार्यकर्ता की यही पहचान है कि वह अपनी विचारधारा के विपरीत कार्य नहीं करता निश्चित रूप से अमिता विश्वास को राजेश बजाज के समर्थन से काफी मजबूती मिलेगी। इस खानपुर सीट को भाजपा अवश्य जीतेगी व दूसरे प्रत्याशी गुरबाज सिंह ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी को अपना समर्थन देने का ऐलान किया। निश्चित रूप से यह भाजपा की सरकार के प्रति उनकी निष्ठा है, इससे अमिता विश्वास को मजबूती मिलेगी। इस दौरान सरदार सिंह चावला, जगदीश विश्वास, मनमोहन वाधवा, अवतार सिंह चावला, हरपाल चावला, गुरनाम कालड़ा, विपिन जल्होत्रा, अंकित बठला, विनोद बत्रा, सरिता चौधरी अन्य समर्थक मौजूद रहे।

सीमा आर्य बनी च्युरानी की निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख पद की प्रबल दावेदार

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। जिले में पंचायत चुनाव का रंग चढ़ने जा रहा है। प्रत्याशी मतदाताओं को रिझाने में जी जान से जुट गए हैं, तो वहीं जिले के बाराकोट ब्लॉक की क्षेत्र पंचायत च्युरानी की जनता ने सटीक निर्णय लेते हुए क्षेत्र से सीमा आर्य को निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य चुना है।

सीमा आर्य को इस बार बाराकोट ब्लॉक से प्रमुख पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सीमा आर्य ग्रहणी होने के साथ-साथ सीएससी सेंटर में अपने पति का हाथ बटाती है। क्षेत्र वासियों ने निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य चुने जाने पर सीमा आर्य को बधाइयां दी हैं, तो वहीं सीमा आर्य के द्वारा भी क्षेत्र की देव तुल्य जनता व शुभचिंतकों को अपना आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद दिया।

कहा क्षेत्र वासियों ने उन पर जो विश्वास जताया है वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी। बाराकोट की जनता उन्हें ब्लॉक प्रमुख के तौर पर देख रही है।

मालूम हो इस बार आरक्षित सीट आने से बाराकोट में बड़े-बड़े दिग्गजों के सपने चकनाचूर हो गए हैं।

अब अधिकारियों को देना होगा अपना टूर प्रोग्राम

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। मॉडल जिले में 'फास्ट स्पीड' से कार्य करने के लिए जिला स्तरीय एवं अन्य अधिकारियों को अब अपना टूर प्रोग्राम जिलाधिकारी को देना होगा।

इसी के साथ उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर यह बताना होगा कि उन्होंने वहां जाकर जनता की कौन सी समस्या का समाधान किया? जिले के अब प्रत्येक विभाग को अपने पांच अच्छे कार्यों की सूची देनी होगी। किसी भी कार्यालय में लोगों की फाइलें लटकाने के बजाय उसमें 'क्विक एक्शन' लेना होगा जिससे एक ही समस्या को लेकर वह व्यक्ति जिला मुख्यालय में दुबारा ना आ सके।

जिलाधिकारी का कहना है कि मॉडल जिले का मतलब सरकारी धन खपाना नहीं बल्कि हमारे द्वारा ऐसे कार्य किए जाने हैं जिनका अनुसरण अन्य हिमालयी राज्यों के लोग कर सकें। चंपावत को मॉडल जिला बनाने के लिए साधन व संसाधनों की कोई कमी नहीं है। जरूरत है अधिकारी विकास के नए आइडिया एवं सोच से ऐसा कार्य करें जो उनके कार्यकाल की ऐसी पहचान बन सके जिसे लोग भी याद कर सकें।

जिलाधिकारी की लगातार 12 घंटे कार्य करने की संस्कृति का ऐसा तात्कालिक असर दिखाई दिया कि शुक्रवार के अपराह्न से गायब होने वाले एवं सोमवार को फुर्सत से आने वाले अधिकारियों ने अपना टाइम टेबल ही ऐसा बदल दिया है कि अब आज का काम कल के लिए नहीं छोड़ रहे हैं तथा उनसे मिलने आए लोगों को वे इतना संतुष्ट कर रहे हैं कि वह उस समस्या को लेकर डीएम के सामने ना जा सकें।

डीएम ने हर कार्यक्रम में राज्य में टॉप आने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए अधिकारियों को आगाह करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि यदि वह मन से किसी कार्य को करने का प्रयास करेंगे तो सफलता उनके चरणों को चूमने आएगी।

गांव के विकास की कमान संभालेंगी तरन्नुम खान

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पंचायत चुनाव अब पूरी तरह सियासी संग्राम बन चुका है और शंकरपुर भूल आदर्शनगर की रणभूमि में एक नाम ने हलचल मचा दी है तरन्नुम खान, वो ना सिर्फ एक उम्मीदवार हैं, बल्कि उस वीर सैनिक की पत्नी हैं जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए पैरों पर सात गोलियां खाई थीं। अब उसी बहादुरी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए तरन्नुम खान गांव की सेवा के लिए कमर कस चुकी हैं।

आज उन्होंने भारी समर्थकों के साथ प्रधान पद के लिए नामांकन दाखिल किया। गलियों में लगे पोस्टर और महिलाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने साफ कर दिया कि इस बार मैदान में कोई मामूली चेहरा नहीं बल्कि एक जज्बा उतरा है।

तरन्नुम खान ने मीडिया से बात करते हुए कहा जब मेरे पति ने देश के लिए सात गोलियां खाकर भी हिम्मत नहीं हारी, तो मैं भी गांव की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ूंगी। अब मैं पसीना बहाऊंगी ताकि गांव आदर्श बन सके। चुनावी पिच पर तरन्नुम की एंट्री ने विरोधी खेमें की नींद उड़ा दी है। गांव की गलियों में अब चर्चा है कि ये चुनाव सिर्फ वोटों का नहीं बल्कि हौसले और इरादों का भी इम्तिहान होगा। शंक. रपुर भूल की धरती इस बार तय करेगी क्या वो बहादुर सैनिक की पत्नी को वो मौका देगी, जिसकी सोच में सेवा और सीने में जज्बा है।

पेट दर्द के इलाज कराने गई महिला का बच्चेदानी में गांठ बताकर कर दिया ऑपरेशन

- ऑपरेशन के बाद महिला की जान पर बन आई
- पति ने डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधक पर मुकदमा दर्ज कराने को न्यायालय में दी अर्जी

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। ग्राम शहदौरा निवासी इकरार हुसैन ने न्यायालय सिविल जज/न्यायिक मजिस्ट्रेट सितारगंज में एक अर्जी दाखिल कर एसएच हॉस्पिटल गौरीखेड़ा की डॉक्टर राजीव सिंह और प्रबंधक अनिल रावत पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

इकरार हुसैन ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी किरन को 18 नवंबर 2023 को पेट दर्द की शिकायत पर इलाज के लिए उक्त हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, जहां डॉक्टर ने बच्चेदानी में गांठ बताकर ऑपरेशन किया, लेकिन ऑपरेशन के बाद महिला को पेशाब रुकने की समस्या शुरू हो गई। दोबारा दूरबीन से ऑपरेशन करने के बाद भी राहत नहीं मिली और अंततः महिला को अमर उजाला हॉस्पिटल काशीपुर रेफर किया गया। वहां डॉक्टर विभौरा अग्रवाल ने जांच में बताया कि महिला की मूत्र की कोशिकाएं कट चुकी हैं, जिससे उसकी जान पर खतरा बन गया था। इकरार ने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया, उल्टा धमकी दी गई कि दोबारा अस्पताल आने पर पिटवाया जाएगा। पीड़ित ने थाना सितारगंज, एसएसपी, सीएमओ, डीआईजी व स्वास्थ्य मंत्री तक शिकायत की, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, जिस कारण पीड़ित न्यायालय की शरण में पहुंचा और आरोपी डॉक्टर व प्रबंधक के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने की गुहार लगाई।

प्राइम डे के लिए अमेजन पूरी तरह तैयार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। अमेजन इंडिया अपने सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट ख प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए आयोजित किया जा रहा है। 12 जुलाई की मध्यरात्रि से लेकर 14 जुलाई की मध्य रात्रि तक, 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग के लिए तैयार हो जाइए, जहां मिलेगा सबसे बड़ा कलेक्शन, सबसे तेज डिलीवरी, बेमिसाल डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट। प्राइम डे में स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, अप्लायंसेज, अमेजन डिवाइसेज, फैशन, ब्यूटी, होम व किचन, फर्नीचर, किराना, रोजमर्रा की जरूरतें और बहुत कुछ शानदार छूट के साथ मिलेगा। प्राइम, डिलिवरीज और रिटर्न्स, इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स के डायरेक्टर अक्षय साही ने कहा, प्राइम डे हमारे ग्राहकों के लिए एक उत्सव है, और इस साल हम इसे अब तक से भी बड़े स्तर पर 72 घंटों की शॉपिंग, बेहतरीन बचत और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के साथ मना रहे हैं।

देवीधार देवी महोत्सव का भव्य शुभारंभ

- ढोल नगाड़ों छलिया नर्तकों के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। लोहाघाट के प्रसिद्ध देवीधार मंदिर में 26 वें देवीधार महोत्सव का आज महिलाओं के द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। देवीधार महोत्सव कमेटी अध्यक्ष जीवन सिंह मेहता के दिशा निर्देश में चल रहे देवी महोत्सव में डेसली के पंचखली से ढोल नगाड़ों, छोलियां नर्तकों, मशक बीन व तुतरी की धुन साथ कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया।

कलश यात्रा में कुमाऊंनी परिधानों में सजी धजी महिलाए माता के जयकारे लगाते हुए चल रही थी। कलश यात्रा के आगे नन्हें बच्चे भगवान शंकर, मां भगवती व मां महाकाली के रूप में चल रहे थे। कलश यात्रा हनुमान मंदिर, महाक. ली मंदिर बिल्वा व पंच बलिया मंदिर की परिक्रमा कर मां भगवती मंदिर देवीधार पहुंची, जहां कलश यात्रा ने मंदिर की परिक्रमा की। जिसके बाद मां भगवती की पूजा अर्चना के बाद महोत्सव कमेटी संरक्षक मंडल के द्वारा चार दिनी देवी महोत्सव का शुभारंभ किया गया। देवी महोत्सव कमेटी अध्यक्ष जीवन सिंह मेहता ने बताया चार दिनी महोत्सव में बच्चों की विभिन्न प्रकार की खेल, शैक्षिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा बाहर से आए कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। तथा 10 जुलाई को विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा जिसमें कली गांव, रायनगर चौड़ी व डेंसली गांव से मां भगवती व महाकाली की भव्य देवी रथ यात्राएं निकाली जाएगी। मेहता ने कहा कार्यक्रमों का आयोजन आचार संि. हता के नियमों के तहत किया जा रहा है। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। शुभारंभ अवसर पर प्रहलाद सिंह मेहता, नाथूराम राय, बलवंत सिंह देवपा, भैरव दत्त राय, प्रकाश चंद्र राय, आनंद राय, दीप जोशी, योगेश मेहता, सोनू बिष्ट, शिवराज सिंह, लोक सिंह, भैरव सिंह, प्रदीप सिंह, रमेश सिंह, चंद्रशेखर, हयाद सिंह, नरेश सिंह शहीद कई लोग मौजूद रहे।

ससुरालियों से प्रताड़ित युवक ने खाया जहर

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एक युवक ने पत्नी व ससुरालियों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए मानसिक रूप से प्रताड़ित होने के बाद युवक ने जहर का सेवन कर लिया। जिसकी जानकारी परिवार वालों को होने पर परिवार के लोग कमरे से उठा कर सरकारी अस्पताल ले गये। जहां पर ईलाज के बाद प्रार्थी की जान बच सकी, लेकिन उसके बाद भी उक्त सभी लोग विभिन्न माध्यमों से धमकियां दे रहे है। पुलिस को नामजद तहरीर सौंपकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग कर न्याय की गुहार लगाई है।

वार्ड नंबर दो कंजाबाग निवासी वसीम खान पुत्र नसीम अहमद खान ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 19 जून 2017 को शबा पुत्री स्व. मो. आरिफ निवासी वार्ड नंबर 4 इस्लामनगर के साथ प्रेम विवाह (मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार निकाह) हुआ था। विवाह उपरांत उसके के दो पुत्र हम्माद, शुभान (अरहाम) है। शादी के बाद वह पत्नी शबा की इच्छानुसार अपने ससुराल वालों के साथ लगभग चार साल रहा। उसके बाद उसकी साली कुछ समय बाद किसी युवक के साथ चली गई। ससुराल का माहौल देख कर वह ससुराल से अलग कमरा लेकर किराये पर रहने लगा। कुछ समय बाद ही उसकी पत्नी शबा के द्वारा अपनी छोटी बहन साहिबा को अपने साथ बुला कर रख लिया। जिसको उसके द्वारा मना किया गया, लेकिन उसकी पत्नी नहीं मानी। जिस पर वह चुप हो गया। लेकिन कुछ समय बाद उसकी पत्नी शबा ने नेहा से फोन पर बात करना प्रारम्भ कर दिया। जिसकी जानकारी उसको होने पर उसने अपनी पत्नी से नेहा से बात करने को मना किया। जिससे उसकी पत्नी उससे बात-बात पर लड़ाई-झगड़ा करने लगी और तानाकसी करती साथ ही उसके परिवार वालों को लेकर गलत सलत बयानबाजी करती रहती थी। जिसके बाद से उसकी पत्नी नेहा के बहक. ावे में आकर परिवार में गृह क्लेश करने लगी और उसकी की इच्छा के विरुद्ध नेहा के द्वारा उसके किराये वाले घर पर आना-जाना प्रारम्भ कर दिया। कुछ समय बाद उसको पता चला कि उसकी गैर मौजूदगी में उसके किराये वाले कमरे पर न्यूरिया निवासी एक युवक का आना-जाना लगा रहा। जिसके बारे में उसके द्वारा अपनी पत्नी से पूछा तो पत्नी शबा के द्वारा बताया गया कि नेहा तथा परिवार के अन्य लोगों के द्वारा छोटी बहन शाहिबा का रिश्ता उक्त युवक के साथ किया जा रहा है। जिस पर उसने ने आपत्ति जताई और कहा कि शाहिबा अभी नाबालिक है और तुम उसका विवाह अभी मत करो जिस पर उसकी पत्नी शबा व साली नेहा के द्वारा प्रार्थी के साथ अपमान जनक व्यवहार कर प्रार्थी पर सायबा के साथ अवैध सम्बन्ध होने का आरोप लगाया। 26 जून2025 को साय 5 बजे प्रार्थी अपनी पत्नी सबा को लिवाने उसके घर पर गया तो वहां पर सलमान शाहिद पुत्रा स्व. मो. साबिर तथा उसकी फुफो तथा फुफो की लड़की, शाहिन तथा सलमान की बहन परवीन के द्वारा प्रार्थी को गालियां देकर कहा कि सबा तेरे साथ नहीं जायेगी और तु इसको तलाक दे नहीं तो अच्छा नहीं होगा और सबा कहने लगी कि तु मेरे लिये मर गया है। तेरी ईदत मैंने प्रारम्भ कर दी है, और तु यहा से चला जा। मानसिक रूप से प्रताड़ित होने के होने के बाद प्रार्थी ने घर आते समय रास्ते में जहर का सेवन कर लिया। जिसकी जानकारी परिवार वालो को होने पर परिवार के लोग प्रार्थी को कमरे से उठा कर सरकारी अस्पताल ले गये। जहा पर ईलाज के बाद प्रार्थी की जान बच सकी, लेकिन उसके बाद भी उक्त सभी लोग विभिन्न माध्यमों से धमकियां दे रहे हैं। उसकी प्रार्थी काफी परेशान है। पीड़ित ने पुलिस से सबा पत्नी वसीम खां पुत्री स्व. मो. आरिफ एवं नेहा पुत्री स्व. मो. आरिफ, तथा भाई हैदर, बिलाल, अमन, कासिम पुत्रान स्व. मो. आरिफ सलमान शाहिद पुत्र स्व. मो. साबिर तथा उसकी फुफो तथा फुफो की लड़की शाहिन तथा सलमान की बहन परवीन के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

अब्दुर रेहमान और चेयरमैन खालिद अली ने किया अल बरकाह पब्लिक स्कूल का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। दोराहा स्थित रामपुर रोड़ पर अल बरकाह पब्लिक स्कूल पर नगरपालिका चेयरमैन खालिद अली पहुंचे, जहां अल बरकाह पब्लिक स्कूल के प्रबंधन हकीम मोहम्मद शाहिद ने चेयरमैन खालिद अली का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। मुरादाबाद नक्शबंदी एमबीडी मुफ्ती अब्दुर रेहमान और चेयरमैन खालिद अली द्वारा अल बरकाह पब्लिक स्कूल का उद्घाटन रिबीन काटकर किया गया। अल बरकाह पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सत्येन्द्र सिंह बीईओ ब्लाक बाजपुर और पंकज रस्तोगी बीआरसी ब्लाक बाजपुर उपस्थित रहे। अल बरकाह पब्लिक स्कूल के प्रबंधन हकीम मोहम्मद शाहिद ने बताया कि अल बरकाह पब्लिक स्कूल में बच्चों का एडमिशन कराने पर सभी बच्चों को इंग्लिश, हिन्दी, उर्दू, अरबी, फारसी की पढ़ाई कराई जाएगी। स्कूल में बच्चों के एडमिशन शुरू हो गए हैं। प्रबंधक हकीम मोहम्मद शाहिद ने बताया कि अल बरकाह पब्लिक स्कूल में नर्सरी क्लास से लेकर 8वी क्लास तक के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है और बच्चों के लिए स्कूल में एडमिशन की सुविधा बिल्कुल निःशुल्क है।

पढ़ते रहिए दैनिक शाह टाइम्स और हमसे जुड़े रहें

पुलिस का सत्यापन अभियान जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस प्रशासन द्वारा सत्यापन अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान जिन लोगों का किरायेदार और बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन नहीं पाया गया, उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई है।

रामनगर सीओ सुमित पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि गठित पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा मोहल्ला खताड़ी एवं गूलरघट्टी क्षेत्रमें पुलिस ने 81 व 83 पुलिस एक्ट के तहत 17 लोगों का चालान करने की कार्रवाई की है, जिनसे 3250 रुपये जुर्माना वसूल किया गया है। इसके साथ ही 6 कोर्ट चालान 60 हजार रुपये के किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस दौरान कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज नयाल, एसआई धर्मेन्द्र कुमार, एसआई मोहम्मद सादिक, एसआई गगनदीप सिंह, कॉन्स्टेबल संजय सिंह, कॉन्स्टेबल विजेंद्र गौतम आदि शामिल रहे।

वैश्विक स्तर पर सीखेंगे और शोध करेंगे छात्र

कुमाऊं विश्वविद्यालय ने जापान के इंस्टीट्यूट में छात्र विनिमय प्रोग्राम का करार

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जापान के जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी (जेएआईएसटी) के साथ एक छात्र विनिमय कार्यक्रम (स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम) आरंभ करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है जिससे विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर सीखने और शोध करने के अवसर प्राप्त हो सकें। इस संदर्भ में सोमवार को कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत के नेतृत्व में जेएआईएसटी जापान के प्रो. काजुआकी मात्सुमुरा एवं कुमाऊँ विश्वविद्यालय की अकादमिक टीम के साथ एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों के बीच छात्र विनिमय कार्यक्रम की रूपरेखा दिशा एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और दोनों पक्षों ने इस शैक्षणिक सहयोग को और सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता जताई। इस सहयोग के अगले चरण के अंतर्गत जेएआईएसटी जापान के उपाध्यक्ष एवं उनकी टीम आगामी दिसंबर माह में कुमाऊँ विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे जिससे आपसी समझ व सहयोग और शोध साझेदारी को और गहराई दी जा सकेगी। यह प्रस्तावित दौरा दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक अकादमिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। यह उल्लेखनीय है कि यह अभिनव प्रयास कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत की दूरदर्शिता और वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतिफल है। उनके नेतृत्व में कुमाऊँ विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की दिशा में एक सशक्त कदम उठाया है जो विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए नए द्वार खोलेगा। उनके प्रयासों से विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को सुदृढ़ आधार मिला है। यह प्रयास विश्वविद्यालय को वैश्विक अकादमिक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कार्य है। इस कार्यक्रम के तहत आरंभिक चरण में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों से जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान और फार्मास्यूटिकल साइंसेज जैसे विषयों से चयनित स्नातक छात्रों को जेएआईएसटीए जापान में तीन माह तक अध्ययन और शोध के लिए भेजा जाएगा। छात्र वहां जेएआईएसटीके वैज्ञानिकों और संकाय सदस्यों के सह निर्देशन में कार्य करेंगे, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय शोध अनुभव प्राप्त होगा। इस विनिमय कार्यक्रम से चयनित छात्रों को भविष्य में जेएआईएसटी से स्नातकोत्तर और पीएचडी करने का भी अवसर मिल सकेगा। उनके शोध कार्य का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा गठित एग्जामिनर्स बोर्ड द्वारा किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आने वाले वर्षों में इस कार्यक्रम का विस्तार कंप्यूटर विज्ञान, ललित कला एवं अन्य संकायों तक भी किया जाएगा। इसके लिए एमओयू के अनुसार आगामी चरणों की रूपरेखा तैयार की जाएगी और प्रस्ताव को शीघ्र ही कुमाऊँ विश्व. विद्यालय की शैक्षणिक परिषद में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक का समापन कुलपति प्रो. रावत द्वारा सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया। उन्होंने इसे कुमाऊँ विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय बताया जो आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक और शोध जीवन को नई दिशा प्रदान करेगा। बैठक में कुलपति प्रो. दीवान एस. रावत, जेएआईएसटी जापान से प्रो. काजुआकी मात्सुमुरा, निदेशक अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ प्रो. नंदगोपाल साहू, अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रो. चित्रा पांडे, कुलसचिव डा. मंगल सिंह मंद्रवाल, बायो मेडिकल संकाय के अधिष्ठाता डा. महेन्द्र सिंह राणा, अनुसंधान प्रकोष्ठ से डा. दीपक आर्य एवं डा. अनिता आर्य उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर सकारात्मक विचार विमर्श किया और इसे विश्वविद्यालय की वैश्विक साख को बढ़ाने वाली एक दूरदर्शी पहल बताया।

प्रशासन ने सड़क किनारे से हटवाईं दुकानें

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जिला प्रशासन की ओर से सड़क किनारे अवैध दुकान लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। प्रशासन की टीम ने बारा पत्थर से सरिताताल तक लगभग 20 अवैध दुकाने हटवाई हैं। बता दें कि लंबे समय से जगह-जगह सड़कों पर स्थानीय व बाहरी लोगों ने अवैध तरीके से फड़ खोके लगा दिए हैं। जहां वाहनों के रूकने पर यातायात प्रभावित हो रहा है। जिससे जाम लगने की समस्या भी सामने आ रही हैं। जिसको देखते हुए प्रशासन ने सड़क किनारे अवैध दुकानें हटाने का अभियान तेज कर दिया है। जिला प्रशासन की ओर से लोनिवि, वन विभाग, पालिका व राजस्व व पुलिस की टीम ने बारापत्थर से सरिताताल तक 20 अवैध दुकानें हटवाई। एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया कि अभियान के दौरान 15 से 20 लोगों ने ही खुद अपनी दुकानें हटा दी हैं।

एक नजर

पूर्व सैनिकों की बैठक में समस्याओं पर चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की सोमवार को मासिक बैठक आयोजित हुई। इस दौरान बैठक में पूर्व सैनिकों समेत तमाम समस्याओं पर चर्चा हुई। वहीं, पूर्व सैनिकों ने नगर में किन्नरों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग उठाई। नंदादेवी मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिकों ने कहा कि बाजार क्षेत्र में सुबह के समय मजदूरों का जमावड़ा लगा रहता है। मजदूरों के खड़े होने के लिए स्थान तय करने की मांग की। इसके अलावा दैनिक मजदूरी तय करने, नगर क्षेत्र में बढ़ते बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की भी मांग उठाई। वहीं पूर्व सैनिकों ने कहा कि तीन जिलों की लाइफ लाइन क्वारब डेंजर पर समस्या बढ़ते जा रही है। यात्रियों को मजबूरन रानीखेत और लमगड़ा से अतिरिक्त फेरा लगाना पड़ रहा है। जिससे समय की बर्बादी के साथ ही लोगों की जेब ढीली हो रही है। पूर्व सैनिकों ने शीघ्र डेंजर जोन के स्थायी समाधान की मांग की। नए सदस्यों का ुलमाला पहनाकर स्वागत भी किया। यहां बैठक में केवश दत्त पांडे, सुरेंद्र लाल टम्टा, केशव दत्त पांडेय, पीजी गोस्वामी, मोहन चंद्र जोशी, विनोद गिरी, दीवान सिंह नेगी, आनंद सिंह, दान सिंह, महेंद्र सिंह मनराल, रघुवीर सिंह, प्रकाश सिंह, हरीश चंद्र पांडे, जगदीश भट्ट आदि मौजूद रहे।

पेड़ की टहनी तार पर गिरने से बिजली गुल

नैनीताल। नगर के तल्लीताल स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में जन सेवा सेंटर के समीप सोमवार करीब सुबह करीब 9 बजे पेड़ की बड़ी टहनी टूटने से परिसर में बिजली के तार टूट गए जिससे बिजली आपूर्ति कुछ देर के लिए बाधित गई। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने मार्ग पर पड़े बिजली के तारों व लकड़ियों को हटाया। बिजली विभाग के पर्यवेक्षक कंचन जोशी ने बताया की तारों को जोड़ने का कार्य किया गया जिसके बाद विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दिया गया है। इस दौरान गौरव, कुंदन सिंह आदि कर्मी मौजूद रहे।

कुविवि शिक्षक संघ ने निधन पर दुख जताया

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) ने संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डा. नीता आर्या की माता मालती देवी (65) वर्ष तथा वनस्पति विज्ञान की राधा बिष्ट की सास सरस्वती बिष्ट (90) वर्ष के हल्द्वानी में आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है तथा श्रद्धांजलि दी है। कूटा की तरफ से शोक जताने वालों में प्रो. ललित तिवारी, डा. विजय कुमार, प्रो. नीलू लोधियाल, डा. दीपक कुमार, डा. संतोष कुमार, डा. पैनी जोशी, डा. उमंग सैनी प्रो. अनिल बिष्ट, डा. रितेश साह, डा. युगल जोशी तथा डा. नगेंद्र प्रसाद शर्मा शामिल रहे।

मूसलाधार बारिश से उफनाए नाले

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में सोमवार को अपराहन दो बजे से मूसलाधार बारिश हुई। लोग जहां के रहा ठिठक गए तो नाले उफना गए और सड़कें जलमग्न हो गई। एक घंटे तक 20 मिमी वर्षा हुई। नगर में मौसम का मिजाज हल्के बादलों के साथ सुहावना बना हुआ था। कोहरा आ जा रहा था तो धूप ने भी कई बार दर्शन दिए। सुहावने मौसम के मिजाज से बारिश की संभावना कम ही नजर आ रही थी लेकिन अपराहन दो बजे अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। वर्षा के तेज वेग से बचने के लिए लोग जहां के तहां ठिठकने को मजबूर हो गए तो ऊंची चोटियों की सैर पर गए सैलानियों की फजीहत हो गई। इस बीच नाले ऊना गए और कूड़े के ढेर नैनी झील में समा गए। लोअर मालरोड व तल्लीताल बोट स्टैंड के समीप मार्ग में जलभराव हो गया और लोगों को आने जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। तीन बजे वर्षा थमने के बाद घने बादल आसमान में छाए हुए थे और कोहरा भी। जिसके चलते वर्षा की संभावना बनी हुई थी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 28 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 95 व न्यूनतम 60 प्रतिशत रही।

यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाया

नैनीताल। रेगुलर व यातायात पुलिस की ओर से अभियान चलाकर युवाओं को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया गया। इस दौरान पुलिस ने 30 से ज्यादा लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। सोमवार को कोतवाली व यातायात पुलिस की ओर से मल्लीताल में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने बिना हेलमेट, ट्रिपलिंग करने वालों व रौंग साइट वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। कोतवाली से एसएसआई दीपक बिष्ट ने 14 जबकि टीएसआई हरीश फर्त्याल ने 16 वाहन चालकों के खिलाफ एमवी एकट के तहत चालानी कार्रवाई की है।

निजी स्कूटी टैक्सी बताकर किराए पर दी

नैनीताल। कैंची धाम में नीब करौरी बाबा के दर्शन करने गए पर्यटकों को एक व्यक्ति ने धोखे से निजी स्कूटी टैक्सी बताकर किराए में दे दी। पुलिस ने नैनीताल में कार्रवाई करते हुए स्कूटी सीज कर दी है। जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी मयंक अपने दोस्त के साथ दर्शन के लिए कैंचीधाम आया हुआ था। इस दौरान कैंचीधाम में एक युवक की ओर से युवक को टैकसी बताकर निजी स्कूटी 500 रुपये में किराए पर दे दी। पर्यटक स्कूटी से घूमने के लिए नैनीताल आ गए। इस दौरान पुलिस ने मल्लीताल में पर्यटक को पकड़ लिया। पूछताछ की तो पता चला स्कूटी स्वामी ने पर्यटकों को टैक्सी बताकर स्कूटी किराए पर दी थी। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि वाहन स्वामी मचखाली निवासी परवेज पठान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्कूटी संख्या यूके 4 एएच 2869 को सीज कर दिया है।

सेलाकुई पुलिस ने 750 का किया सत्यापन

सेलाकुई (शाह टाइम्स)। थाना सेलाकुई पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाकर 750 व्यक्तियों का किया सत्यापन। पुलिस ने 35 हॉस्टल संच. ालकों व मकान मालिकों का किराएदारों का सत्यापन न कराने व अनियमितता पाए जाने पर चालान 3,50,000 रूपये का अध्यारोपित जुर्माना किया। 35 हॉस्टल संचालकों व मकान मालिकों का किरायेदारों का सत्यापन न कराने व अनियमितता पाए जाने पर चालान रूपये 3,50,000/ रूपये का अध्यारोपित जुर्माना किया तथा 28 व्यक्तियों को थाने पर लाकर पूछताछ की गई सही पाए जाने पर थाने से छोड़ा गया। थाना प्रभारी ने बताया भविष्य में भी सत्यापन अभियान जारी रहेगा।

प्रदीप चक्रवर्ती को पुरस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के प्रदीप चक्रवर्ती को देवभूमि राष्ट्रीय रत्न पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्हें यह पुरस्कार एरीज में स्थापित कई दूरबीनों का निर्माण में इंजीनियरिंग सहयोग व सामाजिक कार्यों में सहभागिता को लेकर दिया गया है। देहरादून में आयोजित समारोह में वनमंत्री सुबोध उनियाल द्वारा दिया गया। इस उपलबधि को लेकर एरीज समेत कई लोगों ने उन्हें बधाई दी है। वरिष्ठ इंजीनियर प्रदीप चक्रवर्ती का एरीज देव स्थल में स्थापित की गई दूरबीन 3.6 मीटर, 1.3 मीटर तथा 4 मीटर की अंतराष्ट्रीय लिक्विड मिरर दूरबीन, मनोरापीक में एसटी रडार समेत कई अन्य विज्ञानी उपकरणों को स्थापित करने में अद्वितीय भूमिका निभाई है। मैकेनिकल कार्यों के बिना ये तमाम सुविधाओं संभव नहीं। इंजीनियरिंग कार्य के अलावा सामाजिक कार्यों में भी सदा समर्पित रहे हैं। जिनमें पर्यावरण के प्रति लोगों को तमाम कार्यशालाओं व कार्यक्रमों के माध्यम से सजग करते आ रहे है। निर्धन स्कूली बच्चों की शिक्षा में सहयोग देते आ रहे हैं। विज्ञान के प्रति जागरूकता व अंध विश्वास दूर करने को लेकर कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं। विज्ञान के सिटीजन साइंस प्रोग्रामों के आयोजनों को सफल बनाते आ रहे हैं। इसके अलावा खगोल विज्ञान में क्षुद्रग्रह (एस्टेरॉयड) भी डिटेकट कर चुके हैं। प्रदीप चक्रवर्ती को बधाई देने वालों में एरीज निदेशक डा मनीष नाजा, डा. जीवन चंद्र पांडे, डा. बृजेश कुमार, डा. वीरेंद्र यादव, मोहित जोशी, डा अभिषेक, डा. स्नेह लता, डा. प्रियंका श्रीवास्तव शामिल हैं।

मार्च से वेतन न मिलना निंदनीय

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्व. विद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को मार्च 2025 से मासिक वेतन जारी न किए जाने पर उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ द्वारा भारी रोष जाहिर किया गया है एवं शीघ्र ही वेतन जारी न होने पर राज्य के समस्त विश्व. विद्यालय में आंदोलन में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष भूपाल सिंह करायत एवं महामंत्री प्रशांत मेहता ने बताया कि विगत दो वर्षों से आयुर्वेद विश्वविद्यालय में घोर अरा. जकता की स्थिति है जिसका खामियाजा वहां पर कार्यरत कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है विगत दो वर्षों से 3 से 5 माह रुकने के बाद मासिक वेतन जारी किया जा रहा है जिसके चलते कर्मचारियों की मासिक एवं दैनिक खर्चों का वहन करना तथा परिवार का संच. ालन करने में भारी समस्या हो गई है विश्व. विद्यालय की अराज. कता में शासकीय अधिकारियों की अनदेखी पर संगठन ने भारी रोष व्याप्त है। पदाधिकारियों के मुताबिक विश्व. विद्यालय में पूर्व के कुछ मामलों के जांच के दायरे में होने के कारण शासन द्वारा मासिक वेतन हेतु अनुदान जारी नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अनियमितता करने वाले समस्त अधिकारियों पर कोई कार्यवाही न करते हुए शासन समस्त कर्मचारियों को पीड़ा दे रहा है और उसकी वेतन जारी न करते हुए बेकस. ूर कर्मचारियों को उसका शिकार बनाया जा रहा है। कहा कि वर्तमान में भी बाध्य होकर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कर्मचारी आंदोलनरत हो गए हैं और विश्वविद्यालय की कार्य व्यवस्था अस्त व्यस्त हो गई है। कर्मचारियों को हो रही लगातार समस्या के दृष्टिगत विगत फरवरी माह में भी राज्य के समस्त विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था पदाधिकारी ने कहा कि यदि यही स्थिति रही तो राज्य के समस्त विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा भरपूर विरोध के साथ प्रदर्शन किया जाएगा।

सामूहिक सभा में 'शिल्पकार' दिखे एक परिवार

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। शिल्पकार सभा नैनीताल द्वारा सभा के डा. अंबेडकर भवन में अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सामूहिक सभा का आयोजन किया गया जिसमें शिल्पकार सभा सदस्यों एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साहवर्धक तरीके से प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष डा. रमेश चन्द्रा ने बताया कि हमारा यह कार्यक्रम कई वर्षों से प्रस्तावित था जिसे इस वर्ष अमली जामा पहनाया जा सका। अभी प्रयोग के रूप में इसे लघु रूप में आयोजित किया गया जिसे भविष्य में वृहत रूप से आयोजित किया जायेगा। इस तरह के कार्यक्रम से न केवल हमें एक दूसरे के साथ मिलने का अवसर प्रदान होता है बल्कि यह हमारे संगठन के

मूल्यों और उद्देश्यों को मजबूती के साथ साथ समाज में में सकारात्मक परिवर्तन लाने ने अपनी भूमिका निभाता है। महामंत्री राजेश लाल ने कहा कि आज हम सभा के भवन में एकत्रित हुए और एक दूसरे के परिवार के सदस्यों से परिचित हुए और एक साथ बैठकर अपने अपने विचारों तथा उपलब्धियों व सुझावों को शेयर किया। हमने आज अपने अपने परिवारों के सदस्यों के साथ शिल्पकार सभा के उद्देश्यों मूल्यों को साझा किया। इस वर्ष सूरतकल मैंगलोर कर्नाटक से एनआईटी पासआउट सभा के मंत्री अनिल गोरखा की पुत्री दिव्यांगना चंद्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों की काउंसलिंग की। उक्त आयोजन से सभी उत्साहित थे सभी ने इस प्रकार के आयोजन को हर वर्ष वृहत रूप में करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक का दायित्व सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, मंत्री अनिल गोरखा व कार्यकारिणी सदस्य इंद्र कुमार को दिया गया था। जिन्होंने अपने उत्तर दायित्वों का निर्वहन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह थी की इस संगठन के एकमात्र जीवित संस्थापक सदस्य कैलाश चन्द्र इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आयोजन में डा. रमेश चन्द्रा, महामंत्री राजेश लाल गांधी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, मंत्री अनिल गोरखा, कोषाध्यक्ष कैलाश आगरकोटी, धमेंद्र कुमार, प्रदीप त्यागी, इन्द्र कुमार आदि अन्य लोगों के परिवार के लोग उपस्थित थे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर प्रशिक्षण सत्र सम्पंन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के सफल संचालन को लेकर अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा हॉल में प्रथम पीठासीन अधिकारियों को निर्वाचन संबंधित सामान्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट एवं द्वितीय मास्टर ट्रेनर मनोज बिष्ट ने अधिकारियों को निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रक्रियात्मक दिशा-निर्देशों दिये। प्रशिक्षण सत्र में 459 कार्मिकों में से 455 अधिकारी/कर्मचारी ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान मत पेटी संचालन, मत पत्र लेखा, पीठासीन डायरी, टेंडर वोट अभिकर्ताओं की नियुक्ति, पो. लिंग बूथ की व्यवस्था, मतदान की प्रक्रिया, मतदाता पर्ची, समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया तथा प्रशिक्षण में अर्जित जानकारी पर सवाल जवाब और शंकाओं का समाधान किया गया। मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि निर्वाचन कार्य एक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे निष्ठा और पारदर्शिता के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्मिकों से निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित समय पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की।

नैंसी स्कूल में शिक्षण कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सीबीएसई देहरादून के निर्देशन में नैंसी कॉन्वेंट स्कूल ज्योलिकोट में दो दिवसीय अनुभव आधारित शिक्षण विषय पर क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डा. संजय कुमार सिंह एवं प्रधानाचार्या श्रीमती हीना के प्रेरणादायक वक्तव्यों से हुआ। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों को केवल जानकारी नहीं अनुभव और नवाचार के माध्यम से वास्तविक जीवन से जोड़ने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण का संचालन शिक्षा जगत के विशेषज्ञ हिमांशु जोशी एवं अमित गोयल द्वारा किया गया। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा कक्ष में अनुभव आधारित, गति. विधि आधारित व समावेशी शिक्षण की नवीन विधियों से अवगत कराया। कार्यशाला में सेंट थरेसा स्कूल, जसगोविंद पबलिक स्कूल, सेंट लॉरेंस स्कूल, केवीएमए सरस्वती एकेडमी, राधा चिल्ड्रेन एकेडमी, वुड ब्रिज स्कूल भवाली, लॉरेंस पबिलक स्कूल एवं डॉन बॉस्को स्कूल से लगभग 35 शिक्षकगण सम्मिलित हुए। समूह चर्चा, रोल प्ले, केस स्टडी जैसी सहभागिता आधारित गतिविधियों ने कार्यशाला को अत्यंत प्रभावशाली बनाया। प्रतिभागी शिक्षकों ने इन्हीं माध्यमों से अपने अनुभव साझा किए तथा कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाने के नए दृष्टिकोण सीखे। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सभी अतिथियों ने नैंसी कॉन्वेंट स्कूल की व्यवस्थाओं व आतिथ्य एवं शिक्षण वातावरण की सराहना की। अंत में मैनेजिंग डायरेकट इंजी. नियर आईपी सिंह तथा चेयरपर्सन मंजू सिंह ने आयोजन समिति एवं सभी प्रतिभागी शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

नंदा देवी महोत्सव की रूपरेखा पर मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जिलाधिकारी वंदना सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में आगामी 28 अगस्त से लेकर 5 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे श्री नंदा देवी महोत्सव के आयोजन/कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने के संबंध में बैठक हुई। बैठक में श्री राम सेवक सभा से आए आयोजकों ने मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं तैयारियों व कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न प्रस्ताव रखे उन्होंने राम सेवक प्रांगण मंदिर परिसर में होने वाले कार्यक्रमों व डोला मार्ग आदि के संबन्ध में विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि नंदा देवी महोत्सव को भव्य एवं धार्मिक मेले

के स्वरूप में संपन्न करना है। इस हेतु अभी से जो भी तैयारी करनी है वह ससमय पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि मेले को भव्यता से संपन्न कराए जाने हेतु सभी आपसी समन्वयए सहयोग के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को अभी से सभी व्यवस्थाओं के टेंडर की कार्यवाही करते हुए सभी आयोजन स्थलों में सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं यथासमय पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला स्थल का समतलीकरण सहित अन्य कार्य कराने के निर्देश अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग को दिए। इसके अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट मरममत के अतिरिक्त झूलते विद्युत तारों को ठीक करने के निर्देश विद्युत एवं नगर पालिका के अधिकारीयों को दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि नगर में बिना विभाग की अनुमति के विद्युत पोलों में जो भी तार लगाए गए हैं जो अनियंत्रित हैं और झूल रहे हैं उन्हें तत्काल हटाया जाय। ताकि ताकि नगर की सुंदरता बनी रहे। जिला. धिकारी ने कहा कि मेले के दौरान नगर की सुंदरता को बढ़ाए जाने हेतु नगर पालिकाए होटल एसोशिशनए व्यापार मंडल नगर को विद्युत मालाओं आदि से सजावट करने के लिए कहा। मेले के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस विभाग को नैनीताल समेत आस पास के इलाकों में पुलिस टीम की तैनाती करने एवं अभी से सत्यापन व चैकिंग के निर्देश दिए। और नगर में अतिरिक्त पुलिस टीम लगाने की भी बात कही। बैठक में पालिकाध्यक्ष सरस्वती खेतवाल, एडीएम विवेक राय व शैलेन्द्र सिंह नेगी, एसडीएम नैनीताल नवाजिस खलिक, धारी केएन गोस्वामी समेत आरटीओ गुरदेव सिंह, ईओ रोहताश शर्मा सहित राम सेवक सभा, व्यापार मंडल, होटल एसोसिएशन के प्रति. निधि आदि उपस्थित रहे।

'क्यूट कान्हा प्रतियोगिता' 15 अगस्त को

शाह टाइम्स संवाददाता

रानीखेत। सांस्कृतिक समिति रानीखेत की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नन्हें-मुन्नें बच्चों के लिए 'क्यूट कान्हा प्रतियोगिता' आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता 15 अगस्त की शाम श्री शिव मंदिर परिसर में होगी।

सांस्कृतिक समिति अध्यक्षा विमल सती की अध्यक्षता में हुई बैठक में कथाक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर भावनगर गुजरात से आए प्रशिक्षकों और स्थानीय प्रशिक्षार्थियों का धन्यवाद व्यक्त किया गया साथ ही निर्णय लिया गया कि प्रशिक्षार्थियों का उत्साह देखते हुए भविष्य में कथक शिक्षण-प्रशिक्षण अभ्यास क्रम की समिति द्वारा स्थायी व्यवस्था की जाएगी। बैठक में सांस्कृतिक समिति से ने जुड़े सदस्यों का स्वागत किया गया। बैठक में सांस्कृतिक समिति द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि अगले माह 15अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर क्यूट कान्हा प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता 0-5 वर्ष आयु के बच्चों के लिए चार वर्गों में होगी। जिसके लिए पंजीकरण अगस्त प्रथम माह से शुरू होंगे। बैठक में राजेंद्र प्रसाद पंत, गौरव भट्ट, गौरव तिवारी, अशोक पंत, विनीता खाती, गीता जोशी, दीपक पंत, परमवीर मेहरा, पंकज थापा आदि मौजूद रहे।

हिन्दू समाज की रक्षा का बीड़ा उठाया

बजरंग दल की प्रखंड बैठक में सौंपे गए अहम दायित्व

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। बजरंग दल की प्रखंड बैठक में कई लोगों को अहम दायित्व सौपते हुए उनसे अपने दायित्वों का बखूबी निर्वह्न करने का आह्वान किया गया। बैठक में मुख्य रूप से बजरंग दल प्रांत के सह संयोजक पूरन, जिला मंत्री दीपक एवं जिला ध्यक्ष खजान और जिले के सह मंत्री विवेक बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में तय किया गया कि नैनीताल जिले के भीतर नैनीताल नगर की टीमों को स्ट्रांग करने के लिए बजरंग दल प्रभावी रूप से समाज में काम करेगा। यहां पर युवा कार्यकर्ताओं का संग्रह किया जाएगा।

बैठक के दौरान पहले उनका प्रशिक्षण कराया गया, वर्ग के माध्यम से उनका 7 दिन प्रशिक्षण करने के उपरांत

उनको नगर क्षेत्र के अंदर नैनीताल के अंदर जिममेदारी दी गई ताकि वह हिंदू समाज के सुरक्षित करने के लिए हिंदू समाज को संगठित करने के लिए एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए अलग अलग विभागों में हमारे द्वारा आज घोषणा की गई। जिसमें नैनीताल जिले के प्रखंड संयोजक के रूप में मनोज को दायित्व दिया। उनकी टीम सामाजिक संस्था की टीम और विद्यार्थियों की टीम निर्देशित किया गया कि हिंदू विरोधी गतिविधियों और जो समाज में नैनीताल के अंदर जो बहरी व्यक्तियो का यहां पर ज्यादा आगमन हो रहा है गैर समुदाय के लोग यहां पर प्रभावी रूप से बढ़ रहे उत्तराखंड में जो वहां के लोग यहां पर आकर यहां पर मिला है उसे दायित्व का निर्माण करेंगे और नैनीताल जिले के अंदर आप सभी को सुरक्षा प्रदान करेंगे और हर विभाग में आपकी नजर रहेगी और हर कोई भी व्यक्ति कोई भी विभाग का अधिकारी यदि सही तरीके से अपनी जिममेदारी से काम नहीं करेगा तो बजरंग दल के द्वारा उसका विरोध किया जाएगा। बैठक में संयोजक मनोज कुमार, सह संयोजक सनी और राहुल, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड उपध्यक्ष हेरा, सत्संग प्रमुख कृष्णा, सह सत्संग प्रमुख अमन, विद्यार्थी प्रमुख कुनाल बेदी, गौ रक्षा प्रमुख कृष्णा, सह रक्षा प्रमुख रौनक, बल उपासना प्रमुख अनुज, सह बल उपासना प्रमुख जितेंदे को बनाया गया।

गाड़ियों में टक्कर के बाद टकराव

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर के मल्लीताल क्षेत्र में हरियाणा के पर्यटकों की कार ने स्थानीय युवक की स्कूटी में टक्कर मार दी जिसके बाद पर्यटकों और स्थानीय लोगों में जमकर विवाद हुआ।

विवाद बढ़ा तो पर्यटकों की गाड़ी में बैठी महिलाएं भी सड़क पर उतर आई और स्थानीय लोगों के साथ धक्का-मुक्की करने लगी। इस दौरान पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच हाथापाई भी हुई। चौकी के पास हुई घटना के बाद तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने पर्यटकों को पुलिस चौकी में बैठा दिया और स्थानीय लोगों की भीड़ को मौके से हटाया। सूत्रों के मुताबिक इस दौरा पर्यटकों ने गोली मारने की धमकी भी दी, जिससे स्थानीय लोगों का पारा और चढ़ गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पर्यटक अनियंत्रित गति से गाड़ी चला रहे थे। इस दौरान सड़क किनारे खड़ी स्कूटी पर टक्कर मार दी। जब स्थानीय लोगों ने पर्यटक से सही तरीके से गाड़ी चलाने के कहा तो पर्यटक गली गलोच करने लगे और महिलाएं भी उतरकर अभद्रता करने लगी। इस दौरान गाड़ी में सवार एक युवक ने स्थानीय गोली मारने की धमकी दी। जिसके बाद लोगों का पर चढ़ गया और युवकों से मारपीट कर दी। जिसके बाद मौके में पहुंची पुलिस ने पर्यटकों को चौकी में बैठा दिया साथ ही स्थानीय लोगों की भीड़ को मौके से हटा कर विवाद को शांत कराया। मामले में कोतवाली के एसएसआई दीपक सिंह बिष्ट ने बताया पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच गाड़ी टकराने को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद सडक पर विवाद मचा रहे पर्यटकों के खिलाफ गाड़ी में ब्लैक फिल्म लगाने और विवाद मचाने पर एमवी एकट के तहत चलने कार्रवाई की है साथ ही आगे से इस तरह की घटना न करने की हिदायत दी है।

दोपहर बाद शहर के अंदर पैदा होने लगते हैं जाम के हालात

नए पुल व कांवड़ पटरी पर जाम से आमजन परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शहर में दोपहर के वक्त लोगों को जाम झेलना पड़ा। इस बीच जाम में स्कूल बसें भी फंसी नजर आई। तीस मिनट के बाद हालात सामान्य होते चले गए। ऐसे में लोगों को अपने घर और जरूरी कामों पर जाने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। पटरी पर भी काम हो रहा है। इस बीच सोमवार को दोपहर के वक्त रुड़की के नए पुल और कांवड़ पटरी पर लोगों को जाम झेलना पड़ा। नए पुल पर स्कूली वाहन और कामकाजी लोगों के आने पर जाम के हालात पैदा हो गए। लोगों ने शॉर्टकट लिए तो उन्हें अन्य संपर्क मार्ग भी जाम से भरे नजर आए। वहीं दूसरी ओर एसबीआई की मेन ब्रांच से होते हुए टैंक रोड की ओर जाने वाली पटरी पर भी दोपहर के वक्त जाम लग रहा। लंबा जाम दो जगह लगने से गणेशपुर और नेहरू स्टेडियम व अन्य जगह जाने में लोगों को दिक्कत महसूस हुई। इस बीच कई लोगों ने अपने रास्ते भी बदले। यातायात इंस्पेक्टर राजेंद्र नाथ ने बताया कि दोपहर के वक्त जहां पर भी जाम की स्थिति पैदा हो रही। वहां पर यातायात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। ताकि शहर के अंदरुनी जगहों पर भी जाम के हालात पैदा न हो पाए। मेन बाजार में भी ई रिक्शा के संचालन होने पर चालान हो रहे हैं।

कलियर सड़क किनारे मिला महिला का शव, जांच में जुटी पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी/पिरान कलियर। मेहवड कलियर के बीच सड़क किनारे एक महिला (25) का शव मिला है तो रूडकी क्षेत्र से भी एक नाबालिग लापता हो गया। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार रूडकी रोड पर मेहवड-कलियर के बीच सड़क किनारे एक महिला का शव पड़ा हुआ मिला।किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।महिला की पहचान रानी उम्र 25 वर्ष निवासी दरगाह क्षेत्र के रूप हुई हैं।महिला अपने माता पिता के साथ दरगाह क्षेत्र में रह रही थी।महिला काफी दिनों से मानसिक रूप से विक्षिप्त बताई जा रही थी।और कहीं पर भी चली जाती थी।पुलिस ने महिला के परिजनों को जानकारी दी। परिजन भी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि सड़क किनारे का महिला का शव मिला है।महिला मानसिक रूप विक्षिप्त पीड़ित बताई जा रही हैं।महिला को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी होगी।जिससे महिला की मौत हो गई है।सड़क दुर्घटना में महिला की मौत की आशंका है।शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं।

❖रुड़की से नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, कुछ संदिग्ध फोन नंबरों को भी खंगाल रही पुलिस

वहीं दूसरी ओर नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला प्रेम प्रसंग या परिवार मनमुटाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रुड़की कोतवाली को क्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि बीते शनिवार को 16 वर्षीय पुत्री दोपहर चार बजे के आसपास घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। उन्होंने पुत्री की हर संभव जगह तलाश की। लेकिन पुत्री का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया। मामला प्रेम प्रसंग या परिवार मनमुटाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। इंस्पेक्टर मणि भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि लापता नाबालिग की तलाश की जा रही है। कुछ संदिग्ध फोन नंबर खंगाले जा रहे हैं। नाबालिग के संपर्क में रहने वाले लोगों से भी पूछताछ जारी है।

ढंडेरा नगर पंचायत में धरने पर बैठे सभासद

चेयरमैन व ईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। ढंडेरा नगर पंचायत में भ्रष्टाचार और धांधली के आरोप लगाते हुए सभासदों ने धरना प्रदर्शन कर अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की। सभासदों का कहना है कि नगर पंचायत द्वारा किए जा रहे कार्य में सभासदों को सम्मिलित नहीं किया जा रहा है।

ढंडेरा नगर पंचायत कार्यालय में धरना प्रदर्शन के दौरान सभासद विजय सिंह पंवार ने कहा नगर पंचायत गठन के बाद आज तक हुए कितने ठेकेदारों का पंजीकरण हुआ,कितने विकास कार्य शुरू हुए आदि कार्यों के बारे में सभासदों को सम्मिलित नहीं किया जा रहा है। कविता देवी ने कहा कि सभासदों को यह भी जानकारी नहीं है कि नपं के पास कितने बैंक खाते है,किस मद में वहां से लेन देन होता है और कार्यालय में कौन कर्मचारी है जो अकाउंट का कार्य देख रहा है। सभासदों ने मीटिंग हॉल में ताला लगाए जाने पर विरोध जताया साथ ही अधिशासी अधिकारी और अपने अधिकारों की जानकारी भी एक पत्र के माध्यम से मांगी। सभासदों का कहना है कि नगर पंचायत अध्यक्ष और ईओ अपनी मनमानी से एक दो सभासदों को साथ लेकर कार्य कर रहे हैं जबकि कार्यों में पूरे बोर्ड के सदस्यों को विश्वास में लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी आशंका है कि नगर पंचायत में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस संबंध में ईओ वीरेंद्र सिंह का कहना है कि यह सभी आरोप गलत हैं। उन्होंने कहा कि सभासद जो जानकारी चाहते हैं वह आरटीआई के माध्यम से ले सकते हैं। वहीं सभासद निर्माण कार्य करने के लिए दबाव बना रहे हैं लेकिन जब बजट नहीं तो काम कैसे होंगे।

ढाबे पर प्याज व लहसुन के इस्तेमाल पर कांवड़ियों ने किया हंगामा

शाह टाइम संवाददाता

मंगलौर। कावड़ यात्रा में बार्ड्र पर खाने में एक ढ़ाबे पर प्याज लहसुन का इस्तेमाल करने पर कांवड़ियों ने हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर जाकर मामले को संभाला और ढाबे को बंद करवा दिया। जानकारी के अनुसार हरिद्वार से गंगा जल लेकर कावड़िया हाईवे से होते हुए आगे बढ़ रहे थे बॉर्डर पर स्थित एक ढाबे पर वह खाना खाने के लिए रुके यहां उन्होंने खाने में इस्तेमाल किए जा रहे प्याज और लहसुन का होटल संचालक से विरोध किया। इस बात को लेकर ढाबा संचालक और कांवडियों के बीच बहस शुरू हो गई। मौके पर हंगामा होते देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा होना शुरू हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और ढाबे को बंद करवाकर शिव भक्तों को समझाकर मामले को शांत किया। वरिष्ठ उप निरीक्षक रफत अली ने बताया कि ढाबे को बंद कराकर संचालक को हिरासत में ले लिया गया और आगे कार्रवाई की जा रही है।

आईआईटी में कर्मचारी एकता सम्मान यात्रा निकाली

रुड़की। आईआईटी रुड़की कर्मचारी यूनियन के महासचिव सचिन कुमार को ऑल इंडिया आईआईटी एसोसिएशन की ओर से डिप्टी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया है। इस उपलब्धि पर अध्यक्ष नवीन कुमार के नेतृत्व में यूनियन कार्यालय से कर्मचारी एकता सम्मान यात्रा निकाली गई। जहां यूनियन के सभी पदाधिकारी ने कार्यकारिणी सदस्य और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस मौके पर डिप्टी चेयरमैन सचिन कुमार ने अपने पद के अनुसार कार्य करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ फेडरेशन और संस्थान के हित मे काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पहला लक्ष्य केंद्रीय नियम सभी आईआईटी पर भी लागू हो। इस मौके पर आईआईटी रुड़की कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष नवीन कुमार ने कर्मचारी एकता सम्मान यात्रा में शामिल सभी लोगों का धन्यवाद किया। कहा कि आईआईटी कर्मचारियों की सभी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

नवयुवक बुल्स ने 98 रन से जीता नवयुवक चैलेंजर सीरीज का फाइनल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। नवयुवक चौलेंजर सीरीज के फाइनल मैच में मुकाबला नवयुवक बुल्स और नवयुवक लायंस के बीच खेला गया। नवयुवक बुल्स ने 98 रन से मैच जीतकर सीरीज अपने नाम की। अतिथियों द्वारा विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया गया।

नवयुवक क्रिकेट अकादमी नेहरू स्टेडियम के द्वारा आयोजित सीरीज में फाइनल मैच का टॉस जीतते हुए नवयुवक बुल्स ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। उन्होंने निर्धारित 20 ओवर में नवयुवक लाइंस को 138 रन का लक्ष्य दिया लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवयुवक लाइंस 52 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। नवयुवक बुल्स की ओर से निशांत खालरा ने शानदार नॉट आउट 98 रन की पारी खेली और फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच रहे। मुख्य अतिथि व्यापार मंडल के अध्यक्ष अरविंद कश्यप ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी खेल में हार जीत से पहले खिलाड़ी को केवल अपने बेहतर प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा और पूर्ण विश्वास है कि इनके बीच से निकले खिलाड़ी देश दुनिया में शहर का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर अब्दुल रब बेला, इंद्रपाल बेदी, देवेंद्र कुमार (पोलू,), कमल चावला, गगन सरीन,मोहम्मद ताहिर,रवि नेम,दीपक चौधरी, मंथन कुमार,प्रवीण खालरा, आदि उपस्थित रहे।

रात को तेज बारिश व आंधी के चलते बिजली बाधित, लोग परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर बिजली घर आ रही 35 केवी की हाई टेंशन लाइन पर एक पेड़ गिर गया। जिसकी वजह से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इसके चलते दो दर्जन से अधिक गांव के लोगों को विद्युत कटौती का सामना करना पड़ा। ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने सोमवार तड़के लगभग चार बजे लाइन को ठीक कर बिजली आपूर्ति चालू की। तब ग्रामीणों को राहत की सांस मिली।

गौरतलब है कि शनिवार को सुबह से ही मौसम बेहद गर्म था। शाम होते-होते गर्मी ने प्रचंड रूप ले लिया। इसके बाद शनिवार की देर रात आसमान पर काले बादल उमड़ आए और फिर आसमान में बिजली चमकने लगी। देखते ही देखते मौसम बदल गया और फिर तेज आंधि के साथ बारिश शुरू हो गई। रात्रि लगभग 12 बजे अचानक ही बिजली चली गई और ग्रामीण बिजली आने का इंतजार करते रहे। ग्रामीण एक दूसरे से बिजली आने की बाबत फोन पर जानकारी करते रहे। एसडीओ अमीचंद ने बताया की तेज हवा के चलते दाबकी गांव के निकट गनौली बिजली घर से लक्सर आ रही 33 केवी की हाई टेशन लाइन के ऊपर एक पेड़ टूट कर गिर गया। जिससे बिजली का तार टूट गया और बिजली चली गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान लक्सर कस्बे सहित लक्सरी, लक्सर गांव, नरोजपुर, खेड़ी खुर्द, अकौढ़ा कला, दाबकी, व कुआ खेड़ा सहित दो दर्जन से अधिक गांव की बिजली गायब रही। जिसकी वजह से ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने बताया कि सोमवार की तड़के लगभग 4 बजे पेड़ को हटाकर तार जोड़ने के बाद आपूर्ति सुचारू की जा सकी। ग्रामीण अरविंद शर्मा, सतवीर चौधरी, विपिन कुमार व यशपाल चौधरी ने बताया कि बिजली कटौती के चलते ग्रामीणों के घरों में लगे इनवर्टर भी बंद हो गए थे।

सफाई कर्मी की मौत पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। पांच दिन पूर्व ट्रक की टक्कर से घायल बाइक सवार सफाई कर्मी की मौत के मामले में पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार लंढौरा के मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती निवासी संजय पुत्र दीपचंद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 2 जुलाई की रात उसका पुत्र राहुल (32) रुड़की से बाइक पर वापस घर आ रहा था। इसी दौरान रुड़की लक्सर मार्ग पर स्थित एक ईंट भट्ठे के पास सामने से तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसके पुत्र की बाइक में टक्कर मार दी थी। जिस कारण उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया था। पिडित पिता का कहना है कि सूचना मिलने पर उसने अपने घायल पुत्र को 108 की सहायता से सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसके पुत्र की मौत हो गई आरोप है कि ट्रक चालक घटना को अंजाम देने के बाद वाहन समेत फरार हो गया। लोगों द्वारा भागते ट्रक का फोटो खीचकर सोशल मीडिया पर डालने के बाद ही उसे ट्रक नंबर का पता चला। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

उर्जा निगम ने पकड़ी 14 जगहों पर बिजली चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। विजीलेंस व ऊर्जा निगम की टीम ने लंढौरा क्षेत्र के दो गावों में छापेमारी कर 14 घरों में बिजली चोरी पकड़ी है। विभागीय अधिकारी पकड़े गए बिजली चोरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे है।

सोमवार को एसडीओ गुलशन बुलानी ने देहरादून से आई विजिलेंस की टीम के साथ बिजली चोरों के खिलाफ बड़े स्तर पर छापेमारी कर अभियान चलाया इस दौरान मुंडलाना गांव में 12 व शिक्खर गांव में 2 जगहों पर बिजली चोरी होती पाई गई एसडीओ गुलशन बुलानी ने बताया कि बिजली चोरी करने वालो के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराने की तैयारी की जा रही हैं। उन्होंने बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर आगे भी अभियान जारी रहने की बात कही। विधुत विभाग द्वारा बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी से बिजली चोरों में दिन भर हडकंप मचा रहा। देहरादून से आई टीम में सहायक अभियंता धनंजय कुमार, सहायक अभियंता रॉबिन सिंह, विकास , अनिल अवर अभियंता अनीता काला अवर अभियंता सपना अवर अभियंता मुंडलाना संजना सिंह के अलावा पुलिस बल व लाइन स्टाफ मौजूद रहे।

जैनपुर खुर्द में हुए संघर्ष में आठ पर मुकदमा दर्ज

लक्सर। कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर खुर्द में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दूसरे पक्ष की ओर से 8 लोगों के खिलाफ क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक पक्ष पहले ही 8 के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज करा चुका है। लक्सर कोतवाली के जैनपुर खुर्द गांव में दो परिवारों के बीच कई साल से रंजिश चल रही है। इसी रंजिश के चलते 18 जून की देर शाम दोनों पक्ष कहासुनी के बाद सामने सामने आ गए थे। दोनों पक्षों में जमकर संघर्ष और पथराव हुआ था। इसमें दोनों तरफ से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों के उपचार के बाद पुलिस ने एक पक्ष के नईम की तहरीर पर वाजिद, आस मौहम्मद, असलम, आजाद, तौहिद, शहजाद, अफजाल व फैय्याज के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया था।

मोहर्रम पर 48 लोगों ने किया रक्तदान

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और द नेशनल हेल्पिंग हैंड की टीम की ओर से मोहर्रम के दिन हजरत इमाम हुसैन और करबला के शहीदों की याद में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 48 यूनिट रक्तदान इकट्ठा हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को बिझौली गांव मोहर्रम को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा द नेशनल हेल्पिंग हैंड की टीम की ओर से एक दिवसीय रक्तदान शिविर लगाया गया। इस मौके पर 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के कार्यालय अधीक्षक (प्रशिक्षण) रवि कपूर ने रक्तदान शिविर में पहुंच कर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि जैसे हमारे सैनिक बॉर्डर पर अपनाने खून बहा कर देश की रक्षा और सेवा करते हैं वैसे ही ये रक्तवीर अपने खून से बिना किसी लालच के देश के अंदर रहने वाले जरूरतमंद लोगों की सेवा करने का काम करते हैं। द नैशनल हेल्पिंग हैंड के अध्यक्ष नौशाद हाशमी ने कहा कि रक्तदान को लेकर अभी युवाओं में जागरुकता की कमी है। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान कर हम किसी की जान बचा सकते हैं। मुख्य अतिथि रवि कपूर ने रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र और मेडल पहना कर सम्मानित करते हुए संस्था के द्वारा कराए जा रहे समाज सेवी कार्यों की सराहना भी की रक्तदान शिविर में 48 यूनिट रक्तदान इकट्ठा हुआ।

शिविर में डॉ बीएल शर्मा, अब्दुल रहमान, रियासत अली, सरफराज मलिक, शाहनजर, अखलाक खान, इनाम आदि लोग मौजूद रहे।

घर और दुकान से हजारों का माल साफ

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर ऊद गांव में रविवार रात अज्ञात चोरों ने एक महिला के घर और पास में स्थित परचून की दुकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये से ज्यादा के माल पर हाथ साफ कर दिया। पीडिघ्ता ने सुल्तानपुर पुलिस चौकी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।अकबरपुर ऊद निवासी रीना देवी ने बताया कि रविवार रात वह रोज की तरह अपने घर का मुख्य गेट बंद करके बच्चों के साथ कमरे में सो गई थीं। देर रात अज्ञात चोर घर की दीवार फांदकर भीतर घुस आए। चोरों ने अंदर के कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात, कीमती कपड़े और अन्य सामान चुरा लिया।इतना ही नहीं, चोरों ने घर के पास ही स्थित परचून की दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखी करीब पांच हजार रुपये की नकदी भी चोरी कर ली। सुबह नींद खुलने पर जब रीना देवी कमरे से बाहर निकलीं तो अलमारी खुली पड़ी थी और सारा सामान बिखरा हुआ था। यह देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को सूचना दी और बाद में सुल्तानपुर पुलिस चौकी में तहरीर दी।

कावंड़ यात्रा व आगामी साबिर पाक के सालाना उर्स के मद्देनजर

कलियर पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने कावंड़ यात्रा ओर आगामी साबिर पाक के सालाना उर्स के मद्देनजर कलियर में सत्यापन अभियान चलाकर होटल ढाबों किराएदारों घरेलू नौकर रेडी, ठेली, फड़ वालों का सत्यापन किया। ओर एक मकान स्वामियों कोर्ट का चलान किया।

थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि कावंड़ यात्रा ओर आगामी साबिर पाक के सालाना उर्स के मद्देनजर कलियर थाना क्षेत्र में चार अलग अलग टीमें बनाकर झुग्गी झोपडी व बाहर से आकर रहने वाले लोगों , होटल व मकान मालिकों व बाहरी संदिग्ध ों व्यक्तियों, किरायेदारों, घरेलू नौकर, रेडी, ठेली, फड वाले कबाड़ियों का सत्यापन कियागया है। इस दौरान करीब 230 लोगों का सत्यापन किया गया ओर सत्यापन न कराने वाले एक मकान मालिक कोर्ट का चालान किया है। रेडी फड़ फेरी वालों से पुलिस अधिनियम के तहत 6250 रुपए का जुर्माना वसूला गया है। साथ ही 12 होटलो को भी चौकिंग की गई।सभी मकान स्वामियों को अपने किरायेदारों का सत्यापन कराने के लिए कहा गया है। सोशल साईट पर भ्रामक संदेश व फर्जी विज्ञापनो से बचने की अपील कर जागरूक किया। टीम थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार,एसएसआई बीएस चौहान,ईमलीखेडा चौकी प्रभारी उमेश कुमार,धनौरी चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान ,एएसआई इमामुद्दीन मौजूद रहें।

मां की गोद व पिता की छांव जीवन के सब दुखों को हर लेती है : काला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अपने पिताजी स्व : धनीराम काला के जन्म की वर्षगांठ पर उन्ही के द्वारा स्थापित श्रीमती नीमा देवी काला पब्लिक स्कूल अशोक नगर रुड़की में स्कूल संस्थापक/ प्रबन्धक हर्ष प्रकाश काला ने कहा कि मुझे अपनी माता जी की मृत्यु के 50वर्ष होने एवं पिताजी की मृत्यु के 27वर्ष होने पर भी मां की गोद और पिता की छांव का आनन्द सतत मिल रहा है। उनकी ही स्मृति सदा बनी रही अभी तक रुड़की शहर से लेकर देहात तक ही नही देहरादून, कोटद्वार में भी हजारों पेड़ लगाकर उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने का कार्य करता रहूंगा।आज स्कूल प्रांगण में एवं ढ़डेरा रेलवे स्टेशन के खाली पड़े मैदान में स्कूली शिक्षक एवं बच्चों के साथ वृक्षारोपण करते हुए वृक्षों की सुरक्षा एवं समृद्धि के संकल्प के साथ नीम,बरगद, अमरूद,जामुन,पीपली, बहेड़ा ,कनेर, मौलसिरी,अमलतास आदि के100 पेड़ लगाए गये और हरेला पर्व के एक सप्ताह बाद तक लगातार वृक्षारोपण किया जायेगा।इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्या श्रीमती कुसुम काला,उप प्रधानाचार्य डॉ विनीत काला प्रबंधन समिति सदस्या मंजू काला अध्यापक अध्यापिकाएं श्री रवि शंकर ,रोहित कुमार, रश्मि भण्डारी,प्रिया,अनुमोल सिंह, रश्मि रावत, हिमानी, भुवनेश्वरी रश्मि रौतेला, आकांक्षा रावत,चन्दा चंद,रीना रावत,मीरा कार्की,अनीशा, प्रमोद , निक्की,मोंटी एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।इस अवसर पर आज रेलवे स्टेशन पर 50गरीब लोगों एवं भिखारियों को भोजन भी करवाया गया।

आतंकवाद की निंदा

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत अब अपनी बात को प्रभावशाली तरीके से रख पा रहा है। उसका असर भी दिखाई दे रहा है। पहले क्वाड और अब ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। ब्राजील के लियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने रविवार देर रात को 31 पेज और 126 प्वाइंट वाले एक घोषणा पत्र में पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजरायली हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में अपने संबोधन में ठीक ही कहा है कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है और आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं।

पीएम मोदी ने साफ किया कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। जाहिर है पीएम मोदी ने अप्रत्यक्ष रूप से उन देशों को चेताया, जो अपनी सुविधा के अनुसार आतंकवाद की व्याख्या करते हैं और उनका बचाव करते हैं। हालांकि सभी सार्वजनिक मंच पर यह कहते हुए दिखाई देते हैं, वह आतंकवाद के खिलाफ हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई इसके उलट है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बहसो में हम देख चुके हैं कि चीन ने किस तरह पाक में संरक्षण पा रहे आतंकवादियों का बचाव किया है। यही काम अमेरिका भी करता है। मतलब बड़ी ताकतें अपने-अपने नजरिये से आतंकवाद को देखती हैं। इसी तरफ पीएम मोदी ने यह कहकर इशारा किया है कि आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए सुविधा नहीं। यूं भी देखने में आ रहा है कि क्वाड हो या ब्रिक्स, उसमें आतंकवाद की निंदा तो की गई है, पहलगाम का भी जिक्र किया गया है, लेकिन पाकिस्तान का नाम लेने से सीधे बचा गया है, जबकि भारत का स्टैंड स्पष्ट रहा है कि भारत में जो आतंकवादी घटनाएं होती हैं, उसके पीछे पाक का सीधे हाथ है।

भारत 2026 में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। निश्चित रूप से भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। ब्रिक्स में और भी कई बातें देखने को मिलीं। जिसके घोषणा पत्र में कहा गया है कि किसी भी देश पर एकतरफा प्रतिबंध लगाना पूरी तरह गलत है और यह अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। एकतरफा टेरिफ के फैसलों पर भी चिंता जताई गई है और कहा गया कि यह विश्व व्यापार संगठन नियमों के खिलाफ है। घोषणा पत्र में पारदर्शी और समावेशी ट्रेड का समर्थन किया गया है जिसमें विकासशील देशों से बिना भेदवभाव के व्यापार शामिल है। घोषणा पत्र में धर्म, देश और सभ्यता या जाति समूह से आतंकवाद को जोड़ने का इन्कार किया गया है। बात सही भी है, आतंकवाद का किसी धर्म से लेना-देना नहीं है और न ही इसका कोई रूप है, लेकिन असल सवाल यह है कि ब्रिक्स के घोषणा पत्र में निंदा की गई है क्या वह काफी है। केवल आतंकवाद पर निंदा करने से कुछ नहीं होने वाला। जब तक सभी देश वास्तव में जमीन पर इसके लिए काम नहीं करेंगे और जो देश व समूह उनको संरक्षण देंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक अच्छे परिणाम नहीं आएंगे।

नहीं बताऊंगा, मैं कैसा महसूस करता हूं

उनका सामान पैक कर दिया गया है। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जल्द ही दूसरे सरकारी आवास में चले जाएंगे, जिसका खर्च वह खुद वहन करेंगे, मैं आपको नहीं बताऊंगा कि मैं कैसा महसूस करता हूं, लेकिन आप खुद कल्पना कर सकते हैं कि मैं इसके बारे में कैसा महसूस कर रहा हूं, हम दो बच्चों, प्रियंका और माही के माता-पिता हैं, वे खास बच्चे हैं और उनकी विशेष जरूरतें हैं, उन्हें नेमालाइन मायोपैथी नाम की एक बीमारी है, आप जानते हैं, यह एक बहुत ही दुर्लभ आनुवांशिक विकार है, जो मांसपेशियों को प्रभावित करता है, अब यह शायद कुछ दिनों की बात है या कुछ दिनों की नहीं, बल्कि शायद अधिक से अधिक कुछ हफ्तों की।

-डीवाई चंद्रचूड, पूर्व मुख्य न्यायाधीश

महाराष्ट्र में भाषा विवाद चिंता का विषय

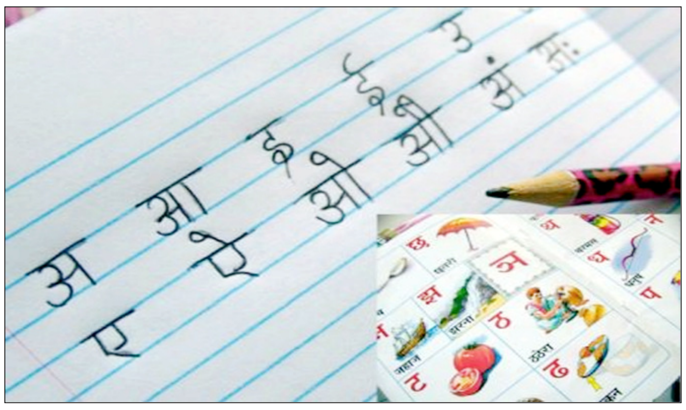

विनीत नारायण

मेरी दृष्टि में भारत में जितनी भाषाएं बोली जाती हैं, सब राष्ट्रभाषाएं हैं। उनको समान आदर उपलब्ध होना चाहिए। किसी एक भाषा का साम्राज्य दूसरी भाषाओं पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, वह भाषा चाहे हिंदी हो और चाहे कोई और हो। कोई कारण नहीं है कि तमिल, तेलगू, बंगाली या गुजराती को हिंदी दबाए, लेकिन गांधी जी के कारण कुछ बीमारियां इस देश में छूटीं, उनमें एक बीमारी हिंदी को राष्ट्रभाषा का वहम देने की भी है। हिंदी को यह अहंकार गांधी जी दे गए कि वह राष्ट्रभाषा है। तो हिंदी प्रांत उस अहंकार से परेशान हैं और वह अपनी भाषा को पूरे देश पर थोपने की कोशिश में लगे हुए हैं। हिंदी का साम्राज्य भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है, तो किसी भाषा का नहीं किया जा सकता हैं।

भाषा संवाद के लिए होती है, झगड़े उपद्रव के लिए नहीं। झगड़े उपद्रव के लिए लठबाजी, गोलीबारी होती है। गले लगा लो तो बिना भाषा के भी संवाद हो जाता है। राष्ट्र में महाराष्ट्र का होना गौरव और गरिमा की बात है। महाराष्ट्र की उत्कृष्ट सभ्यता संस्कृति है। इसे क्षुद्र स्तर पर न ले आने के लिए हम सजग सावधान रहें, तो इसकी सभ्यता-संस्कृति पूरे विश्व में जगमगाती रहेगी।

मराठी-गुजराती-हिंदी-अंग्रेजी की यहां सब नदियां एक ही महासागर से जुड़ी हैं। इसलिए यहां संकीर्णता नहीं, उदारता ही प्रवाहमान होती है। सभ्यता-संस्कृति का दीप-स्तम्भ बनती है। यह कहना है स्वामी चौतन्य कीर्ति का। इस विषय में ओशो क्या कहते हैं- एक मित्र ने पूछा है कि क्या भारत में कोई राष्ट्रभाषा होनी चाहिए? यदि हां, तो कौन सी? राष्ट्रभाषा का सवाल ही भारत में बुनियादी रूप से गलत है। भारत में इतनी भाषाएं हैं कि राष्ट्रभाषा सिर्फ लादी जा सकती है और जिन भाषाओं पर लादी जाएगी उनके साथ अन्याय होगा। भारत में राष्ट्रभाषा की कोई भी जरूरत नहीं है। भारत में बहुत सी राष्ट्रभाषाएं ही होंगी और आज कोई कठिनाई भी नहीं है कि राष्ट्रभाषा जरूरी हो। रूस बिना राष्ट्रभाषा के काम चलाता है तो हम क्यों नहीं चला सकते? आज तो यांत्रिक व्यवस्था हो सकती है संसद में, बहुत थोड़े खर्च से, जिसके द्वारा एक भाषा सभी भाषाओं में अनुवादित हो जाए, लेकिन राष्ट्रभाषा का मोह बहुत महंगा पड़ रहा है। भारत की प्रत्येक भाषा राष्ट्रभाषा होने में समर्थ है इसलिए कोई भी भाषा अपना अधिकार छोड़ने को राजी नहीं होगी, होना भी नहीं चाहिए, लेकिन यदि हमने जबर्दस्ती किसी भाषा को राष्ट्रभाषा बना कर थोपने की कोशिश की तो देश खंड-खंड हो जाएगा। आज देश के बीच विभाजन के जो बुनियादी कारण हैं उनमें भाषा एक है। राष्ट्रभाषा बनाने का खयाल ही राष्ट्र को खंड-खंड में तोड़ने का कारण बनेगा। अगर राष्ट्र को बचाना हो तो राष्ट्रभाषा से बचना पड़ेगा और अगर राष्ट्र को मिटाना हो तो राष्ट्रभाषा की बात आगे भी जारी रखी जा सकती है।

मेरी दृष्टि में भारत में जितनी भाषाएं बोली जाती हैं, सब राष्ट्रभाषाएं हैं। उनको समान आदर उपलब्ध होना चाहिए। किसी एक भाषा का साम्राज्य दूसरी भाषाओं पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, वह भाषा चाहे हिंदी हो और चाहे कोई और हो। कोई कारण नहीं है कि तमिल, तेलगू, बंगाली या गुजराती को हिंदी दबाए, लेकिन गांधी जी के कारण कुछ बीमारियां इस देश में छूटीं, उनमें एक बीमारी हिंदी को राष्ट्रभाषा का वहम देने की भी है। हिंदी को यह अहंकार गांधी जी दे गए कि वह राष्ट्रभाषा है। तो हिंदी प्रांत उस अहंकार से परेशान हैं और वह अपनी भाषा को पूरे देश पर थोपने की कोशिश में लगे हुए हैं। हिंदी का साम्राज्य भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है, तो किसी भाषा का नहीं किया जा सकता हैं। सिर्फ संसद में हमें यांत्रिकव्यवस्था करनी चाहिए कि सारी भाषाएं अनुवादित हो सकें और वैसे भी संसद कोई काम तो कोई करती नहीं है कि कोई अड़चन हो जाएगी। सालों तक एक-एक बात पर चर्चा चलती है, थोड़ी देर और चल लेगी तो कोई फर्क नहीं होने वाला है। संसद कुछ करती हो तो भी विचार होता कि कहीं कार्य में बाधा न पड़ जाए। कार्य में कोई बाधा पड़ने वाली नहीं मालूम होती हैं। फिर मेरी दृष्टि यह भी है कि यदि हम राष्ट्रभाषा को थोपने का उपाय न करें तो शायद बीस पच्चीस वर्षों में कोई एक भाषा विकसित हो और धीरे-धीरे राष्ट्र के प्राणों को घेर ले। वह भाषा हिंदी नहीं होगी, वह भाषा हिंदुस्तानी होगी। उसमें तमिल के शब्द भी होंगे, तेलगू के भी, अंग्रेजी के भी, गुजराती के भी, मराठी के भी। वह एक मिश्रित नई भाषा होगी जो धीरे-धीरे भारत के जीवन में से विकसित हो जाएगी, लेकिन अगर कोई शुद्धतावादी चाहता हो कि शुद्ध हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना है तो यह सब पागलपन की बातें हैं। इससे कुछ हित नहीं हो सकता है। यह तो थी ओशो की सोच।

महाराष्ट्र, एक ऐसा राज्य है जो अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और मराठी भाषा के लिए जाना जाता है, आज भाषा विवाद के कारण चर्चा में है। मराठी, जो इस राज्य की आत्मा है, न केवल एक भाषा है, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान, इतिहास और गौरव का प्रतीक भी है। हाल के वर्षों में, मराठी भाषा के उपयोग और सम्मान को लेकर कई विवाद सामने आए हैं, जो सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर तनाव का कारण बन रहे हैं। महाराष्ट्र में मराठी को प्राथमिकता देने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। विशेष रूप से मुंबई जैसे महानगरों में, जहां विविधता अपनी चरम सीमा पर है, मराठी भाषा को कई बार उपेक्षित महसूस किया जाता है। गैर-मराठी भाषी समुदायों की उपस्थिति और वैश्वीकरण के प्रभाव ने मराठी के उपयोग को कुछ हद तक सीमित किया है। यह स्थिति स्थानीय लोगों में असंतोष को जन्म देती है, जो अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य और परंपराओं का वाहक भी है। मराठी साहित्य, जिसमें संत ज्ञानेश्वर से लेकर आधुनिक लेखकों तक का योगदान शामिल है, जो विश्व स्तर पर अपनी गहराई के लिए जाना जाता है। फिर भी, सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर मराठी के उपयोग में कमी देखी जा रही है। यह स्थिति मराठी भाषी समुदाय के लिए चिंता का विषय है। राज्य सरकार ने मराठी को अनिवार्य करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं, जैसे स्कूलों में मराठी पढ़ाई को बढ़ावा देना और सरकारी कार्यों में इसका उपयोग सुनिश्चित करना, लेकिन इन प्रयासों को और प्रभावी करने की आवश्यकता है। साथ ही, मराठी के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। गैर-मराठी भाषी लोगों को भी मराठी सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि सामाजिक एकता मजबूत हो।

मराठी भाषा या देश की अन्य भाषा का संरक्षण केवल एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हमारी साझा सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है। विवादों को सुलझाने के लिए संवाद और सहयोग जरूरी है। मराठी व अन्य भाषाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए हमें एकजुट होकर प्रयास करना होगा, ताकि सभी भाषाएं अपनी गरिमा और गौरव के साथ फलती-फूलती रहें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पहला परजीवी कीट जो आज तक हमारे साथ है

खटमल तो हमारा खून तब से चूसते आ रहे हैं जब हमारे पूर्वज बस्तियां बनाकर रहने लगे थे। वैसे कई शोधकर्ताओं का मत है कि खटमल को यह खिताब देने से पहले यह समझना होगा कि कई अन्य जंतुओं को लेकर ऐसे अध्ययन हुए ही नहीं हैं। कुछ खटमल चमगादड़ों से खून ग्रहण करते हैं, जबकि कुछ मनुष्यों से अपना खून चूसते हैं।

हमें रेल्वे स्टेशनों पर मंडराते चूहे या घर की रसोई में विचरते कॉकरोच तो खूब नजर आते हैं और हम मान लेते हैं कि ये शहरी नाशी-कीटों में सर्वोपरि हैं, लेकिन हाल ही में बायोलॉजी लेटर्स में प्रकाशित एक अध्ययन कहता है कि इन सबसे पहले खटमल ने शहरी बस्तियों को त्रस्त किया था। जी हां, वही खटमल जो ट्रेन की सीटों में, टॉकीजों में और घरों के बिस्तरों में रहता है और खून चूसता है।

खटमलों की कई प्रजातियां हम पर आश्रित हैं और उनका जीवन हमारा खून पीकर ही चलता है, लेकिन जेनेटिक साक्ष्य बताते हैं सुदूर अतीत में खटमलों का पसंदीदा या शायद एकमात्र शिकार चमगादड़ हुआ करते थे। जेनेटिक प्रमाण यह भी बताते हैं कि लगभग 2 लाख 45 हजार वर्ष पूर्व कुछ खटमलों ने छलांग लगाकर मनुष्यों को अपना पोषक बना लिया। कहते हैं कि इस छलांग के चलते खटमलों के दो वंश उभरे थे, एक जो चमगादड़ों का खून चूसते रहे और मुख्य रूप से गुफाओं तथा यूरोप और मध्य पूर्व के प्राकृत वासों में बसे रहे। दूसरे वंश ने आधुनिक बस्तियों में मनुष्य को साथी बनाया। इस प्रक्रिया को समझने के प्रयास में वर्जीनिया पोलीटेक्निक इंस्टिट्यूट के जीव वैज्ञानिक वॉरेन बूथ और उनके साथियों ने चेक गणतंत्र में रहने वाले आम खटमलों की 19 किस्मों (10 चमगादड़ों का खून चूसने वाले और 9 पूर्णतः मनुष्यों पर आश्रित) के संपूर्ण जीनोम्स का विश्लेषण किया। इन दो समूहों के डीएनए में हुए उत्परिवर्तनों की तुलना की और यह मॉडलिंग किया इस

तरह के परिणाम आने के लिए प्रत्येक समूह की आबादी कितनी रही होगी। इस आधार पर बूथ समूह ने अनुमान लगाया कि प्रत्येक खटमल किस्म की आबादी में दसियों हजार सालों में कैसे उतार-चढ़ाव आए होंगे। उन्होंने पाया कि चमगादड़-सम्बंधी खटमलों की आबादी 60,000 सालों तक निरंतर घटती गई जबकि मानव सम्बंधी वंशों की आबादी भी 60,000 साल पहले घटी थी, लेकिन 13,000 साल पहले और 7000 साल पहले यह फिर से बढ़ी थी। इस परिवर्तन के कारण के तौर पर बूथ की टीम का मत है कि ठंडी होती जलवायु ने खटमलों की आबादी में शुरुआती गिरावट पैदा की, लेकिन जब मनुष्य घुमंतू जीवन शैली छोड़कर बसने लगे तो खटमलों ने नए आरामदायक जीवन का फायदा उठाया और उनकी आबादी बढ़ी। और 7000 साल पहले तो बड़ी शहरी बस्तियों के विकास ने उन्हें एक और मौका दे दिया। यदि यह कालक्रम सही है, तो खटमल को दुनिया का सबसे पहला शहरी नाशी-कीट होने का खिताब मिलेगा, जो पूरी तरह मनुष्यों पर आश्रित हैं। तुलना के लिए देखें कि कॉकरोच ने हमसे निकट सहवासी सम्बंध मात्र 2000 साल पहले तथा काले चूहे ने मात्र 5000 साल पहले स्थापित किया है।

-स्रोत फीचर्स

महिला एवं बाल विकास में तकनीकी परिवर्तन का एक दशक

अन्नपूर्णा देवी

सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुंच से होती है। बीते दशक में, अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत का निर्माण करने पर केंद्रित सरकार की प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहुंच को नए सिरे से परिभाषित किया गया है और सभी के लिए सुलभ बनाया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। हम अक्सर कहते हैं सशक्त महिलाएं, सशक्त भारत और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुंच से होनी चाहिए। आज यह पहुंच तेजी से डिजिटल होती जा रही है। जो कभी आकांक्षापूर्ण था, वह अब क्रियाशील बन चुका है। ऐसा सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदाई शासन पर जोर दिए जाने की बदौलत संभव हुआ है। मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए-पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुंच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्वकर्ता और अमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें। इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है। भारत भर में 2 लाख से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरूपित यह

कार्यक्रम बाल्यावस्था देखरेख और विकास की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है। पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालई शिक्षा सेवाओं की ज्यादा प्रभावी प्रदायगी संभव बनाते हुए इन केंद्रों को स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नए-नए लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंट्री, कार्य निष्पादन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है। यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाइंड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। एक दशक पहले, आईसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने-पोषण सेवा प्रदायगी में सटीकता, दक्षता और जवाबदेही की शुरुआत कर इस परिदृश्य को बदल दिया है ।

10.14 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी अब इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं, जिनमें गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, छह साल से कम उम्र के बच्चे और किशोरियां शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म विकास की निगरानी और पूरक पोषण प्रदायगी पर रियल-टाइम अपडेट को सक्षम बनाते हुए समय पर हस्तक्षेप और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करता है। डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक केंद्रों के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों की नए सिरे से परिकल्पना कर, शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटते हुए-पोषण ट्रैकर महत्वपूर्ण रूप से स्वस्थ भारत, सुपोषित भारत के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ा रहा है। लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2025) से सम्मानित यह मंच पोषण भी पढाई भी का भी समर्थन करता है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करते हुए विकसित भारत के अमृत काल में समग्र देखभाल को बढ़ावा दे रहा है। पूरक पोषण कार्यक्रम में पारदर्शिता को और मजबूत करने तथा लीकेज कम करने के लिए एक फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम शुरू किया गया है। इस डिलिवरी तंत्र को सुरक्षित, सटीक और सम्मानजनक बनाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि पोषण सहायता केवल पात्र लाभार्थियों को ही मिले।

प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से यह मंत्रालय पोषण से बढ़कर, महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित कर रहा है। शी-बॉक्स पोर्टल हर महिला को, चाहे वह किसी भी रोजगार की स्थिति में हो या संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करती हो, पॉश अधिनियम के तहत उसे शिकायत दर्ज कराने के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान करता है, जिससे ऑनलाइन निवारण और ट्रैकिंग संभव हो पाती है। इस बीच, मिशन शक्ति डैशबोर्ड एंड मोबाइल ऐप संकट से घिरी महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करता है, उन्हें निकटतम वन स्टॉप सेंटर से जोड़ता है, जो अब लगभग हर जिले में चालू है। यह कदम इस बात का उदाहरण हैं कि तकनीक का उपयोग न केवल दक्षता के लिए, बल्कि न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भी किया जा रहा है। पीएमएमवीवाई नियम, 2022 के तहत, गर्भवती महिलाओं को उनके पहले बच्चे के लिए 5,000 रुपए की राशि मिलती है। मिशन शक्ति के तहत, अगर दूसरा बच्चा लड़की है, तो - बेटियों के लिए सकारात्मक सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देते हुए लाभ की राशि 6,000 रुपए तक बढ़ जाती है। कागज रहित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली के माध्यम से वितरित, शुरुआत से अब तक 4 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों तक 1,9000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंच चुकी है। पीएमएमवीवाई-आधार-आधारित प्रमाणीकरण, मोबाइल-आधारित पंजीकरण, आंगनवाड़ी/आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर सहायता और रियल-टाइम डैशबोर्ड का लाभ उठाते हुए एक पूर्णतः डिजिटल कार्यक्रम है।

लेखिका-केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ब्रिक्स देशों को ट्रम्प ने दी धमकी

कहाः अमेरिका विरोधी नीतियों का समर्थन करने वाले देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

ब्रिक्स को कई देशों ने एक अनुकूल संगठन के रूप में स्वीकार किया है और उन्होंने इसमें शामिल होने की इच्छा व्यक्त की है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स राष्ट्रों की कथित 'अमेरिका विरोधी' नीतियों का समर्थन करने वाले देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त व्यापार शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया 'ट्रुथ' पर कहा कि ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों का जो भी देश समर्थन करेगा उस पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जाएगा और इस नीति में कोई अपवाद नहीं होगा। गौरतलब है कि पश्चिमी आधिपत्य को चुनौती देने और विकासशील देशों की आवाज को बढ़ावा देने के लिए ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा एक वैकल्पिक मंच के रूप में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षीय संगठन की अमेरिकी राष्ट्रपति काफी लंबे समय से आलोचना करते रहे हैं।

ब्रिक्स को कई देशों ने एक अनुकूल संगठन के रूप में स्वीकार किया है और उन्होंने इसमें शामिल होने की इच्छा व्यक्त की है। पिछले वर्ष मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया था और इस वर्ष इसमें वियतनाम एक भागीदार राष्ट्र बन गया। बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि संगठन के देशों ने अमेरिकी शुल्क नीतियों की आलोचना करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में सुधार का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने प्रमुख मुद्राओं के मूल्यांकन का मुद्दा भी उठाया था और इसी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह धमकी दी है।

ब्रिक्स देशों ने रविवार को ब्राजील की राजधानी रियो डी जेनेरियो में बैठक शुरू की जिसमें वैश्विक संस्थाओं में सुधार का आह्वान किया गया और बढ़ते व्यापार संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच इस गठबंधन को कूटनीति के लिए एक मंच के रूप में स्थापित करने की बात भी कही थी। ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में विभिन्न शुल्कों की निंदा की गई और उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बताया गया। इन शुल्कों पर 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापार गतिविधियों में अनिश्चितता' लाने का आरोप लगाया गया। ब्रिक्स देशों ने जून में ईरान पर किए गए सैन्य हमलों की निंदा करते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा सहित विश्व के नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसमें ऑनलाइन भाग लिया, जबकि चीन का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री ली कियांग ने किया।

चीन ने की ट्रम्प की धमकी की निंदा

टैरिफ से किसी को लाभ नहीं होता यह देशों पर दबाव बनाने की कोशिशः चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग। ब्रिक्स देशों पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने की ट्रम्प की धमकी की चीन ने निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि टैरिफ से किसी को लाभ नहीं होता है। यह बस दूसरे देशों पर दबाव बनाने की कोशिश है। ब्राजील में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल देशों ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और टैरिफ को लेकर अमेरिका की निंदा की थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका विरोधी नीति का समर्थन करने वाले देशों को 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसे लेकर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि टैरिफ के इस्तेमाल से किसी को भी लाभ नहीं होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से टैरिफ को निलंबित किए जाने की समयसीमा नौ जुलाई को समाप्त हो रही है। इसे लेकर दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ हुई है। पिछले दिनों ट्रम्प ने कहा था कि नौ जुलाई के बाद वैश्विक टैरिफ से राहत नहीं मिलेगी। इसके बाद वह अधिकांश देशों पर टैरिफ पर 90 दिवसीय रोक को बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने 10-12 देशों को नए टैरिफ लगाने की सूचना देने के लिए पत्र साइन कर दिए हैं, जिन्हें सोमवार को भेजा जाएगा। गौरतलब है कि इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ब्राजील की मेजबानी में हुआ, जिसमें पुराने 5 देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) के अलावा नए सदस्य देशों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और इंडोनेशिया ने हिस्सा लिया।

गुरुग्राम। भारी बारिश के बाद दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड पर जलभराव से गुजरते यात्री।

इजरायल ने लाल सागर के बंदरगाहों पर हमले किए

यरुशलम/सन्ना। इजरायल ने कल देर रात यमन में लाल सागर के बंदरगाहों पर हवाई हमले किए हैं। यह हमला इजरायली सेना द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों को तत्काल क्षेत्र को खाली निकासी की चेतावनी जारी करने के कुछ ही मिनटों बाद पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों ने होदेइदाह बंदरगाह सहित यमन के पश्चिमी तट पर कई स्थानों पर विस्फोटों की सूचना दी। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने एक बयान में कहा कि हमलों ने हूती के गढ़ों को निशाना बनाया, जिसमें होदेइदाह, अस सालिफ़ और रास ईसा के बंदरगाह, रास कातिब पावर स्टेशन और गैलेक्सी लीडर शामिल हैं। इजरायली सेना ने कहा कि लक्षित बंदरगाहों का इस्तेमाल हूती द्वारा ईरानी शासन से हथियार स्थानांतरित करने के लिए किया गया था, जिसका उपयोग तब इजरायल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकी अभियान चलाने के लिए किया जाता है। इजरायली सेना के अनुसार गैलेक्सी लीडर को रेड सी में जहाजों को ट्रैक करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रडार प्रणाली से लैस किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पाकः वर्षा जनित हादसों में 72 की मौत, 130 घायल

इस्लामाबाद। पाक में 26 जून से मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम 72 लोगों की मौत हुई है और 130 अन्य घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पिछले 24 घंटों में बारिश से संबंधित दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत और तीन लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। एनडीएमए के अनुसार, सबसे अधिक मौतें उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा हुई हैं, जहां 12 बच्चों सहित 28 लोगों की जान गंवाई है और 23 अन्य घायल हुए हैं।

पश्चिमी नाइजर में 11 आतंकवादी मारे गएः सेना

नियामी। नाइजीरिया की सेना ने कहा है कि उसने पश्चिमी नाइजर के टिल्लाबेरी और डोसो क्षेत्रों में दो जुलाई और तीन जुलाई को किए गए दो समन्वित हमलों के जवाब में कम से कम 11 आतंकवादियों को मार गिराया है। नाइजीरियाई रेडियो और टेलीविजन पर रविवार को प्रसारित एक सैन्य बयान के अनुसार पहली मुठभेड़ दो जुलाई को हुई। उस समय आतंकवादी समूहों ने टिल्लाबेरी के एक गांव के रास्ते में एक सैन्य काफिले पर घात लगाकर हमला किया।

नाइजीरिया में सड़क हादसे में 21 की मौत, तीन घायल

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तरी प्रांत कानो में रविवार को एक ट्रक और बस की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। कानो स्टेट फेडरल रोड सेफ्टी कॉर्प्स के सेक्टर कमांडर मुहम्मद बटुरे ने कहा कि यह दुर्घटना कासुवार डोगो क्षेत्र में ज़ारिया-कानो राजमार्ग पर बस चालक की गलती के कारण घटित हुई। हादसे के समय बस चालक गलत मार्ग पर गाड़ी चला रहा था।

रूस ने यूक्रेन के छह ड्रोन को मार गिराया

मास्को। रूसी वायु रक्षा बलों ने सोमवार मास्को पर हमला करने की कोशिश कर रहे छह यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि आपातकालीन सेवाओं के विशेषज्ञ दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीनों में मास्को को लक्षित करके हजारों ड्रोन छोड़े गए हैं।

हाफिज सईद का बेटा बिलावल पर भड़का

कहाः उन्होंने पाक की बेइज्जती कराई, बिलावल बोले थेः सईद को भारत प्रत्यर्पित करने को तैयार

इस्लामाबाद। हाफिज सईद के बेटे तलहा सईद ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर पाकिस्तान को ग्लोबल लेवल पर बेइज्जत करने का आरोप लगाया। दरअसल, बिलावल ने दो दिन पहले कहा था कि पाकिस्तान हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते भारत इस प्रोसेस में सहयोग करे। तलहा ने कहा कि बिलावल का यह बयान पाकिस्तान की पालिसी, राष्ट्रीय हित और संप्रभुता के खिलाफ है।

उन्होंने कहा- क्या कोई नेता अपने नागरिकों को दुश्मन देश को सौंपने की बात कर सकता है। तलहा जो खुद एक ग्लोबल आतंकी है उसने अपने पिता का बचाव करते हुए कहा-हाफिज सईद का कोई भी काम पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। बिलावल का बयान पाकिस्तान की इमेज को ग्लोबल लेवल पर बदनाम करने वाला है। पाकिस्तान की नेशनल काउंटर टेररिज्म अथारिटी के मुताबिक, पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को बैन कर रखा है। हाफिज सईद को लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य चेहरा माना जाता है। वह 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। हाफिज सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में टेरर फंडिंग के लिए 33 साल की सजा काट रहा है, जबकि ग्लोबल आतंकवादी मसूद अजहर पर भी प्रतिबंधित लगाया गया है।

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का उड़ाया मजाक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी एलन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि एलन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है। अमेरिका की व्यवस्था ऐसी पार्टियों के लिए बनी ही नहीं है। तीसरी पार्टियों का एक ही काम होता है, अव्यवस्था और अराजकता फैलाना। और हमारे पास पहले से ही पर्याप्त अराजकता है, जिसे रैडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट्स फैला रहे हैं।

सऊदी अरब में सजा-ए-मौत का नया रिकॉर्ड

6 महीने में 180 लोगों को फांसी

नशे के मामलों में बढ़ी फांसी, मानवाधिकार संगठन ने जताई चिंता, विदेशी नागरिकों पर ज्यादा गिरी गाज

दुबई। सऊदी अरब में मौत की सजा को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल का कहना है कि पिछले साल सऊदी अरब में रिकॉर्ड संख्या में लोगों को फांसी दी गई। इनमें ज्यादातर मामलों में नशे से जुड़े अपराध शामिल थे, जो जानलेवा नहीं थे।

सऊदी सरकार की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है, लेकिन मानवाधिकार समूह इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में सऊदी अरब में कुल 345 लोगों को मौत की सजा दी गई, जो पिछले 30 साल में सबसे ज्यादा है। वहीं, इस साल के पहले छह महीने में ही 180 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। अगर यही रफ्तार रही तो 2025 में भी नया रिकॉर्ड बन सकता है। एक और मानवाधिकार संगठन 'रीप्राइव' के अनुसार, इस साल सऊदी अरब में करीब दो-तिहाई फांसियां नशे से जुड़े मामलों में दी गई हैं। ये ऐसे अपराध थे, जिनमें किसी की जान नहीं गई थी। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने भी यही चिंता जताई है कि गैर-हिंसक अपराधों में इतनी सख्त सजा देना गलत है।

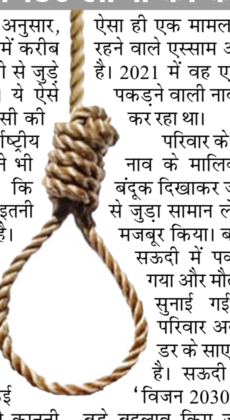

एमनेस्टी की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब में नशे के मामलों में मौत की सजा पाने वालों में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक हैं। इनमें से कई लोगों को न तो अपनी कानूनी प्रक्रिया की जानकारी थी और न ही उन्हें वकील मिला। अकेले इस साल सऊदी में जितने लोगों को फांसी दी गई, उनमें से आधे से ज्यादा विदेशी नागरिक थे। ऐसा ही एक मामला मिस्र के रहने वाले एस्साम अहमद का है। 2021 में वह एक मछली पकड़ने वाली नाव पर काम कर रहा था।

परिवार के मुताबिक, नाव के मालिक ने उसे बंदूक दिखाकर जबरन नशे से जुड़ा सामान ले जाने को मजबूर किया। बाद में उसे सऊदी में पकड़ लिया गया और मौत की सजा सुनाई गई। उसका परिवार अब हर दिन डर के साए में जी रहा है। सऊदी अरब में 'विजन 2030' के तहत बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। महिलाओं को गाड़ी चलाने की आजादी, विदेशी निवेश बढ़ाने जैसी कोशिशें हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, कारोबारी वर्ग और अन्य लोगों पर सख्ती बढ़ गई है। 2021 में सरकार ने नशे के मामलों में मौत की सजा पर रोक लगाने का ऐलान किया था, लेकिन तीन साल के अंदर ही यह रोक बिना किसी वजह हटा दी गई।

मानवाधिकार कार्यकर्ता जीद बसयौनी का मानना है कि अगर सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान चाहें तो इस नीति में तुरंत बदलाव आ सकता है। वह आम माफी दे सकते हैं या कानून में सुधार कर सकते हैं। लेकिन अभी तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया। बसयौनी ने कहा कि सऊदी अरब में दिखावटी सुधारों के पीछे असल में एक सख्त और डर का माहौल बना हुआ है, जिसे बदलना जरूरी है।

शेख हसीना पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

अदालत में पेश नहीं हुए, तो भी चलेगा मुकदमा, लगाए गए हैं मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप

यह सभी आरोप पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान हुई घटनाओं से जुड़े हैं

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं। इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल यानी अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण 10 जुलाई को यह तय करेगा कि हसीना और उनके दो बड़े सहयोगियों के खिलाफ औपचारिक आरोप तय किए जाएं या नहीं।

उन पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप हैं। शेख हसीना, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जामान खान कमाल और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर पांच बड़े आरोप लगाए गए हैं। इनमें हत्या, हत्या की कोशिश, लोगों पर अत्याचार और खतरनाक हथियारों के इस्तेमाल के मामले शामिल हैं। यह सभी आरोप पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान हुई घटनाओं से जुड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 ने साफ कर दिया है कि 10 जुलाई को तीनों आरोपियों पर आरोप तय करने पर फैसला सुनाया जाएगा। उस दिन बचाव पक्ष के वकील यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि हसीना और उनके सहयोगियों पर लगे आरोप बेबुनियाद हैं। अगर कोर्ट को आरोप सही लगे तो आरोप तय कर दिए जाएंगे और मुकदमा औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा। बीते बुधवार को शेख हसीना को अदालत की अवमानना मामले में छह महीने की जेल की सजा भी सुनाई गई है। यह सजा उनकी गैर-मौजूदगी में दी गई। हसीना पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद से देश से बाहर हैं। यह उनके खिलाफ पहली बड़ी सजा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच बांग्लादेश में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में करीब 1400 लोगों की जान चली गई थी। यह हिंसा सरकार विरोधी आंदोलन को दबाने के दौरान हुई थी। इसी हिंसा के बाद हसीना सरकार सत्ता से बाहर हुई और उन्हें देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। हसीना पर सिर्फ मानवता के खिलाफ अपराध ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के भी कई आरोप लगे हैं। ढाका की अदालत ने हसीना, उनके परिवार के सदस्यों और कई पूर्व अधिकारियों को 20 जुलाई को पेश होने का नोटिस दिया है।

नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं में 215 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल में इस वर्ष मई से जून के बीच विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में 15 बच्चों और 200 लोगों की मौत हो गई। नेपाल पुलिस ने आज जारी एक रिपोर्ट में बताया कि 15 मई से 14 जून के बीच 2,911 दुर्घटनाओं में 200 लोगों और 15 बच्चों की मौत हो गई। इनमें 4240 लोग घायल हुए, जिनमें से 580 की हालत गंभीर है। रिपोर्ट में बताया गया कि सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं दुपहिया वाहनों से हुई और दूसरे स्थान पर कार दुर्घटनाएं रहीं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार ये हादसे ओवरस्पीड, नशे में गाड़ी चलाने और सड़क पार करने के दौरान हुए।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से अब तक 80 मौतें

41 लोग लापता, कई इलाकों में फिर से बाढ़ की चेतावनी, राष्ट्रपति ट्रम्प टेक्सास जा सकते हैं

वाशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लापता हैं। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया।

हालांकि कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचा लिया गया। टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं। हेलिकाप्टर और ड्रोन्स से अभी लोगों की तलाश जारी है। पीएम मोदी ने भी शनिवार को बाढ़ में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की।